Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 21 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 274 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

कामयाबी कभी बड़ी नही होती, पाने वाले हमेशा बड़े होते है। दरार कभी बड़ी नही होती भरने वाले हमेशा बड़े होते है।

शारदीय नवरात्र : सातवां दिन

कालरात्रि दुर्गा का ध्यान

करालरूपा कालाब्जसमानाकृति विग्रहा।
कालरात्रिःशुभं दद्याद् देवी चण्डाटटहासिनी।।

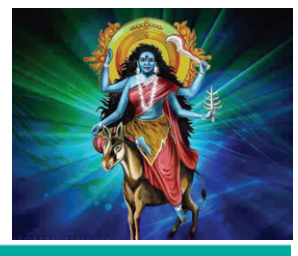

SHARE

सेंसेक्स	:	65,397.62
निफ्टी	:	19,542.65

SARAFA

सोना	:	5862
चांदी	:	77.50

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

निठारी कांड: मनिंदर सिंह पंढेर जेल से रिहा, हाई कोर्ट ने किया था बरी

NOIDA : बहुचर्चित निठारी कांड में आरोपित रहे और डी-5 कोठी के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर आखिरकार शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर जिला जेल से रिहा कर दिया गया। पंढेर को इलाहाबाद हाइ कोर्ट के फैसले के बाद रिहा किया गया है। हाई कोर्ट ने उसे मामले से बरी कर दिया था। अब परवाना आने पर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद मनिंदर को जेल से रिहा किया गया। जेल से बाहर आने के दौरान उसे कुर्ता-पजामा में देखा गया। उसके साथ उसका एक परिजन था, जिसने उसका थैला हाथ में ले रखा था। साथ में तीन वकील भी थे। वहां मौजूद मीडिया के सवालों का पंढेर ने कोई जवाब नहीं दिया। सवाल पूछने पर उसने गाड़ी में बैठकर हाथ जोड़ लिए। इसके बाद वकीलों के साथ गाड़ी में बैठकर रवाना हो गया।

आईएएस छवि रंजन की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई दो को

RANCHI : जमीन घोटाले के आरोपित निलंबित आईएएस छवि रंजन की जमानत याचिका पर शुक्रवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए दो नवम्बर की तिथि निर्धारित की। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने बहस की। छवि रंजन की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की। यह मामला चेशायर होम रोड में फर्जी दस्तावेज के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। इससे पहले उन्होंने बरियातू के सेना की जमीन से जुड़े दूसरे केस में जमानत याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। ईडी रांची में जमीन से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है। दोनों ही मामलों में छवि रंजन आरोपित हैं। फिलहाल छवि रंजन बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) में बंद हैं। छवि रंजन रांची के पूर्व डीसी भी रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 62 रन से हराया

BENGALURU : आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के 18वें मैच में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत पाकिस्तान के साथ हुई। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 62 रन से हराया। पाकिस्तान की पूरी टीम 305 रन बनाकर सिमट गई। 2023 के 18वें मैच में ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत पाकिस्तान के साथ हुई। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 62 रन से हराते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट 367 रन बनाए। मार्श ने 121 रन की पारी खेली। वहीं, डेविड वॉर्नर ने 163 रन बनाए। शाहीन अफरीदी को 5 विकेट मिले। हारिस रऊफ को तीन विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 305 रन पर सिमट गई। अब्दुल्लाह शफीक ने 64 और इमाम-उल-हक ने 70 रन की पारी खेली। मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। एडम जंपा को 4 विकेट मिले।

राजस्थान मित्र मंडल पूजा समिति में मां दुर्गा की प्रतिमा

प्रधानमंत्री ने नमो भारत ट्रेन में किया छात्रों के साथ सैर

AGENCY UTTAR PRADESH : गाजियाबाद की धरती पर शुक्रवार को नया इतिहास रच गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पहली रैपिड रेल रैपिडएक्स (नमो भारत) को देश की जनता को समर्पित कर दिया। मोदी ने नमो भारत ट्रेन का सफर भी किया और छात्रों एवं स्टाफ से बातचीत भी करते नजर आए। ट्रेन में उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे।

प्रधानमंत्री ने नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद वह सभास्थल पर खुली जीप में लोगों के बीच से होकर पहुंचे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के प्रवक्ता पुनीत वत्स के मुताबिक 21 अक्टूबर से रैपिड ट्रेन सेवा आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगी। पहले फेज में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक 17 किमी की यात्रा की जा सकेगी। यह यात्रा 12 मिनट में तय की जा सकेगी। इसमें पांच स्टेशन पड़ते हैं। इस कॉरिडोर की लंबाई 82 किमी है, जिसमें से 14 किमी का हिस्सा दिल्ली में और 68 किमी का हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। एनसीआरटीसी इस रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का ऐसा नेटवर्क तैयार कर रहा है, जिसे दिल्ली मेट्रो की अलग-अलग लाइनों के साथ जोड़ा जाएग।

सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-2 के तहत अंतरराष्ट्रीय गिरोह का किया पदार्फाश

AGENCY NEW DELHI : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने ऑपरेशन चक्र-क्कके तहत भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर सैकड़ो करोड़ रु. से अधिक की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन निवेश से संबन्धित धोखाधड़ी का पदार्फाश किया है।

सीबीआई ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ऑपरेशन चक्र-क्क की कड़ी के तौर पर सीबीआई ने साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों पर अपनी कार्रवाई जारी रखी एवं दो अन्य मामलों में व्यापक सफलता हासिल की।

पहला मामला वर्ष 2022 में, गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा दी गई सूचना सहित विभिन्न सूचनाओं के आधार पर, सीबीआई ने विदेशी घोटालेबाजों द्वारा निवेश, ऋण और नौकरी के अवसरों के नाम पर भारतीय नागरिकों पर किए जा रहे संगठित साइबर अपराध के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। धनराशि के इधर-उधर होने के जटिल जाल का विस्तृत विश्लेषण करने के पश्चात, सीबीआई ने हाल ही में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की। जालसाजों ने कथित तौर पर पोंजी योजनाओं एवं बहु-स्तरीय विपणन पहलों के माध्यम से आकर्षक अंशकालिक नौकरियों के वादे के साथ पीड़ितों को लुभाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों एवं उनके विज्ञापन पोर्टलों, एन्क्रिप्टेड चैट एप्लिकेशन और एसएमएस का लाभ उठाया। पहचान को छुपाने के लिए, इन अपराधियों ने यूपीआई खातों, क्रिप्टो मुद्राओं व अंतरराष्ट्रीय धन हस्तांतरण से जुड़े बहुस्तरीय तरीके का प्रयोग किया।

सीबीआई ने बताया कि कथित तौर पर, जालसाज एक प्रसिद्ध सर्च इंजन के विज्ञापन उपकरण के साथ-साथ थोक एसएमएस भेजने के लिए किराए के हेडर का उपयोग कर रहे थे जिससे धोखाधड़ी का तंत्र तैयार हो रहा था। पीड़ितों को उच्च मुनाफा वापसी की उम्मीद में यूपीआई खातों के माध्यम से धन जमा करने का लालच दिया गया। गलत तरीके से कमाए गए धन को यूपीआई खातों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से धनशोधन किया गया, जो अंततः फर्जी प्रमाण-पत्रों का उपयोग करके क्रिप्टो मुद्रा या सोने की खरीद में परिवर्तित हो गया।

संजय सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई, ईडी ने किया विरोध

AGENCY NEW DELHI : आप नेता संजय सिंह की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। ईडी की ओर से वी राजू ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली संजय सिंह की याचिका का विरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि याचिका निराधार है। संजय सिंह के कोई मूल अधिकार का हनन नहीं हुआ है। याचिका खारिज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुकी संजय सिंह प्रभावशाली आदमी है। इसलिए डर के चलते दिनेश अरोड़ा ने अपने पहले दिए बयानों में संजय सिंह का नाम नहीं लिया। लेकिन बाद में उसने संजय सिंह का नाम लेकर उनकी भूमिका के बारे में बताया है।

दिनेश अरोड़ा का ओरिजनल बयान जो ईडी के दफ्तर में था, उसकी इमेज संजय सिंह के पास मिली। संजय सिंह के घर पर छापेमारी के दौरान 3 पेज का डॉक्यूमेंट उनके घर से मिला, जो

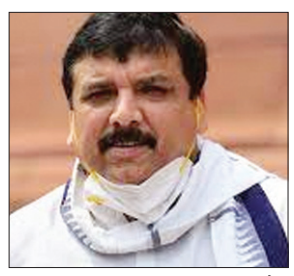

अरेस्ट मेमो में भी शामिल है। संजय सिंह पर सीधे तौर पर रिश्वत की रकम लेने का मामला बनता है। प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस बनता है।

ईडी ने रद हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले संजय सिंह के आवास पर छापेमारी की गई। इसी शराब नीति घोटाले के आरोपी की लिस्ट में संजय सिंह की पार्टी के सहयोगी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी शामिल हैं। वह फिलहाल इसी केस के चलते जेल में भी बंद हैं।

गाजा पर रातभर गिरीं मिसाइलें हमास के 100 ठिकानों को कर दिया नष्ट

बड़ी संख्या में संगठन के हथियारबंद लड़ाकों की हुई मौत

AGENCY TEL AVIV : फिलिस्तीन की ओर से लड़ रहे संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को किए गए भीषण आक्रमण के बाद गाजा पट्टी में घमासान मचा हुआ है। इजराइली सुरक्षा बलों ने गुरुवार सारी रात हमास के ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। हमास के 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाकर उसके हथियारबंद आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। इस बीच हमास के हमले में मारे गए आठ थाई नागरिकों के शव बैंकॉक पहुंच गए हैं। इस युद्ध में हमास के समर्थन में हिजबुल्लाह के बाद अब यमन का हूथी भी कूद गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल सुरक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा है कि सेना ने रातभर हमास

और हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इस हमले में लेबनान में मौजूद हिजबुल्लाह का एक आतंकवादी मारा गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने गाजा में पूरी रात 100 से अधिक हमास के ठिकानों पर हमला किया। हमले में बड़ी संख्या में हमास के आतंकवादी मारे गए। उधर, गाजा पर मचे घमासान के बीच इराक में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर दो नए ड्रोन हमले किए जाने का दावा किया गया । एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल में हमास हमले में मारे गए आठ थाई नागरिकों के शव बैंकॉक पहुंच गए हैं।

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में यमन में ईरान समर्थित हूथी भी सक्रिय हो गया है। हूथी ने इजराइल को निशाना बनाते हुए कुछ मिसाइलें दागीं, जिन्हें अमेरिका ने गुरुवार को लाल सागर में निष्क्रिय कर दिया।

पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने बताया कि जमीन पर हमला करने वाली तीन क्रूज मिसाइलों और कई ड्रोनों को एक विध्वंसक के जरिये रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन के आदेश पर अमेरिकी सैन्य जहाज यूएसएस कार्नी लाल सागर में गश्त कर रहा है। यह जहाज गाजा पट्टी में इजराइल और हमास आतंकवादी समूह के बीच युद्ध की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हमास ने इजराइल पर नया गंभीर आरोप लगाया है। हमास ने कहा है कि इजराइल ने गुरुवार देर रात गाजा में ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च परिसर में हमला किया।

पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को मिली ओडिशा के राज्यपाल पद की नई जिम्मेदारी

रघुवर की शिफ्टिंग के बाद जमशेदपुर में तेजी से बदलेगी राजनीतिक बयार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास को अब ओडिशा के राज्यपाल पद की नई जिम्मेदारी मिली है। उनके राज्य की सियासत से बाहर जाने से कोल्हान का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह से बदल गया है। रघुवर दास जमशेदपुर पूर्वी से वर्ष 1995 से लगातार पांच बार विधायक रहे। हालांकि, वर्ष 2019 में वे निर्दलीय प्रत्याशी सरयू राय से हार गए थे। उसके बाद भी वे अपने क्षेत्र में काफी ज्यादा सक्रिय नजर आ रहे थे। माना जा रहा था कि वर्ष 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इसकी तैयारी भी उन्होंने अंदरखाने शुरू कर दी थी। इसी बीच पार्टी ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप दी, जिससे कोल्हान क्षेत्र का पूरा समीकरण ही बदल गया है। जमशेदपुर शहर की दोनों विधानसभा सीटों पूर्वी व पश्चिमी के लिए अभी से दावेदारी शुरू हो गई है। रघुवर के रहते कोई दूसरा नेता पूर्वी सीट से टिकट के लिए गंभीरता से पहल नहीं कर रहा था। अब बदली स्थिति में हर कोई यही चाहने लगा है कि उसे दोनों में से किसी भी सीट से भाजपा अपना प्रत्याशी बना दे।

ऐसे कई दावेदार सोशल मीडिया व तमाम कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय हो गए हैं । फिलहाल जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी दोनों सीट के लिए पार्टी को एक-एक मजबूत प्रत्याशी की जरूरत है। ऐसे में अब देखना होगा कि कौन पार्टी का टिकट पाने में सफल होता है।

कौन किस पर पड़ेगा भारी

सरयू राय : सरयू राय वर्तमान में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक हैं। वे पिछले चुनाव में रघुवर दास को हराकर विधायक बने। इससे पूर्व वे जमशेदपुर पश्चिमी से भी विधायक रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के समय उन्होंने पार्टी छोड़ दी। अब एक बार फिर सरयू राय के भाजपा में दोबारा लौटने की अटकलें लगने लगी हैं। चर्चा यह है कि वे धनबाद से लोकसभा प्रत्याशी बनने के लिए भी प्रयासरत हैं। हालांकि अगर वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ते हैं तो वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में उनकी स्वाभाविक दावेदारी बनी रहेगी। अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो जमशेदपुर की दोनों में से किसी एक सीट के लिए वह स्वाभाविक रूप से उम्मीदवार बने रहेंगे।

अभय सिंह : अभय सिंह जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव लड़ते रहे हैं। वह 2009, 2014 व 2019 के विधानसभा चुनाव में रघुवर दास के खिलाफ जमशेदपुर पूर्वी से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन तीनों बार उनको हार मिली। उनकी छवि कट्टर हिंदुत्वादी नेता की है। इस साल रामनवमी के दौरान कदम शास्त्री नगर में हुए बवाल के बाद उनको जेल भी जाना पड़ा था। फिलहाल वह जेल से बाहर आ चुके हैं। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के काफी करीबी माने जाते हैं। 2024 के चुनाव में उन्हें जमशेदपुर पश्चिम से भाजपा टिकट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, वैसे ऐन वक्त पर समीकरण में कोई बदलाव हुआ तो भाजपा उन्हें जमशेदपुर पूर्वी से भी उतार सकती है।

अमरप्रीत सिंह काले : अमरप्रीत सिंह काले जमशेदपुर पूर्वी से दावेदारी करते रहे हैं। हालांकि, पिछले चुनाव में रघुवर दास की हार के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। अब रघुवर दास के राज्यपाल बनने के बाद वे फिर से सक्रिय हो गए हैं। अमरप्रीत सिंह काले केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के करीबी माने जाते हैं। काले जमशेदपुर पूर्वी में नमन संस्था के माध्यम से अपना शक्ति प्रदर्शन भी करते रहे हैं। भाजपा में प्रवेश मिल जाने के बाद काले की दावेदारी को बल मिलेगा।

विजय कुमार सिंह : भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी विजय कुमार सिंह कुछ दिन पूर्व ही रांची में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए हैं। विजय कुमार सिंह कोल्हान के कमिश्नर भी रह चुके हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद उनकी सक्रियता काफी ज्यादा बढ़ गई है। उनकी पहचान काफी तेज-तर्रार अधिकारी के रूप में रही हैं। वे भी शहर की दोनों सीटों, प्राथमिकता जमशेदपुर पश्चिम, में से किसी भी सीट से टिकट मिलने का जुगाड़ बैठाने में लगे हैं।

राजीव रंजन सिंह : कोल्हान के पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह भी कुछ माह पूर्व ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हुए हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद उनकी सक्रियता काफी ज्यादा बढ़ गई है। उनकी पहचान भी काफी तेज-तर्रार अधिकारी के रूप में रही है। उनके पास पुलिस सेवा का लंबा अनुभव है। राजीव रंजन सिंह कहते हैं कि वे सेवानिवृत्ति के बाद देश की सेवा के लिए अपने अनुभव और क्षमता का उपयोग करना चाहते हैं।

शिव शंकर सिंह : समाजसेवी शिव शंकर सिंह फिलहाल कई संगठनों से जुड़े हुए हैं। वे लंबे समय से संघ से जुड़े हुए हैं। बीते दो साल से वे समाज में काफी ज्यादा सक्रिय हैं। चर्चा है कि वे जल्द ही बीजेपी में शामिल होंगे। उनकी सक्रियता से चर्चा का बाजार काफी गर्म है।

नीरज सिंह : भारतीय जनता पार्टी व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नीरज सिंह जमशेदपुर पश्चिमी क्षेत्र में काफी ज्यादा सक्रिय है। प्रचार-प्रसार से लेकर उनके द्वारा कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते रहे है। वह जमशेदपुर पश्चिम के लिए अपनी दावेदारी कर सकते हैं।

अरविंद सिंह : ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह के भी बीजेपी में आने की चर्चा तेज हो गई है। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मिल भी चुके हैं। जमशेदपुर पश्चिमी क्षेत्र में उनकी सक्रियता भी बढ़ गई है। बाबूलाल मरांडी ने कहा था कि अरविंद सिंह भाजपा के पुराने साथी हैं। जल्द अपने पुराने घर भाजपा में लौटेंगे।बहरहाल यह कुछ ऐसे नाम है जिनकी चर्चा भाजपा से लेकर आम जनता में भी हो रही है लेकिन पार्टी के भीतर कई ऐसे नेता भी हैं जो भीतर ही भीतर टिकट के लिए जोड़-तोड़ बैठा रहे हैं। संभव है भाजपा किसी अचर्चित चेहरे को भी मैदान में उतर सकती है अथवा किसी दूसरे दल के बड़े नेता को भी अपने पाले में खींचकर चौका सकती है। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जमशेदपुर पश्चिम सीट पर देवेंद्र सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था। लिहाजा वह एक बार फिर अपनी दावेदारी जता सकते हैं।

सोशल मीडिया पर भी बना माहौल

झारखंड में विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है लेकिन कोल्हान में सरगर्मी बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर कई दावेदारों के नाम से पेज बना हुआ है जो अभी से ही सक्रिय नजर आने लगे हैं। सरयू सेना के नाम से एक पेज बना हुआ है जिसमें लिखा है कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा की जनता की एक ही राय 2024 पुनः एक बार। वहीं, काले पूर्वी नाम से भी एक पेज बना हुआ है, जिसके नीचे हर हर महादेव, जमशेदपुर 2024 लिखा हुआ है। इसपर तमाम लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। अर्जुन शर्मा ने लिखा है मैदान खाली है...माल लो बाजी। वहीं, अनूप चटर्जी ने लिखा है आप का रास्ता साफ है, ग्रीन सिंगल। लता कुमारी ने लिखा है विजयी भवः। इस तरह से तमाम लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

कैसे करें

तोरई का संकर बीज उत्पादन

तोरई एक बेलवाली फसल है, जो जायद तथा खरीफ ऋतु में सफलतापूर्वक देश के कई स्थानों में लगायी जाती है। नर व मादा पुष्प एक ही बेल पर अलग-अलग स्थान पर तथा अलग-अलग समय पर खिलते हैं। नर पुष्प पहले तथा गुच्छों में लगते हैं जबकि मादा पुष्प बेल की पार्श्व शाखाओं पर व अकेले लगते हैं। पुष्प का रंग चमकीला चमकीला पीला एवं आकर्षक होता है। मादा पुष्प के निचले भाग में फल की आकृतियुक्त अण्डाशय होता है जो निषेचन के पश्चात फल का निर्माण करता है। पुष्प सांयकाल में 5 से 8 बजे के दौरान खिलते हैं। पुष्पन के दौरान नर पुष्पों से जीवित व सक्रिय परागकण प्राप्त होते हैं, साथ ही मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र निषेचन के लिए अत्यधिक सक्रिय होती है। तुरई मे पर-परागण द्वारा निषेचन होता है जो मुख्यत: मधुमक्खियों द्वारा सम्पन्न होता है।

तोरई की बेल

खेत का चुनाव - संकर बीज उत्पादन के लिए फसल बोने से पूर्व पिछले वर्ष खेत में उगाई गई फसलों की जानकारी पहले से कर लेनी चाहिए। खेत का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि पूर्व में उस खेत में तोरई की फसल नहीं ली गई हो, क्योंकि पिछली फसल का बीज खेत में गिर जाता है तथा यह बीज संकर बीज उत्पादन के लिए प्रयुक्त प्रजनकों के बीज के साथ उगकर मादा प्रजनक से पर-परागण करके संकर बीज को दूषित कर देते हैं। मृदा उचित जल निकासयुक्त, जीवांशयुक्त, बलुई दोमट या बलुई होनी चाहिए, जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7.0 के मध्य का होना चाहिए।

मौसम का चुनाव - तोरई के संकर बीज उत्पादन के लिए जायद मौसम की अपेक्षा, खरीफ मौसम अधिक उपयुक्त होता है। खरीफ मौसम में बेलों की वृद्धि, पुष्पन तथा फलन अधिक होता है।खरीफ में बीज की गुणवत्ता व फलत भी अधिक प्राप्त होती है ।

बीज का स्त्रोत - संकर बीज उत्पादन के लिए दो पैतृक प्रजनको (नर व मादा) के आधारीय बीजों की जरूरत होती है। अत: पैतृक प्रजनको का बीज हमेशा विश्वशनीय संस्थानों जैसे कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य एवं केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों आदि से ही प्राप्त करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक - खाद एवं उर्वरक की मात्रा मृदा की उर्वरता पर निर्भर करती है। खेत की अन्तिम जुताई के समय 25 से 30 टन सड़ी-गली गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाना चाहिए। नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा क्रमश: 80:60:60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मिलानी चाहिए। नत्रजन की एक तिहाई तथा फास्फोरस व पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा अन्तिम जुताई के समय देनी चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो समान भागों में बांटकर बुवाई के 25 से 30 तथा 45 से 50 दिनों के बाद खड़ी फसल में देना चाहिए।

पृथक्करण दूरी - बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनाये रखने के लिए पृथक्करण दूरी बनाये रखना अत्यन्त आवश्यक होता है। अत: इसके लिए संकर बीज वाली फसल को, तुरई की अन्य प्रजातियों तथा चिकनी तुरई आदि से कम से कम 800-1000 मीटर की पृथक्करण दूरी पर बोना चाहिए।

बीज की मात्रा - नर व मादा प्रजनकों के लिए बीज की मात्रा अलग-अलग ली जाती हैं। मादा प्रजनक के लिए लगभग 1.75 से 2.00 किलोग्राम एवं नर प्रजनक के लिए लगभग 0.50 किलोग्राम बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

बीज उपचार एवं बुवाई - बुवाई करने से पूर्व बीज को थाइरम नामक फफुंदनाशी (2 ग्राम दवा प्रति किग्रा. बीज) से उपचारित करना चाहिए। शीघ्र अंकुरण के लिए बीजों को 20 से 24 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए तथा इसके पश्चात् टाट की बोरी के टुकडें में लपेट कर किसी गर्म जगह पर रखना लाभप्रद होता है। बीज की बुवाई नालियों में करनी चाहिए। नाली से नाली के बीच 3 मीटर तथा थाले से थाले के मध्य 80 सेमी. दूरी रखनी चाहिए। नालियाँ 50 सेमी. चौडी व 35 से 45 सेमी. गहरी बनी होनी चाहिए।

नर एवं मादा पौधों का अनुपात - तुरई में संकर बीज उत्पादन के लिए नर व मादा प्रजनकों को एक निश्चित अनुपात (नर = मादा = 1 = 3) के अनुपात में खेत में बनी नालियों में बुवाई करनी चाहिए। खेत में प्रथम पंक्ति तथा अन्तिम पंक्ति में नर पैतृक जनकों की बुवाई करे जिससे कि पर-परागण के दौरान बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनी रहती है।

नर पुष्पमादा पुष्प

संकर बीज उत्पादन की विधि - तुरई में प्राकृतिक रूप से पर-परागण कीट पतंगों के माध्यम से होता है अत: संकर बीज उत्पादन की मुख्यत: दो विधियाँ अपनायी जाती है।

1. हाथ द्वारा कृत्रिम निषेचन करके - यह विधि पर्याप्त प्रथक्करण दूरी उपलब्ध न होने की दशा में अपनाई जाती है। इस विधि में मादा प्रजनक पर लगे पुष्पों को पुष्पन के एक दिन पहले बटर पेपर से बनी थैली से ढक देते है। इस थैली में 4-5 बारीक छिद्र हवा के आगमन के लिए करना आवश्यक है। अगले दिन सॉयकाल 4 से 8 बजे के मध्य नर पुष्पों से परागकण एकत्रित करके महिन ब्रुश की सहायता से बटर पेपर थैलों से ढके मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र पर परागकणों को स्थानान्तरित कर पुन: बटर पेपर से ढक देते है। 3 से 4 दिनों के पश्चात् जब निषेचित मादा पुष्पों में फलन आरम्भ हो जाता है तो फल की पर्याप्त वृद्धि के लिए उन पर लगी थैलियों को सावधानीपूर्वक हटा देना आवश्यक है। अधिक गुणवत्ता बीज प्राप्त करने के लिए प्रत्येक बेल से 4 से 5 फल ही प्राप्त करना चाहिए इससे अधिक फल लेने पर बीजों के विकास एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

pollans on male flower हाथ द्वारा पर-परागण परागित पुष्प को ढकना

नर पुष्प पर परागकण हाथ द्वारा पर-परागण परागित पुष्प को ढकना

2. खुला परागण द्वारा निषेचन (मादा प्रजनक के नर फूलों को हटाना तथा मधुमक्खियों द्वारा परागण) - इस विधि का उपयोग पर्याप्त पृथक्करण दूरी (800 से 1000 मीटर) उपलब्ध होने की दशा में चुना जाता है। मादा प्रजनकों पर लगे नर पुष्पों की पुष्पकलिकाओं को खलने से पहले ही तोड़ दिया जाता है इसके लिये खेत में पुष्पकलियों के खिलने से पहले खेत का लगातार निरीक्षण करना आवश्यक है। पर-परागण के लिए प्रति एकड़ एक मधुमक्खी का छत्ता पर्याप्त होता है।

अवांछनीय पौधों का निष्कासन -

संकर बीज उत्पादन में यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें पैतृक प्रजनको की आनुवांशिक तथा भौतिक शुद्धता बनी रहती है। खेत में पैतृक प्रजनको के अलावा तोरई की अन्य किस्मों के पौधों तथा चिकनी तोरई के पौधों को फूल आने से पूर्व अवश्य निकाल देना चाहिए। पैतृक प्रजनकों के आनुवांशिक गुणों का बीज उत्पादक को ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है।

फसल का निरीक्षण निम्नलिखित तीन अवस्थाओं में करके अवांछनीय पौधों को निकाल देना चाहिए।

फूल आने से पूर्व पौधे के बाहय गुणों के आधार पर जैसे पत्तों का रंग, आकार, बेल की वृद्धि इत्यादि।

फूल आने के समय फूलों के गुणों के आधार पर जैसे फूलों का रंग, आकार एवं प्रकार आदि।

फल की तुडाई से पूर्व, फल वृद्धि तथा तुड़ाई के समय फलों की गुणवता के आधार पर।

तुड़ाई एवं बीज निष्कासन -मादा प्रजनक के फलों का रंग भूरा होकर फलों के तथा फल सुखने के पश्चात् इनको बेलों से तोड लिया जाता है। परिपक्व फलों को हिलाने पर फल में उपस्थित बीजों की आवाज आती है। परिपक्व फलों को 5 से 10 दिनों तक छायादार स्थान पर रखकर सुखाया जाता है, ताकि फलो एवं बीजों में उपस्थित अतिरिक्त नमी निकल जायें। सूखे हुए फलो से बीज निकाल लेना चाहिए। परिपक्व बीज काले व चमकीले रंग के दिखाई देते है।

बीज निकालने के लिए तैयार फल

उपज - इस प्रकार तुरई के संकर बीज की उपज 1.5 से 2.0 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है।

कीट एवं व्याद्यि प्रबंद्यन - इस फसल को मुख्यत: रस चूषक कीट जैसे फलमक्खी एवं लाल भृंग कीट द्वारा विभिन्न अवस्थाओ पर नुकसान पहूँचाया जाता है। अत: इन कीटों के नियनूत्रण के लिए बेलों पर मैलाथियान या एण्डोसल्फान (1.5 - 2.0 मिली. प्रति लीटर) का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मृदुलोमिल आसिता रोग का प्रकोप गर्मियों के मौसम में बरसात हो जाने की दशा में अधिक होता है जिसकी रोकथाम के लिए डायथेन एम-45 (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें। अधिक तापमान व शुष्क मौसम की दशाओं में चूर्णिल आसिता रोग के लक्षण बेलों पर दिखाई देते है। इसकी रोकथाम के लिए कैराथेन (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें।

तरबूज का संकर बीज उत्पादन

मुनाफे का सौदा

तरबूज एक वार्षिय, उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय बेल फसल है। यह उभयलिंगाश्रयी होता है, अत: नर व मादा फूल अलग-अलग उत्पन्न होते है। फूल ज्यादातर एकल ही आता हैं। नर एवं मादा पुष्पो का खिलना प्रात: 6.00 बजे से शुरू होता है और 7.30 पर पूर्ण हो जाता है। परागकण स्फुटन पुष्पन से एक घंटे पहले शुरू होता है और 7.00 बजे तक जारी रहता है। इसमे प्राकृतिक परागण मधुमक्खी द्वारा होता है। उच्च तापमान पर वर्तिका द्रव सुखना शुरू हो जाता है। इसलिए फलन दर कम हो जाती है।

संकर किस्मे -तरबूज की अनेकों संकर किस्मे वर्तमान मे उपलब्ध है। इनमे भारतीय उद्यानिकी अनुसंधान संस्थान से अर्का ज्योति, इंडो-अमेरीकन हाइब्रिड सीड कंपनी से मधु, मिलन एवं मोहिनी, नामधारी सीडस से एन.एस. 295, नन्हेमस सीड्स से खुशबू, मधुबाला, सितारा तथा नॉन यू सीड्स से किरण, मिथिला एवं मधुमिता विकसित की गई है।

मृदा एवं जलवायु - तरबूज के लिए 6.5-7.0 पी एच वाली गहरी व अच्छे जल निकास वाली बलुई एवं बलुई दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। यह उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है। बीज उत्पादन के लिए शुष्क क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाती है क्योकि इस क्षेत्र मे कीट एवं व्याधियों का प्रकोप कम होता है।

पृथककरण दूरी - तरबूज एक अत्यधिक पर-परागण वाली फसल है। इसलिए, आधार बीज उत्पादन के लिए कम से कम 1500 मीटर एवं प्रमाणित बीज के लिए 1000 मीटर की दूरी रखी जाती है।

मौसम -

उत्तर भारत : जनवरी – फरवरी

दक्षिण भारत : सितंबर अक्टूबर

बुवाई की दूरी-

400 सेमी × 150 सेमी

बीज दर -

मादा पैतृक - 2.5 किलो / हेक्टेयर

नर पैतृक - 0.5 किलो / हेक्टेयर

बुवाई की विधि-

नर एवं मादा पैतृकों को सन्निकट पंक्तियों में 1:3 या 1:4 के अनुपात में बोया जाता है।

उथला खड्डा विधि - 300 × 100 सेमी की दूरी पर 60 × 60 × 45 सेमी आकार के उथले गड्ढे, खोदे जाते है। एक सप्ताह के लिए गड्ढों को खुला रखा जाता है तथा 4-5 किलो अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद गोलाकार बेसिन बनाकर डाल दी जाती है। 3-4 बीज प्रति कुंड को 2-3 सेमी पर लगाया जाता है।

उठी हुई क्यारी विधि - समान्यतया बरसात के मौसम मे इस विधि को अपनाया जाता है। इस विधि मे क्यारी को भूमि की सतह से लगभग 15-20 सेमी उठा हुआ बनाते है ताकि समुचित जल निकास हो सके तथा पौधों को आद्रगलन से बचाया जा सके।

अवांछनीय पौधों का उन्मूलन- स्वस्थ बीजोत्पादन के लिए न्यूनतम चार उन्मूलन आवश्यक है, जिन्हे निम्नलिखित चरणों में किया जाता है।

पुष्पन से पूर्व - अवांछित पौधो को उनके वानस्पतिक लक्षणो जैसे पत्तियों की बाह्य आकारिकी, रंग एवं लता की वृद्धि के आधार पर पहचान कर उनको नष्ट कर देते है।

पुष्पन के समय- अगेती एवं पछेती किस्मों की अभिव्यक्ति और लिंग अनुपात के आधार पर पता लगाया जा सकता है।

फल विकास अवस्था पर- फल के विभिन्न लक्षणो के आधार पर अवांछनीय पौधो को पहचाना जा सकता है।

फल परिपक्वन अवस्था पर - फल के छिलके का रंग, छिलके की मोटाई, बीज का रंग, कुल घुलन शील ठोस पदार्थ आदि के आधार पर अवांछनीय पौधो की पहचान की जा सकती है।

किसी भी चरण पर यदि रोगग्रस्त पौधे दिखाई देते है तो उनको हटा दिया जाता है।

उर्वरक प्रबंधन - तरबूज मे गुणवत्ता युक्त बीजोत्पादन के लिए 15-20 टन/हेक्टेयर अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 60-80 किलोग्राम नत्रजन, 40-60 किलोग्राम फोस्फोरस एवं 60-80 किलोग्राम/हेक्टेयर पोटेशियम आवश्यक है। कैल्शियम बोरेक्स का मिश्रण की 3-4 ग्राम प्रति लीटर मात्रा बुवाई के 35-40 दिन या प्रथम पुष्पन के

मादा पुष्प

नर पुष्प

आने पर देते है जिससे फल जमाव की दर बढ़ जाती है।

परागण -मादा पुष्प कालिका को खुलने के एक दिन पहले बटर पेपर या रुई की सहायता से ढक देते है तथा नर पुष्प कालिका को हटा देते है। नर पैतृक की पुष्प कालिका जिसको की अगले दिन खोला जाना है, को इस तरीके से बांधते है जिससे की परगकण स्फुटित होकर भी उसी मे रह जाए। परागण करने के समय नर पुष्प कालिका को सूर्य के प्रकाश के संपर्क मे लाते है ताकि परागण स्फुटित हो सके। इस प्रक्रिया के पश्चात परागण को उसी मादा पुष्प कालिका पर स्थानांतरित करते है जिसको बटर पेपर की सहायता से ढका गया था। परागण के दौरान मादा पुष्प के अंडाशय को हाथ से छूना नहीं चाहिए क्योंकि इससे मादा पुष्पो मे संक्रामण का खतरा रहता है तथा पुष्पो के गिरने की दर बढ जाती है। परागण के लिए सबसे अच्छा समय सुबह 6:00 से 7:30 बजे तक है क्योंकि इस समय बीज बनने की दर अत्यधिक रहती है। एक नर पुष्प से 2-4 मादा पुष्पो कों परागित किया जा सकता है। नर पुष्प की यह क्षमता उसके परागकण उत्पन्न करने की क्षमता पर निर्भर करती है। बीज उत्पादन के लिए एक पौधे पर अधिकतम दो लता शाखाए एवं एक लता शाखा पर सिर्फ एक ही फल लेना चाहिए।

सिंचाई प्रबंधन-

सिंचाई की मात्रा, मिट्टी के प्रकार, तापमान एवं मौसम पर निर्भर करती है। 5-6 दिन मे एक बार सिंचाई जरूर करनी चाहिए। भारी मिट्टी मे पर्याप्त अंतराल पर सिंचाई करने से वानस्पतिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है। जड़ क्षेत्र मे तथा पौधे के निचले भाग मे ज्यादा पानी देने से जड़ गलन तथा फल सड़न की समस्या हो सकती है अतः सिंचाई प्रबंधन अत्याधिक महत्वपूर्ण है।

व्याधि प्रबंधन - चूर्णी फफूंदी इस रोग से ग्रसित पौधो की पत्तियों पर सफ़ेद रंग का चुर्ण दिखायी देता है जिसके कारण पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा फलो की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इसकी रोकथाम के लिए 0.2% केराथेन या 0.1% कैलक्सीन का फसल पर प्रति सप्ताह छिड़काव करें।

श्याम वर्ण - इसमे पत्तियों, तने एवं फलों पर भूरे रंग के धब्बे दिखायी देते है जो बाद मे बड़े होकर ग्रसित भाग को सूखा देते है। इसकी रोकथाम के लिए 0.2-0.3% ब्लाइटोक्स-50 का घोल प्रति सप्ताह छिड़काव करें तथा बीज को बोने से पूर्व कैप्टान या सेरेसान से उपचरित कर लेना चाहिए तथा इस व्याधि की प्रतिरोधी किस्म-अर्का माणिक को उगाए।

आर्द्र विगलन - समुचित जल निकास न होने के कारण पौध अवस्था पर इस रोग का प्रकोप अधिक होता है। इसमे पौधे की जड़े तथा तना सड़ जातें है तथा धीरे-धीरे पौधा सूख जाता है। इससे बचाव हेतु बीजों को बोने से पूर्व, कैप्टान, सेरेसान या थाइरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचरित कर लेना चाहिए।

मोजेक - इस रोग मे ग्रसित पौधे की पत्तिया सिकुड़ जाती है एवं पीली पड जाती है तथा पौधे की वृद्धि रुक जाती है, जिससे पुष्पन एवं फलन बंद हो जाता है। माहु कीट इस रोग का प्रमुख वाहक है अत: इसकी रोकथाम हेतु इसके वाहक कीटों को नष्ट करना आवश्यक है इसके लिये 0.1% मेलाथियान या डाइजीनान या मेटासिस्टोक्स आदि का 7 दिन के अंतराल पर छिडकाव करना चाहिए।

तुड़ाई - परागण के 35-55 दिनों के बाद समान्यतया फल परिपक्व हो जाते है। हल्के हरे रंग के फल का भूमि से लगा हुआ भाग सफ़ेद ओर क्रीम जैसा हो जाए या गहरे हरे रंग के छिलके वाले फलो का भूमि से लगा भाग पीले रंग का हो जाए तथा फल को थपथपाने पर भारी मंद आवाज आये तो इसकी परिपक्वता का पता चलता है। तरबूज से लगे प्रतान यदि सुख जाए तो यह परिपक्वता की अच्छी पहचान होती है। कुल घुलनशील ठोस पदार्थ के आधार पर भी फल परिपक्वता का पता लगाया जा सकता है।

बीज निकालना - बीज को निकालने के लिए फल मे से गुदा एवं बीज दोनों निकाल लिए जाते है तथा दोनों को पानी मे एक दिन के लिए किण्वन होने के लिए रख दिया जाता है। तत्पश्चात बीज नीचे बैठ जाते है, बीजो को रस एवं गुदा से अलग कर लिया जाता है तथा पानी की सहायता से साफ कर लिया जाता है। बीज निकालने के लिए वर्तमान मे मशीनों का प्रयोग भी बड़े पैमाने पर किया जाता है।

बीज को सुखाना - बीज निकालने के तुरंत पश्चात नायलॉन की छाया मे सुखाना चाहिए तत्पश्चात सूर्य की रोशनी मे सुखाना चाहिए। खुले भंडारण के लिए बीज मे नमी की मात्रा 7% तथा नमी रहित भंडारण के लिए 6% आवश्यक है।

बीज की सफाई और श्रेणीकरण - सूखे बीजो को एक एयर स्क्रीन क्लीनर की सहायता से साफ किया जाता है। इसके द्वारा बीज मे उपास्थित कचरे को अलग कर लिया जाता है तथा बड़े व छोटे बीजो को भी अलग अलग कर लिया जाता है। बीजों को विशिष्ट गुरुत्व विभाजक की सहायता से भी अलग किया जा सकता है जिसमे की अपने घनत्व के अनुसार गृत्वाकर्षण बल के कारण बीज अलग-अलग हो जाते है।

उपज - तरबूज में बीज की उपज कई बातो पर निर्भर करती है। जिसमे भूमि की उर्वरा शक्ति, उगाई जाने वाली किस्म, मौसम एवं फसल की देखभाल इत्यादि प्रमुख है। प्रति हैक्टेयर 200-250 किलोग्राम उपज मिल जाती है।

प्रमाणित मानक :

कारक	अधिकतम स्वीकार्य (%) आधार बीज	प्रमाणित बीज
अवांछनिए बीज पैतृक	0.010	0.050
बीज पैतृक मे परागण वाले नर पुष्प	0.0	0.10
अवांछनीय खरपतवार (जंगली तरबूज)	0.0	0.0

बीज मानक :

कारक	आधार बीज	प्रमाणित बीज
शुद्ध बीज (न्यूनतम)	98.0%	98.0%
अक्रिय पदार्थ (अधिकतम)	2.0%	2.0%
दूसरी फसलों के बीज (अधिकतम)	0.0	0.0
कुल खरपतवार बीज (अधिकतम)	0.0	0.0
अनुचित खरपतवार (अधिकतम)	0.0	0.0
दूसरी किस्मों के बीज (अधिकतम)	5/किग्रा	10/किग्रा
अंकुरण (न्यूनतम)	60.0%	60.0%
नमी की मात्रा (अधिकतम)	7.0%	7.0%
वाष्परोधी पात्रो के लिए बीजो मे नमीं की मात्रा (अधिकतम)	6.0%	6.0%

BRIEF NEWS

तालाब से युवक का शव बरामद

RANCHI : रांची के हरमू चौक के पास तालाब से एक युवक का शव शुक्रवार को बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एनडीआरएफ टीम के सहयोग से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाई कोर्ट के न्यायाधीश के बॉडीगार्ड की गोली लगने से मौत

RANCHI : अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित हरमू में हाई कोर्ट के न्यायाधीश एसएन पाठक के बॉडीगार्ड बलराम एक्का की गोली लगने से मौत हो गई है। घटना शुक्रवार सुबह की है। बताया जाता है कि बलराम एक्का को गोली लगने के बाद आनन-फानन में मेडिका अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि बॉडीगार्ड ने आत्महत्या की है या फिर दुर्घटना में गोली चली है, इसकी जांच की जा रही है। डीएसपी राजा कुमार मित्रा और थाना प्रभारी बृज कुमार मामले की जांच कर रहे हैं।

ऐतिहासिक कुच्चू मेला 28 अक्टूबर को

RANCHI : रांची के ओरमांझी में हर वर्ष आश्विन पूर्णिमा को लगनेवाला ऐतिहासिक कुच्चू मेला 28 अक्टूबर को लगेगा। मेले में आकर्षक सांस्कृतिक नागपुरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष नेवालाल महतो ने शुक्रवार को बताया कि मेले के सफल संचालन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। कमेटी में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू को संरक्षक बनाया गया है। महामंत्री द्वारिका प्रसाद , कोषाध्यक्ष बालक महतो और उपाध्यक्ष शशिभूषण कुमार, अमित राज, संदीप कुमार और महेंद्र महतो को बनाया गया है। इस मेले में रामगढ़, हजारीबाग और रांची के विभिन्न प्रखंडों से लोग पहुंचते हैं।

श्री राम मंदिर चुटिया में हुआ शस्त्र पूजन

RANCHI : श्रीराम मंदिर चुटिया में विश्व हिंदू परिषद की महिला इकाई दुर्गा वाहिनी और मातृ शक्ति ने शस्त्र पूजन किया। साथ ही शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर रांची महानगर महापौर आशा लकड़ा को कैलाश केशरी ने शस्त्र देकर समानित किया। लकड़ा ने कहा कि आज कि महिला को शस्त्र की जरूरत हैं। साथ ही सभी दुर्गा वाहिनी और मातृ शक्ति के बहनों से कहा कि सभी को शस्त्र पूजन करना चाहिए। इस मौके पर मातृ शक्ति प्रांत प्रमुख दीपा रानी कुंज,विहिप महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी, प्रांत प्रचार प्रसार सहप्रमुख प्रकाश रंजन, दुर्गा वाहिनी महानगर सहप्रमुख समृद्धि कुमारी, बबिता सहित अन्य मौजूद थे।

रांची डीसी और एसएसपी ने किया फ्लैग मार्च

RANCHI : दुगार्पूजा के दौरान विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने को लेकर डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को अल्बर्ट एक्का चौक से डेली मार्केट होते हुए कर्बला चौक तक फ्लैग मार्च किया। इस दौरान एसएसपी ने रोड पर लगी दुकानों को हटाने के साथ कार्रवाई की हिदायत दी। डीसी ने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए फ्लैग मार्च किया गया। आम जनता को दुर्गा पूजा पंडाल घूमने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

बंगला मंडप, हिनू

छप्पन सेठ, डोरंडा का पूजा पंडाल

राजस्थान मित्र मंडल दुर्गा पूजा समिति

सत्य अमर लोक दुर्गा पूजा समिति

नई सोच के साथ नए नेतृत्व को आगे आना होगा : सुदेश महतो

मिलन समारोह में उपस्थित सुदेश महतो व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य में सीटों की संख्या बढ़े और इसके आधार पर विधान परिषद का गठन हो यह हमारा लक्ष्य। यह राज्य के लिए भी आवश्यक है। राज्य के विकास के लिए काम करने के लिए सिर्फ राजनीतिक अनुभव या राजनीति के माध्यम से जीत कर आने वाला व्यक्ति ही काम कर सकता है इस अवधारणा को बदलना होगा और अलग अलग सेक्टर में योगदान देने वाले और अपने अनुभव से झारखंड के लिए बेहतर काम करने वाले लोग राज्य को नेतृत्व दें इस दिशा में काम करने की आवश्यकता है। नई सोच के साथ नए नेतृत्व को आगे आना होगा। सभी हकदार को भागीदार बनाना हमारा लक्ष्य है।

सुदेश कुमार महतो ने शुक्रवार को रांची स्थित उनके आवासीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कही। इस दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी ब्रज मोहन कुमार और आदित्यपुर नगर निगम के पूर्व वार्ड पार्षद सोनू सिंह ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। ब्रज मोहन बिहार अभियंत्रण सेवा में रहते हुए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता के पद पर रहे। भारतीय प्रशासनिक सेवा में सचिव स्तर के अधिकारी रहते हुए एमडी झारखंड आवास बोर्ड, विशेष सचिव उच्च शिक्षा, प्रशासक स्वर्णरेखा परियोजना, कमिश्नर कोल्हान रहे हैं।

वैज्ञानिक के घर से लाखों की चोरी

PHOTON NEWS RANCHI : कांके थाना क्षेत्र के चौड़ी में रहने वाले बिरसा एग्रीकल्चर कॉलेज के वैज्ञानिक योगेंद्र प्रसाद के घर लाखों की चोरी करने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में कांके थाने में योगेन्द्र प्रसाद ने आज प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार योगेंद्र प्रसाद परिवार के साथ 18 अक्टूबर को बनारस गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। लगभग 20 लाख के आभूषण और तीन लाख

नकदी की चोरी कर ली। चोरी गये आभूषणों में 12 सोने कंगन, छह सोने की हार, 25 कानबाली दो सेट हीरे के गहने, दो हीरे के नोजपीन, 20 सोने की अंगूटी, 13 सोने की चेन, 19 चांदी का पायल, मंगलसूत्र, चांदी का सिक्का, मांग टीका , चांदी का हसुली सहित अन्य शामिल हैं।

कांके थाना प्रभारी आभास कुमार ने बताया है कि सीसीटीवी में छह से सात लोग इलाके में घूमते देखे गए हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है। मौके पर डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम को बुलाकर जांच करवाई गई है।

विनय चौबे, सुनील कुमार और राहुल पुरवार बनेंगे प्रधान सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव राहुल पुरवार को प्रधान सचिव रैंक में प्रमोशन दिया जायेगा। राज्य सरकार ने 1999 बैच के इन अधिकारियों को सुपर टाइम स्केल से सुपरटाइम स्केल में प्रोन्नति देने के लिए भारत सरकार से तीन रिक्तियां मांगी है। केंद्र से इसके अलावा सात और अधिकारियों की रिक्ति मांगी गई है, जिन्हें विशेष सचिव पद से सचिव रैंक में प्रमोशन दिया जाना है।

इसके अलावा प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का को सीएस रैंक में प्रमोशन देने के लिए सीएस रैंक में एक रिक्ति मांगी गयी है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में भारत सरकार से 11 रिक्तियां मांगी, जिन्हें प्रमोशन दिया जाना है। रिक्ति मिलने के बाद डीपीसी की बैठक में अधिकारियों के नाम पर विचार होगा और उसकी अनुशंसा भारत सरकार को दी जायेगी। अधिसूचना कार्मिक मंत्रालय जारी करेगा।

मेडिकल दुकान का ताला तोड़कर नकद सहित तीन लाख की चोरी

PHOTON NEWS RANCHI : डोरंडा थाना क्षेत्र के हिनू स्थित पूजा मेडिकल दुकान एसबेस्टस तोड़कर चोरों ने कैश काउंटर से करीब 70 हजार रुपये नकद और तीन लाख रुपये मूल्य की दवाईयां चुरा ली। इसकी जानकारी तब हुई जब शुक्रवार को कुंवर सिंह कालोनी निवासी दवा कारोबारी सच्चिदानंद प्रसाद दुकान खोलने पहुंचे। दुकान खोलते ही अंदर सामान दवाईयां इधर-उधर बिखरा हुआ था। छत का एक हिस्सा टूटा हुआ था। समझते देर नहीं लगी की चोरी हुई है। चोरों ने दुकान में लगे सीसीटीवी के डीवीआर सेट भी तोड़कर अपने साथ ले गया।

दुकानदार ने तुंरत इसकी सूचना डोरंडा थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन की। हालांकि, अभी तक चोर का कुछ पता नहीं चल सका है। इधर, दुकानदार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस को दिये बयान में दुकानदार सच्चिदानंद प्रसाद ने कहा कि गुरुवार की रात 10.30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए। सुबह में दुकान खोलते ही सामने देखा की छत टूटी हुई है। दुकान के रैक में सस्ती व महंगी दोनों दवाईयां लगी थी लेकिन चोरी गए अधिकतर दवाईयां महंगी है। दुकानदार के अनुसार अभी करीब तीन लाख रुपये मूल्य की दवाईयां चोरी होने का अनुमान है। दवाईयों का मिलान करने के बाद ही पता चलेगा कि वास्तव में कितनी की दवाईयां चोरी हुई। हालांकि, जिस प्रकार से महंगी दवाईयां चोरी हुई है इससे संभावना जतायी जा रही है कि चोर दवा के बारे मे पूरी जानकारी रखता है।

हेमंत सोरेन घोषणावीर सीएम हैं : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन घोषणावीर मुख्यमंत्री हैं। वह अपने कार्यकाल के अंतिम चंद महीनों में घोषणाओं की झड़ी लगाकर जनता को भ्रमित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

प्रतुल ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री ने अबुआ आवास योजना की घोषणा 15 अगस्त को ही की थी लेकिन आज तक इस योजना के लिए 15,000 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान कैसे होगा, इसका कोई स्पष्ट जिक्र नहीं किया। ना ही इस योजना के लिए कहां पर आवेदन देना है यह भी स्पष्ट नहीं है। जाहिर तौर पर मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में अपने वायदे को पूरा करने का नाटक कर रहे हैं लेकिन जनता असलियत जानती है।

प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इसी तरह ग्राम गाड़ी योजना की शुरूआत की और उसमें सब्सिडी देने की घोषणा की लेकिन उसके डिलीवरी मेकेनिज्म को इतना पेचीदा बना दिया कि लाभुकों को शायद ही इसका लाभ मिल पाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने करोड़ों रुपये प्रचार पर खर्च कर-के गरीबों के लिए प्रति लीटर

दुर्गा पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

दुर्गा पूजा पर सभी धर्मों के लोग एकजुटता का दें परिचय : उपायुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि सर्वधर्म सद्भावना के साथ दुर्गा पूजा सम्पन्न हो, इसके लिए सभी धर्मों की सहभागिता जरूरी और अति महत्वपूर्ण है। सभी धर्मों के लोग एकजुटता का परिचय दें ताकि भाईचारे के साथ दुर्गा पूजा संपन्न हो। उपायुक्त शुक्रवार को समाहरणालय में शांति समिति की बैठक में बोल रहे थे।

उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि छोटे-छोटे विवादों में कोई नहीं पड़े। छोटे

बैठक में शामिल उपायुक्त व शांति समिति के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

विवाद होने पर इसे तुरंत समाप्त करने में सहभागिता निभाने को कहा। किसी प्रकार का विवाद होने पर जिला प्रशासन को तुरंत इसकी सूचना दें ताकि कानून का पालन कराया जा सके। उपायुक्त ने बैठक में विशेष रूप से कहा कि हमेशा जिले में बड़े आयोजनों में कुछ असामाजिक तत्व जान बूझकर सोशल मीडिया में ऐसी खबरें प्रसारित की जाती है, जिससे शहर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

उपायुक्त ने सभी लोगों से अपील किया कि सोशल मीडिया का प्रयोग सावधानी से करें। कोई भी संदेश जिससे तनाव उत्पन्न हो, सोशल मीडिया में प्रसारित नहीं करें। ऐसा करने वालों पर जिला प्रशासन कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगा। जिला प्रशासन 24 घंटे ऐसी घटना पर नजर बनाए हुए है। साथ ही कहा कि रांची शहर के पूजा पंडालों में श्रमदान करके साफ-सफाई में सहभागिता दिखाए।

शांति समिति के सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि दुर्गा पूजा आपसी भाईचारा और सौहार्द के साथ सम्पन्न होगा। इसके लिए हम हमेशा तैयार हैं। हमारे लोग भी पूजा पंडालों में सहयोग और अन्य सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। इसपर उपायुक्त ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आप सभी का सहयोग हमेशा से जिला प्रशासन को मिलता रहा है। आप सभी इसके लिए बधाई के पात्र हैं। मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन में भी आप सभी की सहभागिता जरूरी है।

BRIEF NEWS

एनटीपीसी थर्मल पावर प्रोजेक्ट के समक्ष विरोध प्रदर्शन अवैध राख परिवहन बंद करने और रोजगार की मांग

SUNDARGARH : एनटीपीसी दलीर्पाली के आस पास रहने वाले निवासियों ने अवैध राख परिवहन को रोकने, स्थानीय रोजगार, सीएसआर फंड से क्षेत्र के विकास जैसी 17 मांगों को लेकर शुक्रवार को एनटीपीसी दलीर्पाली थर्मल पावर प्रोजेक्ट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक योगेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रायडीही, लाडबंगा, दरलीपाली, झुरीमाल, उल्लाबहाल, मंगसपुर समेत कई गांवों के सैकड़ों प्रभावित लोगों ने विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन में जिला परिषद सदस्य गेलवती पटेल, अश्विनी नायक, अंजलि घोष, सुनील पटेल, संजय साहू, रायडीही सरपंच, लाडबंगा सरपंच समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए हैं। एनटीपीसी के जीएम एचएम चक्रवर्ती, मानव संसाधन एजीएम प्रतिभा सिंह, एजीएम आरएंडआर समीर भंज आंदोलनकारियों से बातचीत करते रहे।

आरपीएफ ने कफ सिरप के साथ दो लोगों को पकड़ा

ROURKELA : राउरकेला रेलवे स्टेशन क्षेत्र में आरपीएफ और राउरकेला एक्साइज डिपार्टमेंट विभाग की संयुक्त छापेमारी में 347 बोतल आयोडीन फॉस्फेट मिश्रित कफ सिरप जब्त किया गया। कफ सिरप की कीमत करीब 35 हजार रुपये है। इस सिलसिले में बरगढ़ और संबलपुर से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

घरेलू बस हड़ताल के कारण सभी बस सेवा ठप, यात्री परेशान

ROURKELA : दुर्गा पूजा के उत्सवी माहौल के बीच राउरकेला समेत पूरे राज्य में निजी बसें बंद रहने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लक्ष्मी बसें चलाने का सरकार के फैसले के विरोध करते हुए, राज्य के सभी निजी बस मालिक महासंघ ने अनिश्चित काल के लिए बस संचालन बंद कर दिया है। राउरकेला से राज्य के प्रमुख शहरों के लिए प्रतिदिन 45 एक्सप्रेस बसें चलती हैं। पूजा अवकाश के लिए 29 तारीख तक टिकटें बिक चुकी हैं। अब बस हड़ताल के कारण सभी बसें राउरकेला के न्यू बस स्टैंड पर खड़ी हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में परिवहन बंद होने से पड़ोसी राज्य झारखंड और छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्रियों को भी असुविधा हो रही है। पूजा में यात्रियों के व्यापक हित में राज्य सरकार से निजी बस मालिकों की समस्या का यथाशीघ्र समाधान कर स्थिति सामान्य करने की मांग की जा रही है।

एसपी कार्यालय में दुर्गा पूजा की तैयारियों पर चर्चा

ROURKELA : दुर्गा पूजा को सुचारु रूप से संपन्न कराने को लेकर राउरकेला के एसपी मित्रभानु महापात्र की अध्यक्षता में जिला पुलिस कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में पूजा से जुड़ी सभी मुद्दों पर चर्चा किया गया और पूजा को कैसे शांतिपूर्ण और अच्छे तरीके से पालन किया जाए, इस बारे में चर्चा हुई। इस दौरान बैठक में राउरकेला एकता मंच के सदस्य, अल्पसंख्यक समिति के सदस्य, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

राउरकेला नगर निगम चला रहा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम के ओर से शहर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम जारी है। वहीं खुले स्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रास्ते और अन्य क्षेत्रों में रहने वाले लोगो से नगर निगम द्वारा आश्रय स्थली में रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। दूसरी ओर राउरकेला शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के लिए प्रतिदिन घर-घर से कूड़ा एकत्र किया जा रहा है। राउरकेला महानगर निगम द्वारा नियुक्त सफाई कर्मचारी लोगों के घरों में जाकर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर रहे हैं। अपने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए कृपया कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकें और इसे प्रतिदिन कूड़ेदान में डालें।

गवर्नमेंट ऑटोनॉमस कॉलेज में त्रिदिवसीय वार्षिक खेल फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

ROURKELA : गवर्नमेंट ऑटोनॉमस कॉलेज, राउरकेला में 17-19 अक्टूबर के बीच तीनदिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कॉलेज परिसर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी एवं खेल संयोजक संजय बूटा मुख्य अतिथि थे। कॉलेज के चेयरमैन प्रो विजय कुमार बेहरा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में तीन दिनों तक आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के सैकड़ों विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कॉलेज खेल संसद के उपाध्यक्ष प्रोफेसर समीर सौरभ पारवी और प्रदीप खेस और कॉलेज के खेल शिक्षक कैप्टन मीना दास ने संकाय और अन्य लोगों के साथ तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समन्वय किया। तीन दिनों तक स्नातक और परास्नातक दोनों वर्गों के लड़के और लड़कियों के छात्रों ने दौड़, गोला फेंक, डिस्कस, भाला फेंक, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो खो और बैडमिंटन जैसे विभिन्न खेलों में भाग लिया। इनमें भौतिक उपलब्धि के लिए दोनों श्रेणियों में क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग में प्रताप तिर्की एवं सुजाता कुजूर चैंपियन रहे। इसी तरह, माइकल लुगुन और रेशमा मेंगे को स्नातक और स्नातकोत्तर श्रेणियों में चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया। इसी प्रकार फुटबॉल खेल में बालक वर्ग में आकाश डुंगडोंग के नेतृत्व वाली टीम ने जीत हासिल की, जबकि गोविंद हेम्ब्रम के नेतृत्व वाली टीम उपविजेता रही।

ईडी योगेंद्र तिवारी से आठ दिनों तक करेगी पूछताछ, कोर्ट ने दी मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाले के आरोपित शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को शुक्रवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में पेश किया। ईडी ने योगेंद्र तिवारी से पूछताछ करने के लिए 14 दिनों की रिमांड मांगी। योगेंद्र तिवारी के अधिवक्ता के विरोध पर अदालत ने आठ दिनों की रिमांड की अनुमति दी। अब ईडी योगेंद्र तिवारी से आठ दिनों तक पूछताछ करेगी।

तिवारी को आज बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया गया। रिमांड की अवधि शनिवार से शुरू होगी। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएमपी सिंह ने बहस की जबकि योगेंद्र तिवारी की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया और रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने बहस की।

उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में हुए शराब घोटाले में मनी लांड्रिंग के आरोप में शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को गुरुवार शाम 07:15 बजे गिरफ्तार किया था। योगेंद्र पर ईडी के अधिकारियों की जासूसी कराए जाने का भी आरोप है।

तेजस्वी को भाजपा का जवाब

सिन्हा बोले- भाजपा गुट निरपेक्ष दल, सम्राट बोले- उन्हें क्लीन चिट देना असंभव

पटना। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव द्वारा भाजपा नेताओं पर दिए गए बयान के बाद सियासत तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने उनपर निशाना साधा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सबका साथ और सकबा विकास होता है। यहां कई मल्टीपर्पस नेता हैं। यह राजद नहीं है कि एक मालिक है और सब उसके नौकर हैं। भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता एक साथ मिलकर पार्टी को पूरे देश में श्रेष्ठ बनाने का काम कर रही है। यह एक व्यक्ति की पार्टी नहीं है। लालू प्रसाद को भाजपा की कृपा से मुख्यमंत्री बने थे। उनके बेटे तेजस्वी यादव हरिशचंद्र हो जाते वाली बात जो कह रहे हैं उनको मैं बता दूं कि लालू जी कल भी अपराधी थे और आज भी कोर्ट की नजर में अपराधी हैं। इसलिए एकदम बेफिक्र रहिए तेजस्वी जी, आपके पिता को कभी कोई क्लीनचिट नहीं दे सकती है। भाजपा तो कभी किसी कीमत पर क्लीनचीट नहीं देगी। और, आपको भी नहीं देगी क्यों कि आप भी उन्हीं की श्रेणी में आते हैं। वहीं भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि भाजपा में गुटबाजी नहीं होती है। यहां हर चीज गुटनिरेपक्ष होता है। भाजपा न जाति की पार्टी है और न ही वंशवाद की पार्टी है। यहां सामूहिक नेतृत्व की पार्टी है। सामूहिक नेतृत्व मिलकर काम करता है। जो जातीय नेतृत्व के लहर से प्रभावित हैं, वैसी ही मानसिकता के लोगों को वह भाजपा में खोजते हैं। यहां ऐसा नहीं चलता है। यहां हर नेतृत्व का तुलसी के पत्ते के तरह मान बराबर हैं। तेजस्वी यादव सोने का चम्मच लेकर आए हैं। उनकी पार्टी में कोई भी नेतृत्व उभर नहीं सकता है। भाजपा नेतृत्व को उभारने का काम करता है। सबको समान अवसर देता है।

मोतिहारी में दीक्षांत समारोह में टॉपर्स को किया सम्मानित

पटना। बिहार दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने टॉपर्स को सम्मानित किया। कुल 898 छात्रों ने कार्यक्रम में आक डिग्री हासिल किया। साथ ही राष्ट्रपति ने अलग-अलग संकाय के 10 टॉपर्स को मेडल दिया । कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा सांसद राधामोहन सिंह, जिले के सभी भाजपा विधायक भी मौजूद थे। करीब दो घंटे का कार्यक्रम के बाद वापस पटना के लिए रवाना होंगी। आज शाम पटना एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगीं। करीब एक घंटें तक राष्ट्रपति का कार्यक्रम यहां होगा। इधर, राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर पटना और मोतिहारी में सुरक्षा को लेकर सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई थी। रूट प्लान पहले ही तैयार है। मोतिहारी में कार्यक्रम के कारण भारत-नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी तरह की कोई चूक न हो, इसके लिए बिहार पुलिस और विशेष टीम एक-एक चीजों पर बारिकी से नजर रख रही है। इससे पहले बुधवार को पटना में चौथे कृषि रोडमैप का शुभारंभ करने के बाद राष्ट्रपति ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि राष्ट्रपति के रूप में मेरी भले ही यह पहली यात्रा है लेकिन मैं बिहार और बिहार के लोगों और संस्कृति से भलीभांति परिचित हूं। पड़ोसी राज्य झारखंड मैं छह साल राज्यपाल रही। मैंने बिहार की जीवनशैली और संस्कृति को करीब से जाना है और महसूस भी किया है। मेरा गृह राज्य उड़ीसा भी ऐतिहासिक रुप से बिहार से जुड़ा हुआ है। इसीलिए मुझे लगता है कि मैं भी अपने आपको बिहारी कह सकती हूं। मैं बिहार को अपना राज्य मानती हूं। मुझे बिहार के मुख्यमंत्री अक्सर बुलाते हैं इसलिए मैं बीच बीच में आती रहूंगी। मुझे प्रेसिडेंट के बाद अपने गांव जाकर कृषि का कार्य करना है।

पटना में 24 अक्टूबर तक इस रूट पर नहीं चलेंगी गाड़ियां, क्या-क्या बदलाव हुए

पटना। शारदीय नवरात्र के दौरान राजधानी पटना में जाम नहीं लगे, इसके लिए पटना जिला प्रशासन शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। 21 अक्टूबर से लेकर 24 अक्टूबर तक पटना में लोगों को रूट चेंज कर चलना होगा। कई अहम रूट को चेंज किया गया है। कई रूट पर गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। जाम न लगे इसे देखते हुए प्रशासन ने मेट्रो और सड़क निर्माण कार्यों में लगे भाड़ी वाहनों के आवाजाही पर रोक लगा दी है। आइए जानते हैं किस-किस रूट आवाजाही पर रोक लगा गई है। डाकबंगला रोड से एसपी वर्मा रोड तक गाड़ियां नहीं चलेंगी। डाकबंगला चौराहे से कोतवाली थाने तक गाड़ियां नहीं चलेंगी। पटना जंक्शन से गांधी मैदान जाने वाले छोटे वाहन गोरियाटोली चौक से एग्जीबिशन रोड होते जाएंगे। दानापुर से अशोक राजपथ पर बड़े वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। यह गाड़ियां दानापुर कैंट से सगुना मोड़ होते हुए खगौल-दानापुर स्टेशन जा सकेंगे। दानापुर स्टेशन से बिहटा की ओर जाने वाली गाड़ियां नेउरा होते बिहट-आरा की तरफ जाएंगे। इन चार दिनों में मालवाहन और यात्री वाहनों का परिचालन शहर में पूरी तरह प्रतिबंधित है। गांधी मैदान से बेली रोड जाने के लिए छोटे निजी वाहन छज्जूबाग, सिन्हा लाइब्रेरी, उदयगिरी अपार्टमेंट कोतवाली होते हुए जा सकते हैं। बेली रोड पर हड़ताली मोड़ से छोटी गाड़ियां आयकर गोलंबर तक आएंगी। यहां से वीरचंद्र पटेल पथ की ओर से मुड़ना होगा। बेली रोड से पश्चिम से गांधी मैदान की ओर जाने वाली छोट गाड़ियां वोल्टास मोड़ से विद्यापति मार्ग से आर्ट्स कॉलेज, लेडी स्टीफेंसन हॉल, छज्जूबाग होते हुए जा सकते हैं। आर ब्लॉक चौराहा से आयकर गोलंबर की ओर सभी वाहनों का परिचालन वर्जित होगा। इधर, मखिनयां कुआं-दक्षिण से अशोक राजपथ पर गाड़ी नहीं होगी। गोविंद मित्रा रोड पर दोनों ओर से गाड़ियां नहीं चलेंगी। सब्जीबाग रोड दोनों ओर से वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। बाकरगंज से मखिनयां कुआं की ओर बारीपथ पर वाहन नहीं चलेंगी।

परंपरागत झिझिया नृत्य को जीवित करने में जुटे लोग

दरभंगा । मिथिलांचल में दुर्गा पूजा हो और झिझिया नृत्य न हो, ऐसा नहीं हो सकता है। लेकिन अब ये परंपरा मिथिलांचल से विलुप्त सी हो गई है। झिझिया नृत्य एक ऐसी परंपरा रही है, जो महाअष्टमी की रात (निशापूजन) के दौरान इस नृत्य की विधा रही है। जो अब मिथिलांचल से लगभग पूरी तरह समाप्त होकर कुछ मंचों तक सीमित होकर रह गई है। ये एक ऐसी विधा थी कि झिझिया नृत्य देखने के लिए लोगों की आंखों को दुर्गा पूजा का इंतजार रहता था। इस साल दुर्गा पूजा की रौनक बढ़ती जा रही है। दरभंगा जिले में सिंहवारा प्रखंड के भरवारा बाजार स्थित एक पूजा पंडाल में शाम होते ही महिलाएं गली-गली से अपने सिर पर झिझिया का घड़ा रखकर भक्ति भाव से नाचते-गाते पूजा पंडाल तक पहुंच रही हैं। झिझिया नृत्य को देखने के लिए सड़कों एवं पूजा पंडालों में लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। दुर्गा पूजा के मौके पर दशहरा के समय सज धजकर महिलाएं सिर पर झिझिया का घड़ा रखकर तोहरे भरोसे ब्रह्म बाबा झिझिया बनलियै यो गीत गाते हुए सड़कों पर निकलती हैं। यह मनोरम दृश्य देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट जाती है। झिझिया के निर्माण में लगी रीता देवी, समुद्री देवी और रामदुलारी सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि झिझिया तीन से पांच मिट्टी के घड़ों का बना है। घड़ों में बड़ी संख्या में छिद्र कर झिझिया के लिए तैयार किया जाता है। एक पर एक ऊपर नीचे रख घड़े में दीपक जलाकर मां भगवती की आराधना की जाती है। माना जाता है कि झिझिया को सिर पर रखकर जिन सड़कों से लोग निकालते हैं, वहां की आसुरी शक्ति का नाश होता है। शांति, सद्भाव एवं समरसता बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि गोनू ग्राम भरवाड़ा में अपनी संस्कृति और संस्कार लौटने लगे हैं। यही कारण है कि बारह साल के बाद पंचायत में पिछले साल पुरजोर ढंग से झिझिया उत्सव फिर से शुरू किया गया है। स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष शंभू ठाकुर बालबोध शाह आदि ने बताया, दुरआत्माओं पर विजय का प्रतीक यह उत्सव समाप्त हो रहा था।

यहां माता की प्रतिमा की नहीं बल्कि इस चीज की होती है पूजा

52 सिद्ध पीठ में से एक यह मंदिर

दरभंगा। जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर है नवादा माता हयहठ सिद्धपीठ मंदिर। यह बिहार का पहला ऐसा मंदिर है जहां माता की प्रतिमा की पूजा नहीं होती है। यहां माता के सिंघासन की पूजा की जाती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि सैंकड़ों वर्ष पूर्व एक साधक दरभंगा बहेड़ी प्रखंड से प्रतिदिन कमला नदी पार करके मां भगवती की पूजा अर्चना करने आया करते थे। एक दिन साधक काफी बीमार पड़ गए फिर वह प्रतिदिन की तरह ही माता की पूजा करने आये। पूजा के साधक ने माता से निवेदन किया कि अब वह काफी बीमार हो गए। उन्होंने पूजा करने के बाद माता से अब वह पूजा करने नहीं आ पाएंगे। यह कहकर साधक मंदिर के द्वार पर ही लेट गया। माता ने साधक को सुसुप्तावस्था में स्वप्न दिया कि तुम यहां से मेरी प्रतिमा को ही अपने साथ लेते चलो। इसके बाद साधक प्रसन्न होकर माता की प्रतिमा को अपने साथ लेकर हावीडीह चला गया। जब नवादा गांव के लोगों को इस बात की जानकारी मिली तो उन्होंने माता की प्रतिमा को फिर से वापस लाने का फैसला किया गया। लेकिन, फिर से माता का स्वप्न मंदिर के पुजारी को की प्रतिमा को वहीं रहने दीजिए और आप लोग नवादा गांव मेरी सिंघासन की पूजा कीजिये उसी से आपके गांव का कल्याण होगा। तबसे नवादा गांव में माता के सिंघासन की पूजा की जा रही है। बेनीपुर इलाके के नवादा गांव स्थित यह ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर है। वैसे तो इस मंदिर में प्रत्येक दिन पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ लगी रहती है। यहां साल के चारों नवरात्रा के मां दुर्गा की विशेष पूजा होती है। लेकिन शारदीय नवरात्र का यहां विशेष महत्व है। पड़ोसी देश नेपाल सहित अन्य जिलों से भी लोग मां के सिंघासन का दर्शन करने आते हैं। यहां नवरात्र में बलि प्रदान की प्रथा है। कलश स्थापना के दिन से लेकर नवमी तक भक्त पूरी आस्था विश्वास और मनोकामना के साथ भगवती की पूजा अर्चना करते हैं सिंहासन की पूजा के संबंध में लोगों का अलग-अलग मंतव्य है कुछ लोगों का कहना है कि शिवप्रिय सती का वास स्कंध इसी जगह पर गिरा है। सिंहासन का रूप कान के आकार का है। वहीं इस सम्बंध में डॉक्टर चंद्रमणि झा का कहना है कि नवादा दुर्गा स्थान 52 सिद्ध पीठों में से एक है। इस पीठ का वर्णन देवी भागवत पुराण व मत्स्य पुराण में भी किया गया है। मंदिर के पुजारी अमरनाथ ठाकुर का कहना है जो सच्चे मन से मां भगवती की पूजा अर्चना करते हैं उनको मनवांछित फल मिलता है। पूजा को लेकर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। इस इलाके के लोगों का कहना है कि सैकड़ों वर्ष पहले राजा हयहठ ने मां जगदंबा की मूर्ति स्थापित की थी। इसलिए इस मंदिर का नाम माता हयहठ सिद्धपीठ मंदिर पड़ा।

ट्रेन स्टेशन पहुंचने लगी कि आया कॉल, पटना एसएसएपी बोल रहा हूं- इस ट्रेन में बम है, सघन जांच चल रही

पटना। जंक्शन पर आ गया से चलकर आई पैसेंजर ट्रेन में बम की सूचना से हड़कंप मच गया है। इसके बाद पुलिस अलर्ट हो गई है। गया-पटना ट्रेन के पटना जंक्शन पहुंचने के बाद उसकी सघन जांच की जा रही है। मौके पर डॉग स्क्वायड की टीम और रेल पुलिस के अधिकारी और बड़ी संख्या में जवान पहुंचे हैं और पूरे ट्रेन को सर्च किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ स्टेशन परिसर में भी सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। स्टेशन पर बड़ी संख्या में पुलिस को देखकर यात्रियों में भी हड़कंप मच गया है। दरअसल पटना एसएसपी राजीव मिश्रा के नाम से किसी ने रेल थानेदार को सूचना दिया कि गया-पटना पैसेंजर ट्रेन में बम रखा हुआ है जल्दी तलाशी लीजिए। उसके बाद रेलवे की टीम और सुरक्षाकर्मी अलर्ट हो गए। और जांच अभियान चलाया। इस दौरान ट्रेन से कुछ बरामद नहीं हुआ।

जमुई में घर में घुसकर तेज हथियार से हमला कर पति पत्नी की हत्या, वजह ढूंढ रही पुलिस

जमुई । बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर एक दंपति पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में पति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी ने अस्पताल पहुंचे पहुंचते दम तोड़ दिया। मृतक दंपति की पहचान सिकंदरा थाना क्षेत्र के लहिला गांव निवासी केपीएल चिमनी मालिक देवेंद्र मिश्रा उर्फ देबु मिश्रा और उनकी पत्नी मीरा देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि चीख पुकार सुनकर जबतक हमलोग वहां पहुचे तब तक सभी अपराधी वहां से फरार हो चुके थे। वहां पहुंचने पर देखा कि पति पत्नी लहू लुहान थे।लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को देते हुए दोनों दंपति को अस्पताल ले भागे। चिउकित्स्कों ने बताया कि देवेंद्र मिश्रा उर्फ देबु मिश्रा की पहले ही मौत हो चुकी है जबकि उनकी पत्नी मीरा देवी की मौत अस्पताल लाने के क्रम में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इनकी मात्र एक बेटी है जो अपने ससुराल में है। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में डबल मर्डर की कहानी आग की तरफ फैल गई। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि केपीएल चिमनी मालिक देवेंद्र मिश्रा उर्फ देबु मिश्रा गुरुवार को अपनी पत्नी मीरा देवी के साथ घर में ही थे। तभी कुछ अज्ञात अपराधी टंगी लेकर आये और देवेंद्र मिश्रा के सिर पर दर्जनों बार हमला कर उनकी हत्या कर दी। पति की चीख-पुकार सुनकर पत्नी दौड़कर वहां आई और पति को बचाने की कोशिश करने लगी। इस क्रम में अपराधियों ने मीरा देवी के भी सिर पर टांगी से हमला कर दिया। इस घटना में देवेंद्र मिश्रा उर्फ देवु मिश्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे तब तक अपराधी वहां से फरार हो गये। आननफानन में सभी लोग उन दोनों पति पत्नी को लेकर अस्पताल ले गये, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

संक्षिप्त डायरी

मुस्लिम लड़की से रचाई थी शादी, बीवी ने अपने मायके बुलाया, कुछ ही देर में दुनिया छोड़ गया... क्या हुआ

दरभंगा । एक युवक की डीएमडीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के चाचा ने मृतक की पत्नी पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान एपीएम थाना क्षेत्र निवासी विकास यादव (20) के रूप में की गई है।परिजनों का कहना है कि दिल्ली में रहने के दौरान विकास ने एक मुस्लिम लड़की छह महीने पहले शादी कर ली थी। लेकिन दिल्ली से दरभंगा लौटने के बाद किसी वजह से दोनों में विवाद होने लगा। आज गुरूवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे उसकी पत्नी ने विकास को लहेरियासराय थाना क्षेत्र के पंडासराय स्थित अपने घर बुलाया और कुछ देर बाद ही उसके ससुराल से मौत की खबर आ गई। मृतक विकास के दादा रामस्वार्थ यादव का कहना है कि करीब 6 महीने पहले इस मुस्लिम लड़की से कोर्ट मैरिज शादी किया था। लेकिन इस लड़की को हमलोग का रहन सहन पसंद नही आ रहा था जिस कारण यह अपने मायके पंडासराय में ही रहा करती थी। इसको लेकर विवाद चल रहा था। लड़का से वह अलग रहने का खर्च मांग रही थी, जबकि लड़का इसको रखने के लिए तैयार था लेकिन वह औरत मायके छोड़कर ससुराल में नहीं रहना चाहती थी। अभी दो दिन पहले पंचायत के मुखिया को इसने खर्चा नही देने की शिकायत की थी। लेकिन मुखिया के बुलाने पर वह पंचायत में नही आई। आज विकास को घर से बुलाकर जहर खिलाकर मार दी है।

मम्मी-पापा की डांट सह न पाई ये लड़कियां, और ट्रेन पर चढ़ निकल पड़ीं दिल्ली

नालंदा । पावापुरी ओपी अंतर्गत एक गांव से 11 अक्तूबर को एक साथ चार किशोरी लापता हो गई थीं। एक बच्ची के पिता के द्वारा पावापुरी ओपी में गुमशुदगी का आवेदन दिया गया था। इसमें उन्होंने इस बात का जिक्र किया था कि उनकी 16 साल की बेटी अपनी तीन अन्य सहेलियों के साथ स्कूल गई थी, जिसके बाद वह घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन की गई, बावजूद चारों बच्चियों का कहीं अता-पता नहीं चल सका। बता दें कि आठ दिन बाद सभी बच्चियों को सकुशल पावापुरी ओपी पुलिस के द्वारा बरामद कर लिया गया है, जिसे मेडिकल जांच के लिए पावापुरी ओपी पुलिस गुरुवार को सदर अस्पताल लेकर पहुंची। पावापुरी ओपी प्रभारी अनिता कुमारी ने बताया, सभी बच्चियों को कल्याण बीघा ओपी अंतर्गत से बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के क्रम में बच्चियों ने बताया कि मां-बाप की डांट-फटकार के बाद सभी ट्रेन पकड़कर दिल्ली चली गई थी। जहां वह खुद के पैरों पर खड़ा होकर अपने बलबूते कुछ करने की प्लान बना रही थीं। तभी उन लोगों को मालूम चला कि उन लोगों के पिता के द्वारा गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया है, जिसके बाद सभी बच्चियां वापस ट्रेन पड़कर नालंदा के कल्याण बीघा पहुंचीं। जहां से उन्हें बरामद कर लिया गया। धारा-164 के तहत बयान दर्ज करने के लिए सभी बच्चियों को न्यायालय को सुपुर्द कर दिया गया है। एक साथ चार किशोरियों के लापता होने का जब मामला पुलिस के संज्ञान में आया था, तभी से पुलिस लगातार सभी बच्चियों के बरामदगी के लिए प्रयासरत थी।

सब्जी विक्रेता की चाकू से गोदकर हत्या

सारण । परसा थाना क्षेत्र में एक सब्जी विक्रेता की चाकू से गोद-गोदकर निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक डेरनी थाना क्षेत्र के पोझी गांव निवासी पुकार राय का 30 वर्षीय पुत्र सत्येंद्र राय बताया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह परसा थाना क्षेत्र में सब्जी की दुकान लगता था। बता दें कि बुधवार रात सब्जी दुकान बंद करने के बाद वह अपने घर लौट रहा था, तभी बाइक सवार एक युवक उसको साथ लेकर चला। लेकिन, देर रात में घरवालों को सूचना मिली कि सत्येंद्र की हत्या कर दी गई है। उसके बाद परिवार के लोग भागे-भागे परसा थाना क्षेत्र अंतर्गत घटनास्थल पर पहुंचे और गंभीर रूप से जख्मी सत्येंद्र को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, परसा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा। जहां शव का पोस्टमॉर्टम कराए जाने की प्रक्रिया हुई। मामले में मृतक के भाई और परिवार वालों ने बताया, सत्येंद्र परसा बाजार में सब्जी बेचता था। घर लौटने के दौरान रास्ते में ही कोई युवक मिला और उसे बाइक पर बैठाकर ले गया, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई है। परिवार वालों का आरोप है कि उसकी हत्या सिर में गोली मारने के बाद चाकू से गोद-गोदकर की गई है। वहीं, परसा थाना अध्यक्ष ने बताया कि सत्येंद्र की हत्या चाकू और धारदार हथियार से मारकर की गई है। वहीं, गोली मारे जाने की बात का थाना अध्यक्ष ने खंडन किया है। उन्होंने बताया कि सिर, गले और अन्य जगहों पर उसे चाकू से गोदा गया है, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम किया गया है। वहीं, इस घटना के बाद शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

योगी सरकार ने 2612 किसानों से 14066.30 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार श्रीअन्न (मिलेट्स) के प्रोत्साहन पर पूरा ध्यान रखी है। मिलेट्स वर्ष के अंतर्गत योगी सरकार एक तरफ जहां आगामी 27 से 29 अक्टूबर तक श्रीअन्न महोत्सव का आयोजन कर रही है, वहीं किसानों द्वारा इसकी खरीदारी पर भी काफी जोर दे रही है। योगी सरकार की पारदर्शी प्रक्रिया से अब तक 2612 किसानों से 14066.30 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की जा चुकी है। इसके लिए 40 जनपदों में 369 क्रय केंद्रों से खरीद की गई है। इस मद में किसानों को 2786.55 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। वहीं योगी सरकार ने किसानों को पहले ही बड़ी सौगात देते हुए बाजरा का समर्थन मूल्य 2500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। बुधवार तक बाजरा की खरीद सर्वाधिक अलीगढ़ मंडल में हुई है। अलीगढ़ मंडल में कुल 6691.30 मीट्रिक टन की खरीद हुई है। मंडल के हाथरस में 2180.20 मीट्रिक टन, अलीगढ़ में 1751.45, कासगंज में 1429.20 व 1330.45 मीट्रिक टन क्रमिक बाजरा की खरीद हुई। वहीं आगरा मंडल के फिरोजाबाद में 3019.20, आगरा में 1865. 65, मैनपुरी में 1062.05 व मथुरा में 418. 05 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हुई है। बुधवार तक 40 जनपदों में 2612 किसानों से खरीद की जा चुकी है। फिरोजाबाद में 493, हाथरस में 448, आगरा में 447, अलीगढ़ में 351, एटा में 235, कासगंज में 190, मैनपुरी में 180, मथुरा में 86, बदायूं में 46, औरैया में 39, इटावा में 38, बुलंदशहर में 31, कानपुर देहात में 21, फरुर्खाबाद में 4, संभल में 3 किसानों से बाजार की खरीद की जा चुकी है। वहीं किसानों से अन्य स्थानों पर भी तेजी से खरीदारी जारी है। सूबे में बाजरा की खरीद के लिए 40 जनपदों में 369 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं।

खेत में अजगर के निकलने से मचा हड़कंप

संवाददाता

हापुड़ । गाँव निजामपुर के खेत मैं लगभग 12 फुट लम्बा अजगर देख लोगों मैं अफरा तफरी मच गई !जहाँ अजगर के निकलने का शोर शराबा सुनकर ग्रामीणों की काफी तादात मैं भीड़ इखट्ठा हो गई !वहीं ग्रामीणों द्वारा वन विभाग की टीम को सूचना दी गई तो ग्रामीणों ने अजगर को पकडकर वन विभाग की टीम को दिया !ग्राम वासियो ने कहा की अब से पहले भी अजगर निकलने के कैई मामले सामने आ चुके है !वन विभाग ने अजगर को ले जाकर जंगल मैं छोड़ने की बात कही !

संक्षिप्त डायरी

सस्ती दवाओं के मेडिकल स्टोर का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शुक्रवार को विधायक पीएन पाठक के प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह व व्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने सस्ती दवाईयों के मेडिकल स्टोर का शुभारंभ फीता काट कर किया। उन्होंने कहा कि जेनरिक दवाई अब लोगों को सस्ती दरों में यहां से प्राप्त होंगी। यहां जेनरिक दवाइयों में अधिकतम डिस्काउंट दिया जाएगा। मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर सोनू शर्मा ने बताया हमारे यहाँ जेनरिक दवाओ के साथ साथ एलोपैथिक दवाएं भी उपलब्ध है। सभी दवाओं में नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी और ब्रांडेड कम्पनियों की दवाये उपलब्ध रहेगी। आने वाले समय में यहां पर अनुभवी चिकित्सको द्वारा इलाज की व्यवस्था की जायेगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अजय जयसवाल, डिम्पल पांडेय, अमित राव, अनिल जयसवाल, श्रीराम गोंड, मुस्तफा खान, लखन मदेशिया, महेश जयसवाल, रमेश कुमार, राजेश जायसवाल आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण के साथ आशुतोष मिश्र ने किया कार्यभार ग्रहण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हाटा में वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक क्षय रोग के पद पर कार्यरत रहे आशुतोष मिश्र ने स्थानांतरित होकर इसी पद पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कसया में कार्यभार ग्रहण किया। श्री आशुतोष नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान से भी जुड़े हुए है। उनके कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर शुक्रवार को नयी दिशा द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डा0 मार्कण्डेय चतुर्वेदी के अध्यक्षता में परिसर में पौधरोपण किया गया। डा0 चतुर्वेदी ने श्री मिश्र का अपने केंद्र पर स्वागत किया और पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल में हम सबने ऑक्सीजन की किल्लत और पौधों के महत्व को नजदीक से देखा व समझा और तुलनात्मक रूप से पर्यावरण संरक्षण व पौधरोपण के प्रति जागरूक भी हुए हैं। पौधे हमारे जीवन के आधार है। हम सबको अधिकाधिक पौधे लगाने व बचाने की जरूरत है। आशुतोष मिश्र ने पौधरोपण में सहभागी सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर वरिष्ठ लिपिक अमित सिंह, एलटी विजयकृष्ण द्विवेदी, ब्लाक लेखा प्रबन्धक राकेश कुमार पाण्डेय, विमलेश दुबे, सौरव श्रीवास्तव, विनोद वर्मा, अशोक गुप्ता, पवन गुप्ता, रामनगीना यादव, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र इत्यादि उपस्थित रहे।

साइलेंट एफर्ट फाउंडेशन की तरफ से किये गए निशुल्क सैनिटरी और पैड्स वितरण

संवाददाता

हापुड़ । शुक्रवार को ग्राम कांठी खेड़ा और फूलगढ़ी में साइलेंट एफर्ट फाउंडेशन के सौजन्य से हर महीने की तरह शुक्रवार को भी बालिकाओं व महिलाओं को निशुल्क सैनिटरी पैड्स वितरण किए गए !जहाँ साइलेंट एफर्ट फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमति डॉक्टर सौम्या पांडे ! अध्यक्ष श्रीमति डॉ निधि शर्मा ! उपाध्यक्ष श्रीमति कुसुम सिंधु एवं कोषाध्यक्ष श्रीमति प्रतिभा सिंह के सौजन्य से हर महीने की भांति ग्राम कांठी खेड़ा व फूलगढ़ी में बालिकाओं तथा महिलाओं को निशुल्क सेनेटरी पैड वितरण किए जाते हैं और आज भी इसी कड़ी में 20 अक्टूबर दिन शुक्रवार को भी निशुल्क सैनिटरी पैड्स वितरण किए गए साइलेंट एफर्ट फाउंडेशन की सदस्य श्रीमती सुषमा देवी ने समस्त ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को आने वाले त्योहार दशहरा दीपावली पर्व पर ग्रीन पटाखे से त्योहार मनाने की सलाह दी और कहा कि अन्य पटाखों से वातावरण प्रदूषण होता है एक पल हम सबको करनी चाहिए कि प्रदूषण मुक्त त्योहार मनाया जाए प्रकृति को प्रदूषण मुक्त करना हम प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है और उन्होंने कहा कि दशहरा दीपावली पर्व को पुरानी मिठाई जैसे खेल बताशे घोड़ा आदि से मनाना चाहिए और सभी को अपने बच्चों के साथ दिवाली मनाना चाहिए बच्चों को पटाखे फुलझड़ी इस्तेमाल करते हुए सभी बच्चों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि कोई आकस्मिक दुर्घटना ना घाट सके एवं पुरानी परंपराओं के आधार पर मानना चाहिए और मिलावटी मिठाइयों से बचना चाहिए इस अवसर पर साइलेंट एफर्ट फाउंडेशन की सदस्य श्रीमती ज्योति सैनी कुमारी मुस्कान श्रीमती सुमन देवी अशोक आजाद और राम भूल सिंह राठौड़ इस अवसर पर उपस्थित रहे।

काईट में हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

संवाददाता

गाजियाबाद। केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद में बी.टेक प्रथम वर्ष और एप्लाइड साइंसेज विभाग ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और एआईसीटीई द्वारा शुरू किए गए अमृत काल विमर्श विकसित भारत @2047 का आयोजन किया इस मेगा इवेंट के लिए एआईसीटीई ने एक बहुत ही प्रतिष्ठित वक्ता, श्री लोकेश मेहरा, सीनियर बिजनेस लीड लर्नर एंगेजमेंट, अमेजन वेब सर्विसेज को नामित किया था। उन्होंने नए सामान्य कामकाज अवसर और परिवर्तन पर अपने विचार देने के लिए संस्थान का दौरा किया और लगभग 500 से अधिक छात्रों ने सत्र में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक डॉ. ए गर्ग, संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज गोयल और अतिरिक्त निदेशक डॉ. शैलेश तिवारी की उपस्थिति में प्रख्यात वक्ता का ऑक्सी प्लांट से स्वागत करके की गई।डॉ. ए. गर्ग ने कार्यक्रम की शुरूआत में एआईसीटीई द्वारा शिक्षा मंत्रालय के साथ की गई इस पहल के महत्व के बारे में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "मैं एआईसीटीई का आभार प्रकट करना चाहता हूँ कि उन्होंने हमें अमृत काल विमर्श विकसित भारत @2047 के तहत एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित करने हेतु चयनित किया। निरंतर प्रयासों और दृढ़ संकल्प के साथ, हम निश्चित रूप से 2047 से पहले अमृत काल विमर्श विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करेंगे। मैं हमारी भावी युवा पीढ़ी को सलाह देता हूं कि वे अपने करियर को लेकर अधिक सतर्क रहें।" डीन बी. टेक प्रथम वर्ष, डॉ. शैलेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि कैसे नव प्रवेशित छात्र अपनी शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों, खेल, मानसिक फिटनेस (योग), कोडिंग और अपने विकास में कई अन्य चीजों में भागीदारी कर सकते हैं। धन्यवाद प्रस्ताव छात्र प्रेरण कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. सीएम बत्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने संस्थान के गणमान्य व्यक्तियों, अतिथि वक्ता, डीन, तकनीकी विभागों के प्रमुखों, कार्यात्मक प्रमुखों, संकाय सदस्यों और बी.टेक प्रथम वर्ष के छात्रों को इस इंटरैक्टिव सत्र में भाग लेने हेतु धन्यवाद दिया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

धूमधाम से मना गायक कुमार सानु का जन्मदिन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। दीनदयाल उपाध्याय नगर कसया स्थित जीडी मंत्र नृत्य एवं संगीत विद्यालय में आज भारत की मशहूर गायक कुमार सानु का जन्मदिन समारोह धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार देवी शरण त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर उनके द्वारा गाए हुए हर प्रकार के गीतों को संस्था के लोगों के द्वारा गाया गया ! सबसे पहले कार्यक्रम में सरस्वती वंदना व स्वागत गीत गीता व अर्चना चौधरी ने गाया ! सर्वप्रथम करन यादव ने कार्यक्रम में गाया तुमसा कोई प्यारा कोई मासूम नही है इस गीत से कार्यक्रम में चार चांद लगा अगले क्रम मे प्रियंका ने गाया मेरा दिल भी कितना पागल है काफी अच्छी प्रस्तुति रही, अनुराग सिंह ने गाया सरकी जो सर से वो धीरे धीरे तो महफिल खुशनुमा हुआ , गीता वर्मा ने गाया ए काश की हम होश में फिर आने न पाए इस गीत में कार्यक्रम ने सबका मन मोह लिया अमित श्रीवास्तव ने गाया तु मेरी ज़िंदगी है ! कार्यक्रम में यह गीत प्रस्तुत कर के माहौल को को खुशनुमा बना दिया ! नरेंद्र शर्मा ने गाया आँख है भरी भरी और तुम मुस्कुराने की बात करते हो काफी अच्छा रहा, कार्यक्रम मे कार्यक्रम में आगे अमित श्रीवास्तव ने गीत गाया तु मेरी ज़िंदगी है काफी अच्छा रहा अन्य बच्चों ने भी कार्यक्रम में अपनी गायकी से सबको मंत्र मुग्ध किया। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि कुमार सानु जी मेलोडी के उस्ताद है संगीत की साधक और एक दिन में सबसे अधिक गीत गाने का रिकॉर्ड इनके पास है ! आधुनिक लोगों के लिए यह गीत प्रेरणा देता है कि व्यक्ति अगर वास्तव में साधना करें तपस्या करें तो वह भी एक बड़ा व्यक्तित्व बन सकता है संस्था हमेशा अनवरत आगे भी और अच्छे कार्यक्रम करती रहेगी संस्था के द्वारा तमाम कार्यक्रम सांस्कृतिक हमेशा होते हैं और हमेशा इसमें किसी विशिष्ट व्यक्ति का जयंती पुण्यतिथि मनाता है ! अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री त्रिपाठी ने कहा कि कुमार सानु एक मधुर गायक है , हर प्रकार का गीत गाये है और सारे गीत अमर हैं आए हुए सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में दीपक राय नीतू निषाद प्रियंका , देवेंद्र पांडे दर्श त्रिपाठी खुशी आदि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

अमरोहा। शहर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे हथकरघा, हस्तशिल्प, ग्राम उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्र के लिए खादी फैशन के लिए खादी टैगलाइन के साथ खादी महोत्सव के उपलक्ष में निबंध प्रतियोगिता का किया । इस दौरान कॉलेज की प्रधानाचार्य स्नेह लता ने बताया है कि यह निबंध प्रतियोगिता दो श्रेणियां में आयोजित कराई गई। जिसमे प्रथम श्रेणी कक्षा 6 से 10 व द्वितीय श्रेणी में 11 से 12 हिंदी और अंग्रेजी भाषा में पृथक पृथक प्रतिभा किया। हिंदी भाषा में 11 छात्राओं ने व अंग्रेजी भाषा में चार छात्राओं ने प्रतिभा किया। निर्णायक मंडल में विद्यालय की शिक्षिका ममता सोलंकी व मीना देवी, कीर्ति, तथा अंग्रेजी भाषा में वीना रानी, खासिया परवीन, आयुषी उपस्थित रही। इस दौरान कालेज प्रधानाचार्य स्नेह लता वर्मा द्वारा छात्राओं में स्टाफ द्वारा किए गए कार्य की सराहना की।

न्याय पंचायत के खेलों में बच्चों ने दिखाये अपने दमखम

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा की दढियाल न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में वाजिद संविलियन विद्यालय दढियाल खादर एवं बालिका वर्ग में आंचल उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली ने बाजी मारी। उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली के मैदान पर आयोजित हुई प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक ओमदत्त शर्मा,ब्लाक व्यायाम शिक्षक वैभव गुप्ता,खेल प्रभारी संकुल शिक्षक हरिओम सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष नरदेव सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एवं फीता काटकर किया। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में दानवीर प्राथमिक विद्यालय सिरसा कलां प्रथम,शिवा प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली द्वितीय रहा। 200 मीटर दौड़ में शिवम प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम,मुनेश प्राथमिक विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रहा। 400 मीटर दौड़ में शिवम प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम,शिवा प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली द्वितीय स्थान पर रहा।लंबी कूद में शिवा प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम, कन्हैया प्राथमिक विद्यालय मलकपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में 100 मी. दौड़ में छवि प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम,प्रियांशी प्राथमिक विद्यालय दढियाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में रजनी प्राथमिक विद्यालय जीवपुर प्रथम, स्वाति प्राथमिक विद्यालय मलकपुर ने द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में प्रियांशी प्राथमिक विद्यालय दढियाल खादर प्रथम, रिंकी प्राथमिक विद्यालय मलकपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में छवि प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम,लवी प्राथमिक विद्यालय दढियाल खादर दूसरे स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में वाजिद उच्च प्राथमिक विद्यालय दढियाल प्रथम,लवकुश उच्च प्राथमिक विद्यालय काई ऐतमाली द्वितीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में दिवकुश संविलियन विद्यालय काई ऐतमाली प्रथम एवं बिकेश उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरैठा खादर द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में आंचल उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली प्रथम,विमला संविलियन विद्यालय मलकपुर द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर की दौड़ में विमला संविलियन विद्यालय मलकपुर पहले एवं. सानिया संविलियन विद्यालय दढियाल खादर दूसरे स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में जयमंती संविलियन विद्यालय मलकपुर प्रथम व विमला संविलियन विद्यालय मलकपुर दूसरे स्थान पर रही। 600 मीटर दौड़ में खुशबू उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरैठा खादर प्रथम एवं जयमंती संविलियन विद्यालय मलकपुर दूसरे स्थान पर रही। लंबी कूद में संविलियन विद्यालय मलकपुर प्रथम स्थान पर एवं अलीशा संविलियन विद्यालय दढियाल खादर दूसरे स्थान पर रही। खो --खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय भावली की छात्राओं ने मारी बाजी। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक एकाउंटेंट अरविंद चौधरी, प्रचार मंत्री संजय सिंह, नरदेव सिंह,अनुदेशक दीक्षा शर्मा, डा. राजेन्द्र कुमार,संकुल शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा,जसवंत सिंह, आदि मौजूद रहे।

रजबपुर में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर पूरे प्रदेश भर में महिला मिशन अभियान चलाया जा रहा है। वही प्रदेश के जनपद अमरोहा में मिशन शक्ति अभियान के तहत तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी के साथ जनपद अमरोहा में महिलाओं और बालिकाओं को शहर की विभिन्न चौराहे, स्कूलों, बैनर होर्डिंग तो वह जागरूकता रैली के द्वारा जागरूक किया जा रहा है। जिससे कि महिला और बालिकाओं पर हो रहे अपराध को रोकने का काम किया जा सके। मिशन शक्ति अभियान को लेकर अमरोहा के थाना रजबपुर में एस आई पद पर तैनात शालिनी शर्मा पुलिस बल के साथ क्षेत्र में घूम कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों की प्रति जागरूक करने का काम कर रही हैं। इस दौरान आज आई शालिनी शर्मा ने पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर थाना रजबपुर महिला सुरक्षा दल महिला उप निरीक्षक शालिनी शर्मा ,महिला आरक्षी दीक्षा और मोनिका द्वारा अतरासी गांव की ग्रामीण महिलाओं और पुष्पा सारस्वत इंटर कॉलेज मंगुपुरा की छात्राओं को गुड टच, बेड टच,हेल्पलाइन नंबर्स,साइबर फ्रॉड, सरकारी योजनाओं वा उनके अधिकारों से अवगत कराते कराया। इस दौरान उनमें सुरक्षा,सम्मान, वा स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

धामपुर शुगर मिल्स में हुआ बॉयलर पूजन

संवाददाता

धामपुर। शुगर मिल्स धामपुर के 170 टन बॉयलर का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया गया। धामपुर शुगर मिल्स के गौरव गोयल प्रबंधक निदेशक के पुत्र ईशान गोयल एवं सुभाष पांडेय, अध्यक्ष (वल्ल्रइ हेड) के द्वारा संयुक्त रूप में हवन पूजन करने के बाद बॉयलर के अंदर अग्नि प्रवेश कराया गया। बॉयलर पूजन आचार्य राजेंद्र प्रसाद एवं पंडित विनोद चंद्र के द्वारा संयुक्त रूप मे कराया । मुख्य यजमान के रूप मे डी.एस.रेड्डी,इंजीनियरिंग हेड तथा पावर प्लांट के हेड वेंकटेश चाल्कि रहे इस अवसर पर इशांत गोयल एवं यूनिट हेड सुभाष पांडे ने सभी श्रमिक ऑन कर्मचारियों को वायरल पूजन के बाद आगामी पराई सत्र के शुरूआत करने के लिए शुभकामनाएं दी पराई सत्र2023/24 शुरू करने के लिए रिपेयर और मैं टेंशन का काम शीघ्र पूरा करने के लिए धामपुर शुगर मिल्स टीम को प्रेरित किया धामपुर शुगर मिल के बायर पूजन कार्यक्रम में उपेंद्र तोमर, मुकेश कश्यप, ओमवीर सिंह, विनीत चौहान, विजय गुप्ता विकास अग्रवाल, विजय कुमार गुप्ता, विवेक सिंह यादव, शरद, डॉ पंकज, ,संजय त्यागी, मनोज शुक्ला, जितेश गुप्ता, रजनीश,कश्यप, अनुज मलिक, योगेंद्र सिंह, मोहम्मद शमीम, जयपाल सिंह अतुल कुमार विनोद गौड़, सुरेंद्र सिंह, मनीष चौहान ,राजेश कश्यप ,अनुज मलिक, योगेंद्र सिंह,तथा शुगर मिल्स श्रमिकों एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे ।

भारतीय किसान संगठन ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

गाजियाबाद। आज दिनांक 20-10-2023 को भारतीय किसान संगठन ने किसानों के साथ हो रहें शोषण को लेकर जो बिल्डरों द्वारा किया जा रहा है आज गाजियाबाद में प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी का आगमन है उनको ज्ञापन सौंपा जाना था और समस्या से अवगत कराना था लेकिन पुलिस प्रशासन ने गाजियाबाद जिला अध्यक्ष लोकेश नागर जी के घर पर ही नजर बंद किया। अंत में एस ओ साहेब के हाथों ही ज्ञापन सौंपा गया और समस्या बताई।

गोष्ठीः जो विचार भाव नहीं बनाता है वह बंजर होता है:प्रोफेसर चित्तरंजन मिश्र

संवाददाता

कुशीनगर। स्त्री के प्रति आदर का विचार व्यवहारिक जीवन की भावना में लाना जरूरी है। विचार जब भावना बनाते हैं तो वह समाजोपयोगी बनते हैं। विचारों का महत्व भाव के साथ जुड़ने में ही है। जो विचार भाव नहीं बनाता है वह बंजर होता है। व्यक्ति जब मां के पूरे तंत्र का सम्मान करेगा तभी इसका मतलब होगा। उक्त बातें प्रोफेसर चित्तरंजन मिश्र ने कहीं। वे बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "नारीचेतना के विविध आयाम : सशक्तिकरण के संदर्भ में" विषयक संगोष्ठी के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। प्रोफेसर मिश्र ने कहा कि श्रेष्ठता बोध समाज में विचलन पैदा करता है। पुरुष का श्रेष्ठता बोध स्त्री की खराब स्थिति का कारण है। पुरुष होने की श्रेष्ठता बोध को समाप्त करके ही स्त्री की स्थिति को सुधारा जा सकता है। द्रोपदी की परंपरा को भी आदर्श मानना चाहिए क्योंकि यह सवाल उठने की परंपरा है। जो सवाल उठाता है वह समाज को बदलने की कोशिश करता है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुषमा पाण्डेय ने कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों के समान रूप हों तभी समाज सुंदर हो सकते हैं। स्त्री ने खुद को चहरदीवारी के अंदर की भूमिका में सीमित कर लिया इसलिए वह कमजोर होती गई। भारत के इतिहास में स्त्रियों की स्थिति पुरुष के समान थी। बाद में उसे कमजोर बनाया गया। मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल से वैदिक काल तक स्त्रियों की सहभागिता समान थी। उत्तर वैदिक काल से मध्य काल तक स्त्री की भूमिका कमतर होने लगी।

उन्होंने स्त्री को दोयम बनाने वाली स्थितियों की चर्चा की। उन्होंने निर्णय लेने वाली, विधान बनाने वाली और क्रियान्वयन करने वाली संस्थाओं में स्त्री की भूमिका को बढ़ाने की बात कही। स्वागत भाषण प्रोफेसर कौस्तुभ नारायण मिश्र और संचालन शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ निरंकार राम त्रिपाठी ने किया। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कृष्ण प्रताप सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ गौरव तिवारी, डॉ निगम मौर्य, सत्येंद्र गौतम, डा राजेश कुमार, डॉ सत्यप्रकाश, डॉ राकेश राय, डॉ विशेषता मिश्रा, डॉ इंद्रजीत मिश्रा, डॉ वीना कुमारी, डॉ श्वेता भट्ट, डॉ ज्ञानेश सिंह, त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, मनोज कुमार, डॉ सुबोध गौतम, डॉ कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ विवेक श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ अम्बिका तिवारी, डॉ दीपक सहित आदि उपस्थित रहे।

युद्ध का विरोध

पश्चिम एशिया में बर्बर युद्ध का छिड़ना जहां दुखद है, वहीं युद्ध रोकने के लिए दुनिया में कई जगह हो रहे प्रदर्शन सुखद हैं। स्वयं इजरायली या यहूदी लोग ही बड़ी संख्या में इस युद्ध को तत्काल रोकने की गुहार लगा रहे हैं। अमेरिका में युद्ध विरोधी प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह यहूदी वॉयस फॉर पीस के मुताबिक, वाशिंगटन में अमेरिकी संसद में धरने के दौरान लगभग 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हमारे नाम पर युद्ध नहीं होना चाहिए, तत्काल प्रभाव से संघर्ष-विराम करना चाहिए। हजारों लोगों ने पूरे अमेरिका में प्रदर्शन किया है, वहीं दुनिया के अनेक देशों से प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। मुंबई और दिल्ली में भी प्रदर्शन हुए हैं। अमेरिका से कहा जा रहा है कि वह युद्ध में इजरायल का साथ न दे। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी इजरायल दौरे पर पहुंच गए। जाहिर है, इन बड़े नेताओं के दौरे से इजरायल का मनोबल बढ़ा है और उसने कहा है कि संकट के समय पता चल रहा है कि कौन सच्चा मित्र है। अनेक यहूदी या इजरायली मूल के लोग यह मानते हैं कि हिंसा की विरासत को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। जो इजरायली नरसंहार से बच गए, उन्हें शांति और संपन्नता के लिए दूसरों को प्रेरणा देनी चाहिए। किसी भी जाति या समूह के उत्पीड़न से कोई लाभ नहीं होने वाला। ऐसे लोग इजरायल के अंदर भी हैं, जिन्हें गाजा में युद्ध-विराम व शांति के लिए लड़ने से बेहतर कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। सबसे ज्यादा प्रदर्शन अमेरिका में ही हो रहे हैं और वहां पुलिस भी प्रदर्शनों का दमन कर रही है। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल विरोधी प्रस्ताव को अमेरिका ने वीटो किया है। इससे भी नाराजगी है। लोग गुहार लगा रहे हैं कि हमारे खून का एक ही रंग है, मेरा दुख आपका हथियार नहीं है। यहूदियों ने नस्लवाद के बहुत निर्मम स्वरूप को झेला है, लेकिन इसका बदला यहूदी नस्लवाद से नहीं लिया जा सकता। फलस्तीनियों के पक्ष में और युद्ध के विरोध में खड़े हो रहे यहूदी वास्तव में नफरत और अंधी हिंसा के खिलाफ हैं। इन पर उन तमाम लोगों की निगाह पड़नी चाहिए, जो पूरे यहूदी समुदाय को फलस्तीनियों या इस्लाम का दुश्मन मानने की गलती करते हैं। ऐसे प्रदर्शनों से यह भी पता चलता है कि इंसानियत अभी भी जिंदा है। नस्लें बुरी नहीं होतीं, कुछ लोग बुरे होते हैं और कुछ लोगों की बुराई का कहर हर किसी पर नहीं बरसना चाहिए। ध्यान रहे, अमेरिका में यहूदी मजबूत स्थिति में हैं और वे चाहते हैं कि अमेरिकी कांग्रेस एक संघर्ष-विराम प्रस्ताव पारित करे। इजरायल में राजनीतिक रूप से बेंजामिन नेतन्याहू पहले से ही कमजोर चल रहे हैं और अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि उनके हाथों पर खून लगा है। इसके बावजूद इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने साफ कहा हैकि इजरायलियों को एक लंबी लड़ाईके लिए तैयार रहना चाहिए। ...दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है, क्योंकि इस जीत में समय लगेगा। वस्तु-स्थिति यह है कि अब संयुक्त राष्ट्र से भी खास उम्मीद नहीं है।

अस्पताल पर हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की इजरायल यात्रा वास्तव में पश्चिम एशिया में युद्ध भड़काने की दिशा में ही अपना असर छोड़ती लग रही है। जब गाजा में एक अस्पताल पर मिसाइल हमले के बाद दुनिया भर में इजरायल निशाने पर है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति का इजरायल के पक्ष में दिखना जितना अफसोसजनक है, उतना ही दुखद भी। बाइडन ने फलस्तीनी आर्तकियों के संदर्भ में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत के बाद कहा है कि गाजा में अस्पताल पर हमला ह्यकिसी अन्य टीम द्वारा किया गयाह्व लगता है। बाइडन अस्पताल पर बमबारी से दुखी और क्रोधित थे, तो उन्हें इन्हीं भावनाओं का इजहार करना चाहिए था। जिस जघन्यतम हमले से इजरायल अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है, उसके लिए आने वाले दिनों में उसे निंदा का सामना करना पड़ सकता है। अस्पताल दुनिया के किसी भी कोने में हो, कभी युद्ध का हिस्सा नहीं हो सकता। बर्बर शासक अपने दुश्मनों की यथाशीघ्र कमर तोड़ने के लिए आम लोगों को निशाना बनाते आए हैं, पर किसी अस्पताल पर निशाना साधना बर्बरता की पराकाष्ठा है। आखिर मानवता के किस पैमाने पर आज इजरायल खड़ा है? इजरायली आक्रामकता के समर्थन में अमेरिका आखिर किस हद तक जाएगा? इजरायल की राजधानी में बाइडन ने आश्वस्त किया है कि वाशिंगटन इजरायल को अपनी रक्षा के लिए जरूरी हर चीज मुहैया कराएगा। कोई शक नहीं कि हमास का ताजा हमला उसे बर्बर साबित करता है। सामान्य इजरायलियों को मारना और बंधक बना लेना युद्ध के नियम में नहीं आता, लेकिन हमास ने मानो यह ठान लिया है कि वह इजरायल को झुकाने के लिए किसी भी हद तक जाएगा। यह भी ध्यान देने की बात है कि इजरायलियों के साथ 31 अमेरिकी भी मारे गए हैं, इससे अमेरिका बहुत आहत है, पर इसका यह मतलब नहीं कि इजरायल आम फलस्तीनियों को निशाना बनाने लगे। गया वह दौर, जब भय से संस्कृतियां बदल जाती थीं, लोग धर्म बदल लेते थे और बड़े पैमाने पर अपनी जमीन से पलायन कर जाते थे। आज वंचितों या पीड़ितों की आवाज को ताकत देने वाले दुनिया के कोने-कोने में मिल जाते हैं। इजरायल और अमेरिका जैसे देशों को बदलती सभ्यता की रोशनी में खुद को बदलना चाहिए।

मोदीवाद की धुरी में विकासवाद

ANALYSIS

महेश वर्मा

मोदीवाद में स्पष्ट था कि जब तक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं किया जाता है, तब तक समेकित विकास की कल्पना करना मुश्किल है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने राजमार्गों, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के विकास व निर्माण में भारी वृद्धि देखी। उदाहरण के लिए, 'भारतमाला' परियोजना का लक्ष्य 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के नियोजित निवेश के साथ देश में सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करना था। आज की तारीख में इस पहल से परिवहन की दक्षता में हुआ उल्लेखनीय सुधार देश का हर नागरिक महसूस कर रहा है। इससे लॉजिस्टिक लागत में भी भारी कमी आई है और अर्थव्यवस्था को बल मिला है। महत्वाकांक्षी 'सागरमाला' परियोजना का उद्देश्य बंदरगाहों की कार्यशैली में आमूल-चूल बदलाव करना था। परियोजना के तहत वर्तमान बंदरगाहों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया व रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यधुनिक और नए बंदरगाहों का निर्माण किया गया। केरल का विझिंजम बंदरगाह इसका साक्षात उदाहरण है। सागरमाला परियोजना का उद्देश्य समुद्री व्यापार को प्रोत्साहन देने के साथ बंदरगाहों और भीतरी इलाकों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार लाना है, जो समग्र विकास के लिए मोदी के दृष्टिकोण का प्रमाण है।

साल 2014 में नरेन्द्र मोदी के भारत के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के साथ राष्ट्र में परिवर्तनकारी विकास का हुआ है। मोदीवाद ने इतने विशाल स्तर पर विकास की संकल्पना को साकार किया, जिसके बारे में भारत ने कभी कल्पना नहीं की थी। उनका नेतृत्व अपने साथ इतने बड़े पैमाने पर विकास का वादा लेकर आया जो भारत ने पहले कभी नहीं देखा था। बुनियादी ढांचे का विकासः मोदी युग का सबसे उल्लेखनीय और पहला पहलू है, बुनियादी ढांचे का विकास। मोदीवाद में स्पष्ट था कि जब तक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं किया जाता है, तब तक समेकित विकास की कल्पना करना मुश्किल है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने राजमार्गों, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के विकास व निर्माण में भारी वृद्धि देखी। उदाहरण के लिए, 'भारतमाला' परियोजना का लक्ष्य 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के नियोजित निवेश के साथ देश में सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करना था। आज की तारीख में इस पहल से परिवहन की दक्षता में हुआ उल्लेखनीय सुधार देश का हर नागरिक महसूस कर रहा है। इससे लॉजिस्टिक लागत में भी भारी कमी आई है और अर्थव्यवस्था को बल मिला है। महत्वाकांक्षी 'सागरमाला' परियोजना का उद्देश्य बंदरगाहों की कार्यशैली में आमूल-चूल बदलाव करना था। परियोजना के तहत वर्तमान बंदरगाहों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया व रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यधुनिक और नए बंदरगाहों का निर्माण किया गया। केरल का विझिंजम बंदरगाह इसका साक्षात उदाहरण है। सागरमाला परियोजना का उद्देश्य समुद्री व्यापार को प्रोत्साहन देने के साथ बंदरगाहों और भीतरी इलाकों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार लाना है, जो समग्र विकास के लिए मोदी के दृष्टिकोण का प्रमाण है। डिजिटल इंडियाः 2015 में शुरू किया गया डिजिटल इंडिया अभियान गेम-चेंजर रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी सेवाएं और जानकारियां प्रदान करना है और दक्षता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ भ्रष्टाचार पर लगाम कसना है। बायोमीट्रिक पहचान प्रणाली 'आधार' और वित्तीय समावेशन कार्यक्रम 'जन धन योजना' जैसी पहल ने लाखों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल करने में मदद की है। ये मोदीवाद के दूरदर्शी दृष्टिकोण से ही संभव हो सका कि विमुद्रीकरण के माध्यम से कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़े और यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों की वृद्धि ने भारतीयों के लिए अपने वित्त को संभालने के तरीके बदल दिये। मेक इन इंडियाः विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की गई। मेक इन इंडिया का दोहरा उद्देश्य था। पहला, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करके लोगों की आमदनी बढ़ाना और दूसरा विदेशी निवेश को आकर्षित करना। दोनों उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए नियमों को सरल बनाया गया। परिणाम निकला कि उत्पादन और नौकरी के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे देश के आर्थिक विकास में योगदान हो रहा है। विनिर्माण क्षेत्र को इतना ध्यान, समर्थन और ब्रॉन्डिंग कभी नहीं दिया गया, जितना मोदी के नेतृत्व में दिया गया। कह सकते हैं कि मेक इन इंडिया पहल आत्मनिर्भरता की ओर तेज कदम के साथ-साथ भारत को विनिर्माण पावर हाउस में बदलने में भी सहायक रही है। स्वच्छ भारत मिशनः स्वच्छ भारत अभियान या स्वच्छ भारत मिशन, भारत के इतिहास में सबसे उल्लेखनीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। 2014 में लॉन्च किए गए स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए भारत को खुले में शौच से मुक्त बनाना था। इस पहल से शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छता में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता के नए स्तर को चिह्नित किया है। स्वच्छता की प्रेरणा ने वैज्ञानिक रचनात्मकता को बायो-टॉयलेक्ट्स जैसे नवाचारों के लिए प्रेरित किया है। जागरुकता अभियानों के साथ-साथ लाखों शौचालयों के निर्माण ने भारतीय आबादी के जीवन व स्वास्थ्य पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव डाला है। ऊर्जा क्रांतिः मोदीवाद का लक्ष्य हरित व नवीकरणीय ऊर्जा है। देश को इस दृष्टिकोण का संकेत मोदी काल के पहले ही मिल चुका था। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी ने कच्छ में 250 मेगावॉट के सोलर पार्क का निर्माण कराया था। उस समय किसी ने कल्पना नहीं की थी कि सौर ऊर्जा भारत ही नहीं पूरे विश्व को ऊर्जा समस्या के निदान की राह दिखाने में सक्षम है। मोदी सरकार के तहत राष्ट्रीय सौर मिशन ने 2022 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने का लक्ष्य प्राप्त किया है। भारत ने 2030 तक आवश्यकता की 50 प्रतिशत ऊर्जा गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। लेकिन जिस रफ्तार से नवीकरणीय ऊर्जा का विकास हो रहा है, उससे समय-पूर्व लक्ष्य प्राप्त करने के पूरे आसार हैं। विद्युत वितरण में ऊर्जा ह्रास की समस्या गंभीर रही है। इस समस्या से निपटने और हरित विद्युत वितरण में सुधार के लिए 'उज्ज्वल डिस्कॉम इश्योरेंस योजना' (उदय) योजना शुरू की गई। इसी क्रम में विद्युत वाहनों को प्रोत्साहन देना मोदी वाद के विकास वाद का अगला चरण है। देश में विद्युत वाहनों को प्रोत्साहन देने और वाहनों के लिए कम लागत पर बेहतर लीथियम आधारित बैटरी के उत्पादन के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव या पीएलआई को मंजूरी दी गई है। जल्द इसका उत्पादन आरंभ हो जाएगा। दस वर्ष पूर्व से तुलना करें तो देश में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा सुधारों के पैमाने और कार्यान्वयन में भारी परिवर्तन दिख रहा है। आर्थिक सुधारः मेक इन इंडिया अभियान की शुरूआत हुई महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने के साथ। विभिन्न मदों में लगने वाले करों को एक ही मद में सन्निहित कर जनता की परेशानियों को दूर किया गया। इसे सिंगल विंडो कर भी कह सकते हैं। जीएसटी मोदी सरकार के लागू किए गए कई महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों में सबसे उल्लेखनीय है। अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों में स्टार्टअप इंडिया का उल्लेख करना प्रासंगिक है, जिसका उद्देश्य देश में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। इन आर्थिक सुधारों और प्रोत्साहनों ने भारत के अंदरुनी और बाहरी व्यापार को आसान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज की तारीख में भारत निवेशकों का आकर्षक गंतव्य बन चुका है। यह मोदी युग में आर्थिक सुधारों की व्यापकता और प्रमुखता का परिणाम है। समाज कल्याणः मोदीवाद के विकासवाद में एक बात बिल्कुल स्पष्ट है। राष्ट्र के विकास की धुरी व्यक्ति का विकास है। व्यक्ति का विकास होगा तो समाज का विकास होगा और समाज विकसित होगा तो राष्ट्र विकास के मार्ग पर अग्रसर होगा। इसे ध्यान में रखकर समय-समय पर समाज कल्याण की कई योजनाएं आरंभ की गईं, जैसे 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (आयुष्मान भारत), एक स्वास्थ्य बीमा योजना, और 'प्रधानमंत्री आवास योजना', जिसका उद्देश्य गरीबों को किफायती आवास प्रदान करना है। मोदी सरकार के प्रयासों ने नवाचार और अंतिम मील तक पहुंचने के लिए बढ़ी हुई प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है। यह सुनिश्चित हुआ है कि हर योजना का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। विश्वगुरु भारतः मोदीवाद के विकासवाद का आधार विशाल पैमाना, तीव्र महत्वाकांक्षा और नवीन तथा दूरगामी दृष्टिकोण हैं। समग्र विकास का आयाम सिर्फ राष्ट्र की सीमाओं तक ही सीमित नहीं। मूलभूत अवधारणा संपूर्ण मानवता की सेवा है। विश्व के विभिन्न हिस्सों की भाषाएं भिन्न-भिन्न हैं। कोरोना काल में सम्पूर्ण मानवता की निस्स्वार्थ सेवा की अवधारणा, वसुधैव कुटुम्बकम दुनिया के हर देश को उनकी भाषा में समझ में आ गई। इसी अवधारणा का एक स्वरूप सक्रिय विदेश नीति है, जो वैश्विक परिप्रेक्ष्य में दिनों दिन भारत को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सफलता प्राप्त कर रही है। जी-20 के अध्यक्षता काल ने विश्व पटल पर भारत की विविधता को उजागर किया है। दुनिया अब भारत को कंट्री ऑफ स्नेकचार्मर्स या डेवलपिंग कंट्री के रूप में नहीं देखती। विश्वपटल पर भारत उस सम्मानजनक मंच पर विराजमान है, जहां भारत की पहल पर बेहतर वैश्विक स्वास्थ्य के लिए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। और भारत की पहल पर वैश्विक खाद्य समस्या के समाधान के अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष मनाया जाता है। यह मोदीवाद की धुरी पर विकासवाद का अंतरराष्ट्रीय पैमाना है। निश्चित रूप से पैमाने की इस धुरी पर विकासवाद को उज्ज्वल भविष्य का आकार मिलने जा रहा है।

लेखक, पूर्व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा हैं।)

केन्द्रीय सशस्त्र बलों में बढ़ता मानसिक तनाव

देश की आंतरिक सुरक्षा कायम रखने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले देश के अर्द्धसैनिक बल के सैनिकों में बढ़ता मानसिक तनाव बेहद चिंतनीय है। पिछले एक दशक में इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसा नहीं है कि सरकार या यों कहें कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय समस्या की गंभीरता से नावाकिफ है अपितु सभी स्तर पर चिंतन मनन के बाद भी कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। समस्या की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्रीय सशस्त्र बलों में आत्महत्या के मामले तो बढ़े ही हैं साथ ही आपसी गोलीबारी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। हमें सैनिक बलों और अर्द्धसैनिक बलों की कार्यप्रणाली को भी समझना होगा तो देय सुविधाओं को भी ध्यान में रखना होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि सैनिक बल जहां बार्डर पर कठिनतर परिस्थितियों में तैनात रहते हैं पर जब वहां उनका टेन्योर पूरा हो जाता है तो उसके बाद उनकी तैनाती शांत व कम जोखिम वाले स्थानों पर होती है। सैनिकों के लिए सैनिक अस्पताल भी बेहतरीन सुविधा व विशेषज्ञयुक्त होने के साथ सैनिकों के परिजनों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो जाती है। दूसरी और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पूरी तरह से देखा जाए तो कठिन परिस्थितियों से भरी होती है। चाहे वह नक्सल प्रभावित क्षेत्र की हो या फिर जम्मू-कश्मीर में शांति व्यवस्था की हो या नार्थ ईस्ट में शांति व्यवस्था बनाए रखने की हो। इसके अलावा देश के किसी भी कोने में किसी कारण से अशांति के हालात होते हैं या फिर आपदा के हालात होते हैं तो व्यवस्था के नाम पर अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती आम बात है। ऐसे में काम की अधिकता, सेवा परिस्थितियां और फिर व्यक्तिगत कारण संवेदनशील व्यक्ति को बहुत जल्द अवसाद में ला देते हैं। अर्द्ध सैनिक बलों में मुख्यतः सीआरपीएफ, बार्डर सिक्योरिटी फोर्स, असम राइफल्स, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी आदि आते हैं। पिछले दिनों गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2020 में 4940 मानसिक रोगी चिन्हित किए गए इनमें से सर्वाधिक 1882 सीआरएफ, 1327 बीएसएफ, 530 असम राइफल्स, 472 सीआईएसएफ, 417 आईटीबीपी और 312 एसएसबी के हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार ही 2017 से 2022 के बीच अर्द्ध सैनिक बलों के सैनिकों के बीच आपसी गोलीबारी में 57 कर्मियों की जान गई है तो 2018 से 2022 क बीच 658 कर्मियों के आत्महत्या की है। कमोबेश यह स्थिति आज भी है। इससे यह साफ हो जाता है कि मानसिक तनाव बड़ी समस्या है और इसे दूर करने के लिए ठोस उपाय किए जाने की अतिआवश्यकता है। हांलाकि इस समस्या का हल खोजने के लिए टास्क फोर्स के गठन से लेकर कई समितियां बनाई गई है पर हालात में अभी तक जिस तरह के बदलाव आने चाहिए थे वे नहीं आ पाये हैं। दरअसल आधुनिक जीवन पद्धति और भागमभाग की जिंदगी में मानसिक तनाव इस तरह हाबी रहता हे कि लाख प्रयासों के बाद भी व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। एक और कार्य स्थल की परिस्थितियां, दूसरी और पारिवारिक जिम्मेदारियां, तीसरी और पारिवारिक तात्कालिक व दीर्घकालिक समस्या, चौथा कार्य स्थल पर रेस्ट करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाना, पांचवां आवश्यकता पर या चाहने पर छुट्टियां नहीं मिलने के साथ ही अन्य कई छोटे मोटे कारण हो जाते हैं जिससे व्यक्ति तनाव में चला जाता है। आर्थिक समस्या प्रमुख कारण है। मानसिक तनाव की इस समस्या का समाधान इसलिए जरुरी हो जाता है कि जहां एक और मानसिक रोग बढ़ता जा रहा हैं वहीं करीब 50 हजार लोगों द्वारा समयपूर्व नौकरी छोड़ना अपने आप में गंभीरता को दर्शाता है। इस सबके लिए मनोचिकित्सकों का होना आवश्यक हो जाता है। देखा जाए तो अन्य देशों की तुलना में देश में मनोचिकित्सकों का वैसे ही टोटा है वहीं अद्धसैनिक बलों में मनोचिकित्सकों की उपलब्धता तो और भी कम है। एक मोटे अनुमान के अनुसार सीआरपीएफ में 3, बीएसएफ में 4, असम राइफल्स में 1, आईटीबीपी में पांच और एसएसबी में केवल एक मनोरोग संबंधी डॉक्टर है। इसमें कुछ कम ज्यादा हो सकती है पर ऐसे में मानसिक तनाव के इलाज की बात करना ही बेमानी है। इसके लिए सरकार और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को आगे आना होगा। सरकार को भी समय समय पर गठित कमेटियों की रिपोर्ट का अध्ययन कर व्यावहारिक सुझावों को लागू करने पर गंभीरता से आगे आना होगा। गैर सरकारी संगठनों को अर्द्ध सैनिक बलों के क्षेत्रों को अपना कार्य क्षेत्र बनाना होगा और इस तरह की गतिविधियां संचालित करनी होगी जिससे तनाव दूर किया जा सके। इसके लिए समय समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, लेक्चर्स, योगा क्लासेज, मनोरंजक गतिविधियां और इसी तरह की तनाव कम करने वाली गतिविधियां आदि आयोजित की जानी चाहिए ताकि तनाव को कम करने में सहायता मिल सके। इसी तरह मनोरोग चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था के साथ ही आवश्यकता पर आसानी से अवकाश मिलने और सेवा शर्तों में इस तरह के प्रावधान किये जाएं ताकि कार्मिक में अन्य समकक्ष से तुलना करने पर किसी तरह की हीन भावना ना आए। अर्द्ध सैनिक बलों को किसी भी स्तर पर कमतर नहीं आका जाना चाहिए। बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में इन बलों की उपादेयता और भूमिका सर्वाधिक है। ऐसे में समय रहते समग्र प्रयास की आवश्यकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

क्रिकेट विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की शानदार जीत पर सभी को बधाई। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने देशवासियों को आज फिर गौरवांवित किया है। मैं सभी खिलाड़ियों को आगे के मैचों के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

(पूर्व सीएम रघुवर दास के ट्विटर अकाउंट से)

आज धनवार प्रखंड अन्तर्गत अम्बाटांड़ ग्राम पंचायत में पलंगी गाँव से जेरुवाडीह तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्र वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी जी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता उपस्थित रही

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

जो लोग जिस समूह में जितने, उतना अधिकार उन्हें मिले। जाति आधारित जनगणना को लेकर वर्ष 2021 से रखी है हमने अपनी माँग।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

अंतहीन तबाहीः इजराइल-हमास संघर्ष और फिलिस्तीन

हमास द्वारा इजराइल पर किए गए क्रूर हमले, जिसमें लगभग 1,400 लोग मारे गए, के तेरह दिनों बाद घिरे हुए और निस्सहाय गाजा पर इजराइल के हवाई हमले बेपनाह निर्दयता के साथ जारी हैं। इन हवाई हमलों में सैकड़ों बच्चों सहित 3,785 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अब जबकि इजराइल लगभग दस लाख लोगों को गाजा के उत्तरी इलाके के आधे हिस्से को खाली करने का आदेश देने के बाद जमीनी हमले की तैयारी में गाजा के साथ लगी अपनी सीमा पर सैनिकों और टैंकों को इकट्ठा कर रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इस यहूदी राष्ट्र के ह्लअपनी रक्षा के अधिकारह्व के प्रति अपना समर्थन जताने के लिए वहां की यात्रा की। श्री बाइडेन की यात्रा गाजा के एक अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 500 लोगों के मारे जाने के कुछ ही घंटों बाद हुई। फिलिस्तीनियों का कहना है कि हजारों लोगों को आश्रय देने वाले इस अस्पताल पर इजराइली जेट विमानों ने हमला किया, जबकि इजराइल ने दावा किया कि फिलिस्तीनी आतंकवादियों द्वारा दागे गए रॉकेट की वजह से वहां विस्फोट हुआ। युद्ध में जहां सच्चाई सबसे पहला शिकार बनती है, वहीं एक छोटे व नाकाबंदी वाले इलाके में प्रतिशोध से भरे इजराइल की नासमझी भरी बमबारी उसके 2.3 मिलियन लोगों को जिंदगी और मौत के बीच के अकल्पनीय संघर्ष की ओर धकेल रही है। उधर, शक्तिशाली राष्ट्र या तो दूर से तमाशा देख रहे हैं या फिर इजराइल के अभियान का समर्थन करने में मशगूल हैं। श्री बाइडेन ने एलान किया कि इजराइल ने मानवीय सहायता से भरे लगभग 20 ट्रकों को मिस्र से गाजा जाने की इजाजत दी है। वैसे तो किसी भी सहायता का स्वागत है, लेकिन जैसाकि इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज ने कहा है, 20 लाख लोगों के लिए 20 ट्रक की सहायता ह्लसमुद्र में एक बूंदह्व की मानिंद है।

हमास द्वारा 7 अक्टूबर को सब्त के दिन इजराइल में किए गए हमले की बेहिचक निंदा की जानी चाहिए। साथ ही, हमास से लड़ने के नाम पर गाजा को सामूहिक रूप से दंडित करने और वहां अंधाधुंध बमबारी करके रोजाना सैकड़ों लोगों को मारने की हरकत इजराइल को कहीं से भी हमास से बेहतर नहीं बनाती है। इसके अलावा, फिलिस्तीनियों के प्रति इजरायली राज्य के इस नजरिए से न तो इजरायल की सुरक्षा बेहतर हुई है और न ही हितधारकों को इस संकट का हल तलाशने में मदद मिली है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जिनकी निगरानी में देश का यह सबसे बड़ा सुरक्षा संकट सामने आया, ने कहा है कि वह हमास को ह्लकुचलह्व देंगे। लेकिन इजराइल के पास आसान विकल्प उपलब्ध नहीं है। गाजा पर फिर से कब्जा करने से लंबे समय तक शहरी युद्ध की रस्साकशी बनी रहेगी। फतह और फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन की विफलताओं से उपजी शून्यता का फायदा उठाकर हमास प्रमुखता से उभरा। अगर इजराइल गाजा में हमास के दबदबे को कम करने में कामयाब हो जाता है, तब भी कोई नहीं जानता कि आगे क्या होगा क्योंकि फिलिस्तीन, जहां इजराइल का कब्जा चल रहा है, का सवाल अनसुलझा ही रहेगा। एक आदर्श दुनिया में, ह्लमानवाधिकारों पर केंद्रित विदेश नीतिह्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने वाले राष्ट्रपति के शासन-काल में सबसे ताकतवर देश संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने सहयोगी की हरकतों से रंज होना चाहिए और उसे तेल अवीव पर बमबारी बंद करने व क्षेत्रीय शक्तियों को शामिल करते हुए बातचीत शुरू करने का दबाव बनाना चाहिए। लेकिन चूंकि ऐसा होने की फिलहाल संभावना नहीं है, लिहाजा इजराइल बेखौफ अपने हमलों को जारी रखने को तैयार है और इससे लाखों फिलिस्तीनियों की परेशानियां बढ़ जायेंगी।

संसद के पाले में गेंद

आखिरकार, सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। ऐसे कपल्स को गोद लेने का अधिकार भी नहीं मिला। इसी साल अप्रैल और मई में सुनवाई पूरी करने के करीब पांच महीने बाद मंगलवार को आया यह फैसला बिरादरी और उसके समर्थकों के लिए निराशाजनक कहा जाएगा। खासकर इसलिए भी कि 2018 में समलैंगिक रिश्तों को प्रतिबंधित करने वाली धाराएं सुप्रीम कोर्ट की ओर से खारिज किए जाने के पांच साल बाद उम्मीद की जा रही थी कि शीर्ष अदालत के दखल से समाज इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ेगा। वह संभव नहीं हुआ। हालांकि फैसले को देखने से यह भी साफ होता है कि सुप्रीम कोर्ट समलैंगिक रिश्तों को किसी भी मायने में कमतर समझे जाने के पक्ष में नहीं है। फैसले में अलग-अलग तरह से यह बात रेखांकित की गई है कि ऐसे रिश्ते बनाने वालों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए और सभी सुविधाओं तक उनकी निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। कोर्ट के फैसले का मुख्य आधार यह रहा कि इन शादियों को कानूनी मान्यता देने का सवाल विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। संवैधानिक लिहाज से यह आधार वाजिब है और अपनी सीमा का सम्मान कर सुप्रीम कोर्ट ने सही किया। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या संसद इस दिशा में अपनी तरफ से पहल करके ऐसा कोई कानून बनाएगी? इसमें कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। जब बतौर नागरिक दो वयस्क व्यक्ति अपनी इच्छा से संबंध बनाने और साथ रहने के हकदार हैं तो उनके उस संबंध को कानूनी मान्यता भी मिलनी ही चाहिए। इस दिशा में मौजूदा नियम-कानूनों की जो बाधाएं हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। यह काम संसद कर सकती है और उसे करना भी चाहिए। लेकिन जो तथ्य इस बारे में ज्यादा आशान्वित नहीं होने दे रहा वह है मौजूदा सरकार का इस सवाल पर दिखा रुख। सरकार ने इस मामले में कोर्ट में दोहराया कि समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे कई तरह की कानूनी उलझनें पैदा होंगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

लैपटॉप, टैबलेट और पीसी के आयात नियम सरल बनाएगी सरकार

- नया इम्पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम 1 नवंबर से लागू हो जाएगा

नई दिल्ली ।

देश में लैपटॉप, टैबलेट और पीसी के आयात नियमों में सरकार ढील देने पर विचार कर रही है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि केंद्र इन डिवाइसेजों का आयात करने के लिए अथराइजेशन का नया सिस्टम शुरू करने वाला है। यानी इसके लिए एक ऑनलाइन मंजूरी सिस्टम बनाया गया है जिसके तहत सभी कंपनियां विदेशों से इन सामानों का आयात तो कर सकेंगी लेकिन उसके पहले उन्हें सरकार से आयात के बारे में अनुमति लेनी पड़ेगी। सरकार के इस फैसले का लक्ष्य मार्केट सप्लाई को बिना नुकसान पहुंचाए ऐसे हार्डवेयर्स के शिपमेंट पर नजर रखनी होगी। नया इम्पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम 1 नवंबर से लागू हो जाएगा और कंपनियों को आयात की मात्रा और उसकी कीमत को रजिस्टर करने की आवश्यकता होगी। कंपनियों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए आयातकों के लिए एंड-टू-एंड ऑनलाइन प्रणाली शुरू की गई है। इस सिस्टम के तहत सरकार किसी भी आयात की रिक्वेस्ट को मना नहीं करेगी और कंपनियां जो भी डेटा सरकार को देंगी उसे वह निगरानी के लिए उपयोग करेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फोटेक मंत्रालय के एक वे रिष्ठ अधिकारी एस. कृष्णन ने बताया कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सब हमें उस तरह का डेटा और जानकारी दें जिसकी हमें जरूरत है ताकि हमारे पास विश्वसनीय डिजिटल सिस्टम हो। इस फैसले से डेल, एचपी, एप्पल, सेमसंग और लेनोवो जैसे ग्लोबल लैपटॉप मैन्युफैक्चरर्स को राहत मिली है, जो अगस्त में सरकार के लाइसेंसिंग व्यवस्था के अचानक ऐलान से

घबरा गए थे। नई लाइसेंस व्यवस्था भारत की विश्वसनीय सप्लाई चेन सुनिश्चित करने के लिए लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर (टैबलेट कंप्यूटर सहित), माइक्रो कंप्यूटर, बड़े या मेनफ्रेम कंप्यूटर और कुछ डेटा प्रोसेसिंग मशीनों पर लागू है। डीजीएफटी ने कहा कि एक आयातक अभी से आयात का लाइसेंस हो सिल करने के लिए सिस्टम पर आवेदन कर सकता है।

एक्स जल्द ही दो नए प्रीमियम टियर लॉन्च करेगा : एलोन मस्क

नई दिल्ली।

एलन मस्क ने शुक्रवार को कहा कि एक्स जल्द ही दो नए पेड प्रीमियम टियर लॉन्च करेगा और विज्ञापनों के साथ उस टियर की कीमत मौजूदा 8 डॉलर प्रति माह से कम होगी। अरबपति ने कहा, दूसरा टियर अधिक महंगा होगा जो सभी विज्ञापनों को हटा देगा।एक्स मालिक ने पोस्ट किया, एक्स प्रीमियम सब्सक्रिप्शन के दो नए टियर जल्द ही लॉन्च होंगे। एक तो सभी फीचर्स के साथ कम लागत, लेकिन विज्ञापनों में कोई कमी नहीं, और दूसरा अधिक महंगा, लेकिन कोई विज्ञापन नहीं। एक फॉलोअर ने प्रतिक्रिया व्यक्त की, कि इसके बजाय इसे ज्यादा मोनेटाइजेशन पेआउट सिस्टम पर काम करना चाहिए। मस्क के फॉलोअर ने एक्स पर पोस्ट किया, ऐसा लगता है कि कुछ अकाउंट को दूसरों की तुलना में असंगत रूप से अधिक पसंद किया जाता है, जिनके पास बेहतर जुड़ाव और विचार हो सकते हैं पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि एक्स ज्यादा पैसा कमाने और 2024 तक लाभदायक बनने के लिए अपने प्रीमियम पेड सब्सक्रिप्शन सर्विस को तीन मेंबरशिप टीयर में विभाजित करने की योजना बना रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, एक्स मौजूदा 8 डॉलर प्रीमियम सब्सक्रिप्शन को विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर तीन अलग-अलग योजनाओं : बेसिक, स्टैंडर्ड और प्लस में विभाजित करेगा। एंट्री-लेवल बेसिक प्लान उपयोगकर्ताओं द्वारा प्लेटफॉर्म पर देखे जाने वाले विज्ञापनों की संख्या को कम नहीं करेगा।स्टैंडर्ड टियर आधे विज्ञापन दिखाएगा और शीर्ष प्लस प्रीमियम पेशकश पूरी तरह से विज्ञापन हटा देगी और इसकी लागत प्रति माह 8 डॉलर से अधिक हो सकती है।

बुधवार को, मस्क ने कहा कि बॉट्स से निपटने के लिए, नए एक्स यूजर्स को प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करने के लिए प्रति वर्ष 1 डॉलर का भुगतान करना होगा, हालांकि वे अन्य पोस्ट फ्री में पढ़ सकते हैं।

पश्चिम एशिया संकट से तेल की आपूर्ति हो सकती है बाधित

- गैस पंप पर लंबी कतारें लगने की आशंका नहीं

वाशिंगटन ।

वर्ष 1973 के अरब तेल प्रतिबंध के 50 साल बाद पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक मूल्य वृद्धि और गैस पंप पर लंबी कतारें लगने की आशंका नहीं है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख ने कहा कि सऊदी अरब और रूस से तेल उत्पादन में कटौती और चीन से मजबूत मांग के अनुमान के बाद अब इज़राइल-हमास युद्ध निश्चित रूप तेल बाजारों के लिए अच्छी खबर नहीं है। पेरिस स्थित आईईए के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि बाजार अस्थिर रहेंगे और संघर्ष से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, जो निश्चित रूप से मुद्रास्फीति के लिए बुरी खबर है। उन्होंने कहा कि तेल और अन्य ईंधन का आयात करने वाले विकासशील देश ऊंची कीमतों से सबसे अधिक प्रभावित होंगे। हमास के आतंकवादियों के इज़राइल पर हमला करने के दिन वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 91 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था। हमले के बाद से कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण तेल की कीमतें 96 डॉलर तक पहुंची हैं। तेल की कीमत इस बात पर निर्भर करती है कि इसका कितना इस्तेमाल हो रहा है और यह कितना उपलब्ध है। गाजा पट्टी प्रमुख कच्चे तेल उत्पादन वाला क्षेत्र नहीं है, फिर भी हमास-इज़राइल संघर्ष के कारण इसकी उपलब्धता को लेकर कई चिंताएं हैं।

हैकरों द्वारा गंभीर बग का फायदा उठाने के बाद 42 हजार सिस्को उपकरणों से समझौता किया गया, कंपनी ने की कार्रवाई

सैन फ्रांसिस्को:

साइबर अपराधियों ने हजारों उपकरणों से समझौता करने के लिए सिस्को के नेटवर्किंग सॉफ्टवेयर में एक अप्रकाशित और गंभीर शून्य-दिन की भेद्यता का फायदा उठाया है।

इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और संपत्तियों के लिए एक खोज इंजन, सेंसिस ने लगभग 42 हजार समझौता किए गए सिस्को उपकरणों का अवलोकन किया, इससे संक्रमण में तेज वृद्धि देखी गई। नेटवर्किंग की दिग्गज कंपनी सिस्को ने स्वीकार किया कि इंटरनेट या अविश्वसनीय नेटवर्क के संपर्क में आने पर उसके एक सॉफ्टवेयर में वेब यूजर इंटरफेस (वेब यूआई) सुविधा में पहले से अज्ञात भेद्यता का सक्रिय शोषण होता है। कंपनी ने एक सुरक्षा अद्यतन में कहा, यह सिस्को आईओएस एक्सई सॉफ़्टवेयर चलाने वाले भौतिक और आभासी दोनों उपकरणों को प्रभावित करता है, जिनमें एचटीटीपी या एचटीटीपीएस सर्वर सुविधा भी सक्षम है। कंपनी ने चेतावनी दी कि इस भेद्यता का सफल शोषण एक हमलावर को प्रभावित डिवाइस पर विशेषाधिकार स्तर 15 पहुंच के साथ एक खाता बनाने की अनुमति देता है, इससे उन्हें प्रभावी रूप से समझौता किए गए डिवाइस का पूर्ण नियंत्रण मिलता है और संभावित बाद की अनधिकृत गतिविधि की अनुमति मिलती है।

सिस्को आईओएस एक्सई सॉफ़्टवेयर चलाने वाले उपकरणों की सूची में एंटरप्राइज़ स्विच, वायरलेस नियंत्रक, एक्सेस पॉइंट और औद्योगिक राउटर शामिल हैं।सिस्को ने कंपनियों को इंटरनेट-फेसिंग सिस्टम पर एचटीटीपी सर्वर सुविधा को अक्षम करने की सिफारिश की है।अपने विश्लेषण में, सेन्सिस ने कहा कि अधिकांश समझौता किए गए उपकरण अमेरिका में स्थित हैं, उसके बाद फिलीपींस और मैक्सिको में हैं। सुरक्षा शोधकर्ताओं ने कहा, इस भेद्यता का प्राथमिक लक्ष्य बड़े निगम नहीं हैं बल्कि छोटी संस्थाएं और व्यक्ति हैं जो अधिक संवेदनशील हैं।

सिस्को ने कहा कि नई भेद्यता को उच्चतम सामान्य भेद्यता स्कोरिंग सिस्टम (सीवीएसएस) स्कोर (10/महत्वपूर्ण) प्राप्त हुआ। कंपनी ने कहा, सफल शोषण एक हमलावर को पूर्ण प्रशासक विशेषाधिकार प्रदान करेगा, इससे उन्हें प्रभावित राउटर पर प्रभावी ढंग से पूर्ण नियंत्रण लेने और संभावित बाद की अनधिकृत गतिविधि की अनुमति मिल सकेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 232 अंक , निफ्टी 84 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी जारी रहने से भी बाजार पर दबाव आया है। इस दौरान बीएसई मिडकैप इंडेक्स में एक फीसदी की गिरावट रही जबकि स्मॉलकैप 0.8 फीसदी नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 231.62 अंक करीब 0.35 फीसदी टूटकर 65,397.62 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,555.14 तक ऊपर जाने के बाद 65,308.61 तक गिरा। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.35 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ ही दिन के अंत में 19,540.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,593.80 तक ऊपर जाने के बाद 19,518.70 तक फिसला। आज कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 10 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। कोटक बैंक के शेयर सबसे अधिक 1.80 फीसदी उछले, इसके अलावा इंडसइंड बैंक, टीसीएस, एनटीपीसी और नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व और सन फार्मा के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर गिरावट पर बंद हुए। आईटीसी के शेयर सबसे अधिक 2.68 फीसदी टूटे, आईटीसी के अलावा टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआई और जेएसडब्लूय स्टील के शेयर भी नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई है। प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में खुले। बीएसई सेंसेक्स करीब 150 अंक गिरकर 65,500 के नीचे खुला। वहीं निफ्टी भी 70 अंकों की गिरावट के साथ 19,550 के लेवल पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के महंगाई को लेकर बयान के बाद ग्लोबल बाजारों पर दबाव देखने को मिल रहा है। इससे पहले गुरुवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 83.12 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी कोषों की निरंतर निकासी के बीच आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे गिरकर 83.18 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि शेयर बाजार में गिरावट और मजबूत डॉलर का असर भी भारतीय मुद्रा पर पड़ा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.17 प्रति डॉलर के भाव पर खुला और फिर 83.20 पर पहुंच गया। इसके बाद 83.18 पर पहुंच गया। ये पिछले बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट है। वहीं गुरुवार को रुपया 83.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 106.28 पर रहा था।

नोकिया अपने 14,000 कर्मचारियों को बाहर निकालेगी!

नई दिल्ली । दूरसंचार उपकरण बनाने वाली फिनलैंड की कंपनी नोकिया ने कहा कि वह तीसरी तिमाही की बिक्री तथा मुनाफा गिरने के बाद लागत कम करने के लिए दुनियाभर में 14,000 कर्मचारियों या अपने कार्यबल में 16 प्रतिशत तक कटौती करने की योजना बना रही है। कंपनी जनवरी-दिसंबर के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। कंपनी ने कहा कि उसका मकसद बाजार की मौजूदा अनिश्चितता से निपटने के लिए सके लागत आधार को कम करना और परिचालन दक्षता सुधारना है। नोकिया के अनुसार कंपनी का मकसद 2026 के ओ खिर तक अपने लागत आधार में 80 करोड़ यूरो (843 अरब डॉलर) से 1.2 अरब यूरो के बीच कमी लाना है। जिससे कंपनी के कर्मचारियों की संख्या कम होकर घटकर 72,000 और 77,000 के बीच रह जाएगी, जो अभी 86,000 है। राजस्व के हिसाब से कंपनी की सबसे बड़ी इकाई मोबाइल नेटवर्क कारोबार की आमदनी 24 प्रतिशत घटकर 2.16 अरब यूरो रह गई। इस इकाई के परिचालन लाभ में 64 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसकी मुख्य वजह उत्तरी अमेरिकी बाजार का कमजोर रुख रहा। नोकिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम तीन स्तरों पर निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं रणनीतिक, परिचालन और लागत। मेरा मानना है कि ये कार्रवाइयां हमें मजबूत बनाएंगी और हमारे शेयरधारकों के लिए महत्वपूर्ण मूल्य प्रदान करेंगी।

सुरक्षित निवेश मांग के कारण सोने की कीमतें तीन महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले बे याज दरों में बढ़ोतरी रोकने की उम्मीदों के कारण मांग आने से सोने में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी रही और इसकी कीमतें शुक्रवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। सोने को राजनीतिक और वित्तीय अनिश्चितता के समय में सुरक्षित मूल्य भंडार के रूप में देखा जाता है। इस सप्ताह अब तक इसकी कीमत 2.2 प्रतिशत बढ़ चुकी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में शुक्रवार को सोने के दाम 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर गये और दोपहर के कारोबार में 60,313 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गये। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें करीब 1,976.40 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस थीं। इस साल 5 दिसंबर को परिपक्व होने वाला सोना वायदा 272 रुपये की मामूली बढ़ोतरी के बाद एमसीएक्स पर 60,615 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जैसे-जैसे इज़राइल-हमास युद्ध तीव्र होता जा रहा है, ऐसी आशंका है कि यह अमेरिका और ईरान से जुड़े एक व्यापक भू-राजनीतिक संकट में बदल सकता है। इजराइल द्वारा गाजा पर जमीनी हमले की तैयारी और अमेरिका द्वारा इस क्षेत्र में दो विमानवाहक पोत भेजने से ये आशंकाएं और भी बढ़ गई हैं। संघर्ष में किसी भी तेजी से तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता पैदा हो सकती है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि वह सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं कि सरकारी बॉन्ड पर बे याज में वृद्धि वित्तीय स्थितियों को और मजबूत करने में मदद कर रही है और इससे अतिरिक्त दर वृद्धि की आवश्यकता कम हो सकती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी और करेंसी के प्रमुख अनुज गुप्ता, सोने की कीमतों में हालिया वृद्धि का श्रेय ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर चेयरमैन जेरोम पॉवेल के नरम रुख को देते हैं।

मौद्रिक नीति सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए: दास

- डिजिटल भुगतान से मौद्रिक नीति का असर तेजी से और प्रभावी रूप से नजर आने लगा है

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए, जिससे ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति में गिरावट सुचारू रूप से चलती रही। हाल ही में कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 में उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता तथा वित्तीय स्थिरता एक-दूसरे के पूरक हैं और आरबीआई ने दोनों को अच्छी प्रकार से प्रबंधित करने का प्रयास किया है। सब्जियों तथा ईंधन के भाव नरम होने से सितंबर में सालाना आधार पर खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत पहुंच गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में 6.83 प्रतिशत और सितंबर 2022 में 7.41 प्रतिशत थी। जुलाई में मुद्रास्फीति 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मुद्रास्फीति पर रोक लगाने के लिए रिजर्व बैंक ने इस साल फरवरी में नीतिगत दर नहीं बढ़ाई है। इससे पहले पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। गवर्नर ने कहा कि हमने नीतिगत दर पर प्र तिबंध बना कर रखा है। अब तक 2.50 प्रतिशत की वृद्धि वित्तीय प्रणाली के जरिए अब भी काम कर रही है। डिजिटल भुगतान से मौद्रिक नीति का असर तेजी से और प्रभावी रूप से नजर आने लगा है। दास ने इस बात पर भी जोर दिया कि मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है। गवर्नर ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब तीन चुनौतियों मुद्रास्फीति, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम का सामना कर रही है। घरेलू वित्तीय क्षेत्र के संबंध में उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक

तनाव की स्थिति के दौरान भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगे। दास ने कहा कि भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने के लिए तैयार है और मार्च 2024 में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

अमेरिकी औद्योगिक टायर निर्माता सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करेगा टीवीएस श्रीचक्र

चेन्नई। भारतीय ऑटोमोटिव टायर निर्माता टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड अमेरिका स्थित औद्योगिक टायर निर्माता सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करेगी। टीवीएस श्रीचक्र ने कहा कि कंपनी के बोर्ड ने शुक्रवार को मिशिगन, अमेरिका में सहायक कंपनी एसजी एक्विजिशन कॉरपोरेशन की स्थापना के लिए 10 मिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी दे दी है। टीवीएस श्रीचक्र के अनुसार, सहायक कंपनी एसजी एक्विजिशन सुपर ग्रिप कॉरपोरेशन की संपत्ति, देनदारियों और व्यवसाय संचालन को संभालेगी। टीवीएस श्रीचक्र ने कहा कि एसजी एक्विजिशन अमेरिकी कंपनी सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन के शेयरों को सब्सक्राइब नहीं करेगी। भारतीय कंपनी ने कहा कि यह निवेश अमेरिका में कारोबार का विस्तार करने और ऑफ-हाईवे टायर प्रोडक्ट्स पर फोकस करने के लिए किया गया है। टीवीएस श्रीचक्र के निदेशक एस रविचंद्रन ने कहा, हम प्रस्तावित सुपर ग्रिप लेनदेन को उत्साह के साथ देखते हैं। कंपनी ग्लोबल लेवल पर अपने ऑफ-हाइवे टायर बिजनेस का विस्तार करने की हमारी योजना में बिल्कुल फिट बैठती है। प्रस्तावित लेनदेन अपने साथ एक अनुभवी और प्रेरित मैनेजमेंट टीम भी लाता है, जो समय के साथ बिजनेस में वैल्यू जोड़ेगी।

एफपीआई की बिकवाली से बैंकिंग शेयरों पर दबाव

नई दिल्ली। अमेरिका में 5 फीसदी के आसपास की 10 साल की बांड यील्ड इक्विटी बाजारों के लिए प्रतिकूल बनी हुई है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में उथल-पुथल को बाजार अब हालांकि काफी हद तक नजरअंदाज कर रहा है, लेकिन निकट अवधि की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। विजयकुमार के अनुसार, एफपीआई की बिकवाली बने रहने की संभावना है, जो बैंकिंग शेयरों पर दबाव डाल रहे हैं, जो उनके एयूएम का प्रमुख हिस्सा हैं और इससे घरेलू निवेशकों को इन शेयरों को खरीदने का अवसर मिलता है, जो ठीकठाक मूल्यांकन पर उपलब्ध है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारत का खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और इससे खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि ब्याज दर लंबे समय तक रुकेगी और यह बैंकिंग शेयरों के लिए अनुकूल है। प्रभुदास लीलाधर में तकनीकी अनुसंधान की उपाध्यक्ष वैशाली पारेख ने कहा कि निफ्टी एक बार फिर 19,850 क्षेत्र के प्रतिरोध स्तर को पार करने में विफल रहा और अंततः भारी मुनाफावसूली के साथ 19,700 क्षेत्र से नीचे फिसल गया।

वित्त मंत्रालय सरकारी कर्ज में कटौती के तरीकों पर कर रहा विचार : सीतारमण

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि उनका मंत्रालय सरकारी कर्ज के समग्र स्तर को कम करने के तरीकों पर विचार कर रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को इसका बोझ न उठाना पड़े। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में वित्त मंत्री ने कहा, हम आज भारत सरकार के कर्ज के प्रति सचेत हैं। कई अन्य देशों की तुलना में यह उतना अधिक नहीं हो सकता है। लेकिन वहां भी, हम सचेत रूप से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रयोगों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम उन तरीकों पर विचार कर रहे हैं, जिनसे हम समग्र ऋण को कम कर सकते हैं और मुझे यकीन है कि इसमें बहुत सफल होने जा रहा हूं, क्योंकि मैं भारत की आकांक्षात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काफी हद तक तैयार हूं। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि क्रिप्टोकरेंसी विनियमन के लिए एक प्रणाली स्थापित करने पर वैश्विक सहमति बनी है। उन्होंने जी20 बैठक के दौरान इस मुद्दे को सामने लाने में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा, क्रिप्टो वह मुद्दा था, जिसे हम भारत की अध्यक्षता में जी20 बैठक में लाने में सक्षम हुए और सभी देशों को आम सहमति पर लाया। सभी जी20 देश एक टेम्पलेट पर सहमत हुए और वे उस टेम्पलेट के आधार पर विनियमन लाएंगे।

बेजोस समर्थित स्टार्टअप कॉन्वॉय ने मुख्य कारोबार किया बंद, सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका स्थित डिजिटल परिवहन स्टार्टअप कॉन्वॉय ने अपने मुख्य व्यवसाय को अचानक बंद कर दिया और अपने अधिकांश कर्मचारियों को निकाल दिया है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों को कथित तौर पर पैसे भी नहीं मिले हैं। गीकवायर की रिपोर्ट के अनुसार, कॉन्वॉय के सीईओ डैन लुईस ने कर्मचारियों को भेजे मेमो में लिखा है कि हमें उम्मीद है कि यह दिन कभी नहीं आएगा। उन्होंने गुरुवार देर रात कर्मचारियों को बताया, हमने बिजनेस के लिए सभी स्ट्रैटेजिक ऑप्शन्स पर विचार करने में 4 महीने से ज्यादा का समय लगाया। लेकिन कोई भी ऑप्शन कंपनी को बनाए रखने के लिए सामने नहीं आया। ग्लोबल टेक इकोसिस्टम को झटका देते हुए, लुईस ने कहा कि कंपनी को माल ढुलाई बाजार में अभूतपूर्व गिरावट और पैसे की कमी दोनों का सामना करना पड़ा। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस समर्थित कॉन्वॉय में परिचालन बंद करने की घोषणा से पहले लगभग 500 कर्मचारी थे। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने लगभग 18 महीने पहले 3.8 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 260 मिलियन डॉलर जुटाए थे। लुईस ने कहा कि कॉन्वॉय अपने मौजूदा मुख्य व्यवसाय संचालन को बंद कर देगा। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, हमारी टीम में से कुछ लोग इस वाइंड अप ट्रांज़िशन और संभावित फ्यूचर स्ट्रैटेजिक ऑप्शन्स को संभालना जारी रखेंगे, आज कंपनी में आपका आखिरी दिन है।

ऐसी 5 बीमारियां, जिनके कारण डिप्रेशन में आ जाती हैं महिलाएं

महिलाएं अक्सर जिन बीमारियों को चुपचाप सहन करती हैं, इनमें मेनरेजिया (असामान्य रूप से ज्यादा दिनों तक अत्यधिक रक्त स्राव वाला मासिक धर्म), गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से उपजा माइग्रेन और गर्भाशय में ट्यूमर (फाइब्रॉएड) प्रमुख रूप से शामिल हैं। गर्भाशय के ट्यूमर युवतियों या महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकते हैं। गर्भाशय के ट्यूमर निकालने के लिए अनुष्का को पहले मायोमेक्टॉमी नामक सर्जरी की जरूरत थी और बाद में हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी की।

मायमेक्टॉमी एक ऐसी सर्जरी है, जिसमें गर्भाशय के ट्यूमर को ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है। हिस्टेरेक्टॉमी एक ऐसा ऑपरेशन है, जिसमें महिला के यूट्रस या गर्भाशय को निकाल दिया जाता है। इस कारण से उनमें भविष्य में मां बनने की संभावना खत्म हो जाती है।

मेनरेजिया

लड़कियों या महिलाओं का जब मासिक धर्म सात या इससे ज्यादा दिन का होता है और जब अक्सर बहुत ज्यादा खून जाता है तो इस हालत को मेनरेजिया कहते हैं। स्त्रियों को मेनरेजिया रोग होने के कई कारण हैं, जिनमें एंडोमेट्रियोसिस, एडेनेमायोसिस और यूट्राइन फाएब्रॉइड शामिल हैं।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस दर्दनाक विकार है, जिसमें सामान्य रूप से किसी स्त्री के गर्भाशय के अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर बढ़ती है और वे गर्भाशय नलियों (फैलोपियन ट्यूब), अंडाशय (ओवरीज) और शरीर के अन्य अंगों पर विकसित होने लगती हैं। डॉक्टर अब तक यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों होता है? भारत की 2.5 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। अंडाशय वह अंग है जहां पर औरत को मां बना सकने वाले अंडे बनते हैं। अंडे वह, जो स्पर्म (शुक्राणु) के साथ मिलकर बच्चा बना सकें।

एडेनोमायोसिस

इसमें गर्भाशय की सबसे अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय की भीतरी दीवार (मायोमेट्रियम) के साथ मिल जाती हैं, जिस कारण से पीरियड्स ज्यादा लंबे और तकलीफदेह हो जाते हैं।

यूट्राइन फाएब्रॉइड

गर्भाशय में पनपने वाले ट्यूमर को यूट्राइन फाएब्रॉइड कहते हैं। गर्भाशय फाएब्रॉइड, गर्भाशय में मांसपेशियों के ऊतकों से गैर-कैंसरजन्य वृद्धि है। कुछ महिलाओं के शरीर में गर्भाशय फाइब्रॉएड क्यों बनते हैं, इसका सटीक कारण मालूम नहीं है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर में फाएब्रॉइड पनपने की वजह आनुवांशिक या हार्मोनल असंतुलन हो सकती है। डॉक्टर अक्सर मेनरेजिया और गर्भाशय फाएब्रॉइड दोनों को मैनेज करने के लिए जन्म रोकने वाली दवा-गोलियां देते हैं। इन गोलियों में मौजूद एस्ट्रोजन हार्मोन कुछ महिलाओं को तेज सरदर्द और माइग्रेन दे सकता है। अनुष्का शंकर को भी महीने में तीन से चार बार माइग्रेन होता था।

फाएब्रॉइड और मायोमेक्टोमी

गर्भाशय में मौजूद ट्यूमर को निकालने के लिए जो सर्जिकल प्रोसिजर या ऑपरेशन किए जाते हैं, उन्हें मायोमेक्टॉमी कहते हैं। इस ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। अपने ट्वीट में, अनुष्का ने कहा कि 26 साल की उम्र में उनकी एक सफल मायोमेक्टोमी हुई थी। इस ऑपरेशन के बाद उसके दो बेटे पैदा हुए।

ऐसा बहुत कम है, जो हम फाएब्रॉइड के बारे में निश्चित तौर पर कह सकते हैं। पहली बात यो यह है कि शरीर में फाएब्रॉइड कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। ये गर्भाशय की बाहरी सतह पर, इसकी दीवार के भीतर, या यह एक छोटे से तंतु के जरिए गर्भाशय की दीवार से जुड़ा होते हैं। फाइब्रॉइड धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं या वे कई वर्षों तक छोटे रह सकते हैं और फिर अचानक बढ़ सकते हैं। फाएब्रॉइड की मौजूदगी के लक्षण भी अलग-अलग पेशेंट्स के लिए काफी अलग-अलग हो सकते हैं- बेहद तकलीफदेह पीरियड्स से लेकर रक्त की कमी वाली बीमारी एनीमिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तकलीफदेह संभोग जैसी भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। हम ऐसी भिन्न स्थितियां बनने के कारणों के बारे में भी कुछ निश्चित कहने की स्थिति में नहीं हैं।

हिस्टेरेक्टॉमी और डिप्रेशन

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अनुष्का ने लिखा कि हिस्टेरेक्टॉमी के विचार ने उन्हें शॉर्ट-टर्म डिप्रेशन यानी अल्पकालिक अवसाद की हालत में भेज दिया। इस खबर से मेरे मन में कई किस्म के डर थे। जैसे, अपने स्त्रीत्व को लेकर भय, भविष्य में और बच्चे पैदा करने की मेरी संभावित इच्छा, सर्जरी में मरने का डर, मेरे बच्चों को बिना मां के छोड़ने का भय, मेरी सेक्स लाइफ में बदलाव और असर का भय... और भी बहुत कुछ। शोध आधारित एक अनुमान के अनुसार, हिस्टेरेक्टॉमी के दौरान वैश्विक मृत्यु दर एक प्रतिशत है। आंत्र, मूत्राशय या मूत्रवाहिनी को नुकसान, रक्तस्राव, डिम्बग्रंथि विफलता और संक्रमण जैसी जटिलताओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में प्रजनन संबंधी बीमारियों का सामना कर रही महिलाओं का उनके निदान के बारे में उदास महसूस करना आम है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में ही हिस्टेरेक्टोमी को लेकर ऐसी धारणा है। हमें यह समझना होगा कि यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं का जीवन बचा सकती है। महिलाओं पर निश्चित तरीके से रहने और एक निश्चित तरीके से चीजों को देखने के लिए बहुत दबाव है।

रेसिपी

शीर खुरमा

सामग्री

- सेंवई:100 ग्राम ■ घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर ■ शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम ■ पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उतारकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

बूंदी के लड्डू

सामग्री

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

विधि

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 2980

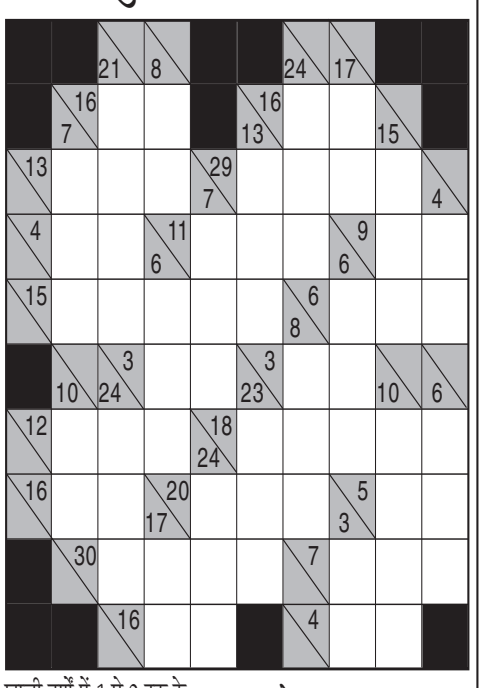

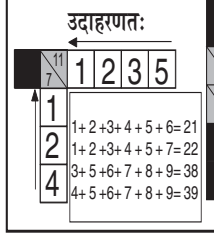

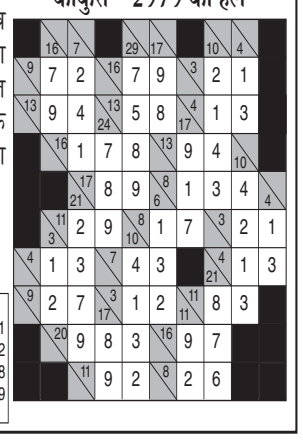

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2979 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

फिल्म वर्ग पहेली- 2980

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2979

सूडोकु -2980

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2979 का हल

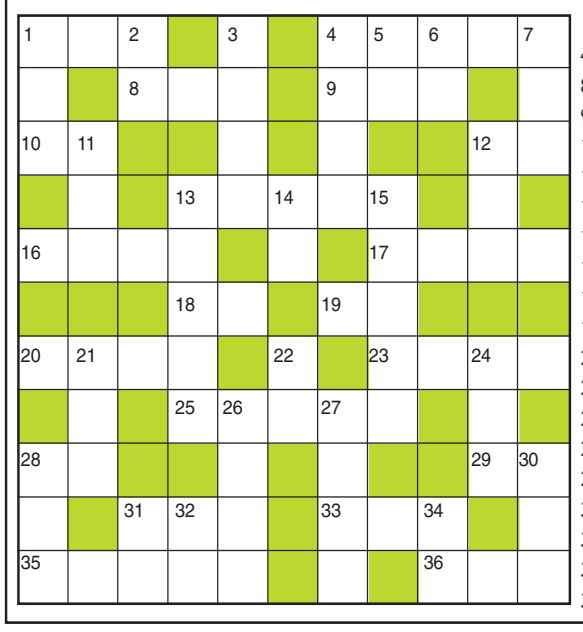

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 2980

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -2979 का हल

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट : इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्वकप में शनिवार को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला होगा। इन दोनो ही टीमों को इस बार एक-एक मैच में उलटफेर का सामना करना पड़ा है। इसलिए इस मैच में दोनो ही जीत के साथ ही वापसी करने उतरेंगे। दक्षिण अफ्रीका को जहां धर्मशाला में वर्षाबाधित मैच में नीदरलैंड ने हराकर सभी को हैरान कर दिया। वहीं इंग्लैंड को दिल्ली में अफगानिस्तान ने पराजित किया। एकदिवसीय मुकाबलों मे विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड 4-3 का रहा है पर इस बार दक्षिण अफ्रीका की दावेदारी भी तगड़ी है।

दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को सौ से अधिक रनों के अंतर से हराया हालांकि नीदरलैंड ने उसे हरा दिया। इससे टीम से हार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दबाव के सामने वह बिखर जाती है। इंग्लैंड की टीम भी इस बार हर क्षेत्र में संघर्ष कर रही है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। इस मैच में बेन स्टोक्स के खेलने से उसकी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। स्टोक्स पहले तीन मैच चोट के कारण नहीं खेल सके थे। टूर्नामेंट के पहले मैच में इंग्लैंड को न्यूजीलैंड ने हराया था। इसके बाद इंग्लैंड ने बांग्लादेश को हराया पर अफगानिस्तान से मिली हार ने उसका मनोबल गिरा दिया। तीन मैचों में 43, 20 और 9 के स्कोर के साथ कप्तान जोस बटलर का मनोबल गिरा हुआ है। वहीं लियाम लिविंगस्टोन ने भी तीन मैचों में 20, 0 और 10 रन बनाए हैं। जो रूट ने दो अर्धशतक और डेविड मलान ने शतक बनाया है लेकिन जीत के लिए बल्लेबाजों को एक ईकाई के रूप में खेलना होगा। रीसे टॉपली पांच विकेट , मार्क वुड तीन विकेट

और आदिल रशीद चार विकेट भी अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। पिछली बार इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 20 विकेट लेने वाले जोफ्रा आर्चर मुंबई पहुंच गए हैं पर वह रिजर्व गेंदबाज होंगे और अभी वापसी का कोई इरादा नहीं है।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की ओर से कप्तान तेम्बा बावुमा बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके पर पिछले साल भर में उन्होंने अच्छी कप्तानी की है। वहीं लगातार दो शतक के साथ क्विंटोन डिकॉक ने साबित कर दिया कि वह खतरनाक साबित हो सबसे हैं। एडेन मार्कराम और रासी वान डेर डुसेन भी लय में हैं और हालात के अनुरूप तेज खेल सकते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड-जोस बटलर (विकेटकीपर व कप्तान), जॉनी बेयरस्टो/बेन स्टोक्स, डेविड मालन, जो रूट, हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, सैम कुरेन, क्रिस वोक्स, आदिल राशिद, मार्क वुड, रीस टॉपले

दक्षिण अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रासी वान डेर डुसेन, एडेन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, मार्को जानसेन, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, गेराल्ड कोएत्ज़ी।

सिंधु डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

ओडेंस (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु बीडब्ल्यूएफ डेनमार्क ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को 18-21, 21-15, 21-13 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। सिंधु ने पहला गेम हारने के बाद भी इस मुकाबले में बचे हुए दो गेम जीतकर अच्छी वापसी करते हुए मुकबला जीता। ये मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। अब सिंधु सेमीफाइनल में जगह हासिल करने के लिए थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग को सामना करेंगी। थाईलैंड खिलाड़ी ने एक अन्य मैच में भारत की आकर्षी कश्यप को 21-18, 21-8 से हराया।

सिंधु ने पहले गेम में सिंधु 6-12 से पीछे हो गईं पर इंडोनेशियाई शटर से बचने से पहले स्कोर को करीब लाने में सफल रहीं। दूसरे गेम में उन्होंने अच्छा खेल दिखाते हुए 13-4 की बढ़त बना ली। इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने तत्काल आठ सीधे गेम में स्कोर 14-14 से बराबर कर दिया पर सिंधु ने आक्रामक रुख अपनाया और ग्रेगोरिया के लंबे शॉट का फायदा उठाकर छह गेम अंक हासिल किये। वह दो फ्लिक सर्व की बदौलत आगे निकल गईं। वहीं पुरुष एकल वर्ग में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत के लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत शुरुआत में ही बाहर हो गये।

रोहित और विराट ने सबसे अधिक रनों का डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत के दौरान ही एक और अहम उपलब्धि हासिल की है। विराट ने इस मुकाबले में शानदार शतक लगाया। उन्होंने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 78 शतक पूरे किये। वही मैच में रोहित अर्धशतक तो पूरा नहीं कर सके. लेकिन 48 रन की अच्छी पारी खेलकर लौटे। इसी पारी के साथ ही दोनों ही खिलाड़ियों ने दक्षिण अफ्रीका के पुर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित और विराट ने एक ही मैच में डिविलियर्स का रिकॉर्ड तोड़ा। डिविलियर्स ने अपने करियर में एकदिवसीय विश्वकप में कुल 1207 रन बनाए हैं पर विराट और रोहित अब इससे आगे निकल गए हैं। विराट ने शतक के साथ विश्वकप कप में अपने 1289 रन पूरे किए। वहीं रोहित शर्मा ने 1243 रन पूरे किए। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से पहले दोनों ही खिलाड़ी डिविलियर्स से कुछ रनों से ही पीछे थे। अब इन दोनो के निशाने पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर रहेंगे। सचिन के नाम विश्व कप में सबसे ज्यादा रन 2278 रन बनाने का रिकॉर्ड है।

विश्वकप कप के लिए इस प्रकार बेहतर विकेटकीपर बने राहुल

-फील्डिंग कोच दिलीप के साथ किया था अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने इस बार विश्वकप में न केवल अच्छी बल्लेबाजी की है बल्कि विकेटकीपिंग में भी कमाल दिखाया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में राहुल ने एक हाथ से मेहदी हसन मिराज का कैच पकड़ा था जबकि विश्वकप से पहले राहुल की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खराब विकेटकीपिंग के लिए आलोचना हुई थी। अब सवाल ये उठता है कि कैसे उन्होंने इतनी जल्दी विकेटकीपिंग बेहतर कर दी।

राहुल कभी भी नियमित विकेटकीपर भी नहीं रहे। वह अधिकतर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरे हैं। उन्होंने गत एक माह में अपनी कमियों को ठीक करते हुए विकेटकीपिंग बेहतर की है।

वहीं इस मामले को लेकर भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा कि राहुल नियमित विकेटकीपर नहीं हैं। ऐसे में उनमें एक आदत थी कि वो जब भी गेंद को पकड़ने के लिए दाईं या बाईं तरफ मूव करते थे तो ग्लव्स ऊपर की तरह उठा लेते थे। ऐसे में कई बार उनके हाथ से गेंद निकल जाती थी। इसके अलावा वह बल्लेबाज के शॉट खेलने के बाद तेजी से दौड़कर स्टम्प की तरफ नहीं आते थे या कई बार देरी से आते थे। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले महीने हुई एकदिवसीय सीरीज में एक रन आउट करने में भी विफल रहे थे। कई बार फील्डर के थ्रो पकड़ने में भी नुकसान के कारण राहुल काफी ट्रोल हुए थे।

विश्व कप से ठीक पहले राहुल ने अपनी इन दोनों कमियों पर काम किया और अपने रिफ्लेक्स

को और बेहतर करने के लिए फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ अभ्यास किया। इस कठोर अभ्यास का फल ही अब उन्हें मिल रहा है।

जडेजा को सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को बांग्लादेश के खिलाफ हुए विश्वकप क्रिकेट मुकाबले के लिए सर्वश्रेष्ठ फील्डर का पुरस्कार मिला है। भारतीय टीम की जीत के बाद जडेजा को ये अवार्ड मिला। मैच में जडेजा ने फिल्डिंग के साथ ही अच्छी गेंदबाजी थी की थी। जडेजा ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुश्फिकुर रहीम का अविश्वसनीय कैच पकड़ा था। कैच लेने के तुरंत बाद उन्होंने तत्काल ड्रेसिंग रूम की ओर देखा और फील्डिंग कोच से पुरस्कारों की घोषणा होने पर उन्हें याद रखने के लिए कहा। वहीं केएल राहुल ने पदक को जडेजा के गले में डाला।

जडेजा ने कहा, वह जश्न हमारे फील्डिंग कोच के लिए था। हर खेल के बाद हमें सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार मिलता है इसलिए मैं उन्हें बता रहा था कि मैं भी यहां पुरस्कार के लिए हूं। विराट को शानदार शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।इस मैच में जडेजा के अलावा शुभमन गिल ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। वहीं विराट कोहली ने इस मैच में अपना 48वां एकदिवसीय शतक पूरा कर लिया। इससे पहले इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जड़ेजा ने बांग्लादेश को 256 रनों पर रोक दिया। पहले पावरप्ले के बाद बांग्लादेश की टीम अच्छी स्थिति में थी पर भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में नियमित विकेट ले लिए। राहुल और जड़ेजा ने मैदान में शानदार प्रदर्शन किया और अच्छे कैच पकड़े।

पंड्या न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से बाहर हुए !

धर्मशाला । टीम इंडिया के ऑलरांउर हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले में चोटिल हो गये थे। ऐसे में वह रविवार को न्यूजीलैंड से होने वाले मुकाबले से तकरीबन बाहर हो गये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी करते समय पंड्या एक शॉट रोकने के प्रयास में चोटिल हुए थे। इसके बाद वे लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए थे और बाद में उनकी एड़ी का स्कैन भी हुआ। इस बीच खबर आ रही है कि पंड्या 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं। वह इलाज के लिए बेंगलुरु स्थित एनसीए जाएंगे। वहां इंग्लैंड के विशेषज्ञ डॉक्टर उन्हें देखेंगे। उन्हें इंजेक्शन भी दिया जा सकता है। पंड्या लखनऊ में होने वाले मुकाबले के लिए टीम से जुड़ सकते हैं और वे 29 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में उतर भी सकते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि हार्दिक पंड्या बेंगलुरु जाएंगे, जहां उन्हें एनसीए में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। मेडिकल टीम ने उनके टखने की स्कैन रिपोर्ट का आंकलन किया और ऐसा लग रहा है कि इंजेक्शन देने से वे ठीक हो जाएंगे।

इंग्लैंड को उम्मीद स्टोक्स की वापसी से टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला जीतेगी

नई दिल्ली । एकदिवसीय विश्वकप में अब इंग्लैंड की टीम 21 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मुकाबले को हर हाल में जीतना चाहेगी। पिछले विश्कप की विकेता इंग्लैंड की टीम की शुरुआत इस बार अच्छी नहीं रही है और उसे अफगानिस्तान जैसी टीम से भी हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड टीम अब तक तीन में से केवल एक मैच ही जीत पायी है। उसके पास अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने का अवसर था पर वह विफल रही। अब जोस बटलर की कप्तानी वाली टीम की उम्मीदें ऑलराउंडर बेन स्टोक्स पर टिकीं हैं। स्टोक्स के इस मैच में खेलने की संभावनाएं हैं। स्टोक्स चोटिल होने के कारण शुरुआती 3 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं थे। अब टीम के मुख्य कोच मैथ्यू मॉट ने भी कहा है कि इस मैच में इस ऑलराउंडर के खेलने की संभावना हैं। स्टोक्स ने कहा, ' मेडिकल स्टाफ को हमेशा से ही भरोसा था कि ये खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका मैच तक फिट हो जाएगा जिससे हम इस मुकाबले पर ध्यान दे सकते हैं।' कोच ने साथ ही कहा, 'वह कई मायनों में समूह के आध्यात्मिक नेता की तरह है और उसने निश्चित रूप से दूसरे दिन के खेल के बाद बहुत अच्छी बात की थी।' मॉट ने कहा कि उन्हें इंग्लैंड के अब तक के प्रयासों पर संदेह नहीं है पर लगता है कि टीम में मनोबल की कमी है।

पंड्या की जगह शमी को मिल सकता है अवसर

-बल्लेबाज के तौर पर सूर्यकुमार की संभावनाएं बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में अब तक अपने सभी चारों मुकाबले जीते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल हो गये हैं। ऐसे में अब रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनके खेलने की संभावना नहीं है। हार्दिक के नहीं खेलने पर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, आर अश्विन , सूर्यकमार यादव और शार्दुल ठाकुर के पास अवसर हैं पर शमी की संभावनाएं ज्यादा

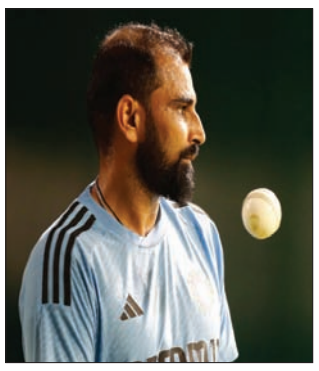

हैं। इसका कारण ये है कि हार्दिक ने अब तक के मुकाबलों में अच्छी गेंदबाजी की है। शमी के अनुभव को देखते हुए वह गेंदबाजी के लिए उपयुक्त नजर आते हैं। अगर अनुभवी स्पिन आर अश्विन को खिलाते हैं तो वो वह स्पिन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं शार्दुल पहले से ही बतौर ऑलराउंडर टीम में खेल रहे हैं लेकिन वो हार्दिक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं.

ऐसे में टीम में संतुलन लाने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में दो बदलाव हो सकते हैं। हार्दिक की भरपाई के लिए भारत को 6 नंबर पर उनके जैसा बल्लेबाज और ऐसा गेंदबाज चाहिये जो दस ओवर गेंदबाजी कर सके।

हार्दिक को इस विश्व कप में बल्लेबाजी का बहुत मौका नहीं मिला है क्योंकि अधिकतर मुकाबलों में शीर्ष क्रम ने ही टीम को जीत दिला दी।गेंदबाजी में हार्दिक ने अंतर पैदा किया है. उन्होंने तीसरे तेज गेंदबाज का रोल बखूबी निभाया है।. उन्होंने 3 मैच में 5 विकेट लिए हैं. ऐसे में गेंदबाज के तौर पर पंड्या की भरपाई के लिए एक तेज गेंदबाज की जरूरत होगी और वो काम शमी बेहतर तरीके से कर सकते हैं। ऐसे में में शार्दुल ठाकुर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

वहीं, हार्दिक के मैच फिनिशर वाला रोल पूरा करने के लिए सूर्यकुमार यादव को जगह मिल सकती है। वह 6 नंबर पर बैटिंग के लिए उतर सकते हैं। हाल के महीनों में टीम इंडिया ने सूर्या को मैच फिनिशर के तौर पर इस्तेमाल किया है। धर्मशाला का विकेट तेज गेंदबाजी के अनुकूल रहता है। इसलिए गेंदबाज के तौर पर शमी आ सकते हैं।

विश्वकप : विराट को फेंकी गेंद अंपायर ने इसलिए नहीं दी वाइड

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में शानदार शतक लगाया। विराट के इस शतक से भारतीय प्रशंसक उत्साहित हैं पर इस दौरान एक गेंद को वाइड दिये जाने पर विवाद भी हुआ है। इस मैच में जब भारत को जीत के लिए 2 और विराट को अपने शतक के लिए 3 रन की जरुरत थी। तो बांग्लादेश के बाएं हाथ के स्पिनर नसुम अहमद की लेग स्टम्प से बाहर जा रही एक गेंद को अंपायर ने वाइड नहीं दिया। इसी को लेकर विवाद उठा है। कोहली को लगा कि अंपायर इस गेंद को वाइड करार दे देंगे पर अंपायर रिचर्ड कैटेलब्रो ने गेंद को वाइड नहीं करार दिया। अंपायर के फैसले से कोहली को अपना 48वां शतक पूरा करने का अवसर मिल गया। उन्होंने इसके बाद छक्का लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। इसके बाद से ही अंपायर कैटेलब्रो की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि उन्होंने विराट के शतक के लिए लेग स्टम्प के बाहर की गेंद को भी वाइड नहीं दिया। वहीं आईसीसी नियमों पर गौर करें तो अंपायर का फैसला सही था। क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब के नियम के अनुसार एक गेंद को तब वाइड माना जाएगा जब वह बल्लेबाज के लिए पहुंच से बाहर हो। गौरतलब है कि आईसीसी ने पिछले साल क्रिकेट के छोटे प्रारुप को ध्यान में रखते हुए वाइड के नियम में कुछ बदलाव किए थे। दरअसल छोट प्रारुप वाले क्रिकेट में बल्लेबाज शॉट लगाने के लिए गेंद फेंके जाने से पहले कई बार इधर-उधर मूव करता है ऐसे में पहले कई बार अंपायर ऐसी गेंदों को भी वाइड करार दे देते थे, जो गेंदबाज, बल्लेबाज को उसकी पोजीशन शिफ्ट करने पर लेग या ऑफ साइड के बाहर की तरफ फेंकता था। इस बात को ध्यान में रखते हुए वाइड के लिए बनाए गए नियम में बदलाव किया गया था। इसमें यह व्यवस्था की गई कि किसी गेंद को वाइड करार देने से पहले फील्ड अम्पायर, शॉट लगाने के दौरान की पोजीशन को भी ध्यान रखेंगे। केवल विकेट से गेंद की दूरी को ही मामानकर किसी गेंद को वाइड नहीं करार दिया जाएगा।

रन रेट को भी ध्यान में रखना चाहिए: पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना 48वां वनडे शतक बनाने की विराट कोहली की उपलब्धि के बाद अपनी राय दी, जिसे उन्होंने रणनीतिक रूप से रन चेज के अंतिम ओवरों में सिंगल लेने से परहेज करके पूरा किया। प्रशंसकों के एक वर्ग ने केएल राहुल के साथ साझेदारी करते हुए सिंगल लेने से परहेज करने के कोहली के फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त की। 257 रन तक पहुंचने के भारतीय लक्ष्य के अंतिम चरण में कोहली मुख्य रूप से स्ट्राइक अपने पास रखकर अंतिम 30 रन बनाने में सफल रहे। इस दौरान कोहली ने आखिरी 21 गेंदों में 8 डॉट बॉल का सामना किया। चेतेश्वर पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो को बताया, 'जितना मैं चाहता था कि विराट कोहली वह शतक बनाएं, उतना ही ये भी सोच रहा था कि हमें खेल को जल्द से जल्द खत्म करना चाहिए। आप चाहते हैं कि आपका नेट रन रेट शीर्ष पर रहे।' 'यही वह जगह है जहां मुझे लगता है कि सामूहिक निर्णय के रूप में शायद आपको थोड़ा त्याग करना होगा। आप टीम को देखना चाहते हैं, आप टीम को पहले रखना चाहते हैं, मैं इसे इसी तरह देखता हूं। आप अपना रिकॉर्ड देखिए लेकिन टीम की कीमत पर नहीं। एक खिलाड़ी के रूप में, आपके पास हमेशा एक विकल्प होता है। लेकिन कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे शतक बनाते हैं, तो इससे उन्हें अगले मैच में मदद मिलती है। इसलिए यह इस पर निर्भर करता है कि आपकी मानसिकता किस तरह की है।' इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने टीम को विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में नेट रन रेट (एनआरआर) का ध्यान रखने की सलाह दी है क्योंकि यह अंत में टीमों को परेशान कर सकता है।

मार्च में वापसी करेंगी वीनस

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व नंबर की पूर्व एक टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की वीनस विलियम्स ने अभी अपने संन्यास की संभावनाओं कों खारिज किया है। वीनस ने कहा कि अभी उनका खेल से दूर होने का इरादा नहीं है वह अगले वर्ष मार्च में होने वाली प्रतियोगिता में वापसी करेंगी। विलियम्स ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा उन्होंने अगले अभी खेल में बने रहना तय किया है।

विलियम्स ने कहा कि मैंने अमेरिकी ओपन तक ठीक होने का पूरा प्रयास किया। मैं फॉर्म में नहीं हूं इसलिए अब मैं वापस आने तक आराम कर रही हूं। मैं मार्च को लक्ष्य बना रही हूं, तभी टूर्नामेंट वापस जाएंगे, इसलिए मेरा लक्ष्य है जब अमेरिकी ओपन टूर्नामेंट वापस आएंगे तो यह शुरु होगा।

विलियम्स ने विंबलडन में हार के बाद तीन मुकाबले खेले। वह मॉन्ट्रियल में पहले दौर में हार गईं, इसके बाद सिनसिनाटी में शुरुआती दौर में वेरोनिका कुडरमेतोवा पर उसे जीत मिली।

वह सत्र का आखिरी मैच यूएस ओपन के पहले दौर में बेल्जियम ग्रीट मिन्नेन से 6-1, 6-1 से हार गयी थीं। टूर्नामेंट में 100 करियर मैचों में यह विलियम्स की यूएस ओपन की सबसे एकतरफा हार थी।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 का शेड्यूल जारी, 2 दिसंबर को शुरू होगा टूर्नामेंट

मुंबई (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने 10वें सीजन के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 के लिए 12-शहर के कारवां प्रारूप में लौट रही है। टूर्नामेंट 2 दिसंबर 2023 को अहमदाबाद के एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया स्टेडियम में शुरू होगा और उसके बाद प्रत्येक फ्रेंचाइज़ी के गृह शहरों में स्थानांतरित हो जाएगी। लीग चरण 2 दिसंबर 2023 से 21 फरवरी 2024 तक आयोजित किया जाएगा। प्लेऑफ के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी। प्रो कबड्डी लीग के सीजन 10 का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और डिज्नी+हॉटस्टार पर किया जाएगा।

लीग इस सीजन में प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी के गृह शहरों से स्टेडियम में वापस आने वाले कबड्डी फैंस का स्वागत करने के लिए रोमांचित है। अहमदाबाद चरण 2-7 दिसंबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। इसके बाद लीग स्थानों के निम्नलिखित क्रम में आगे बढ़ेगी जिसमें बेंगलुरु (8-13 दिसंबर 2023), पुणे (15-20 दिसंबर 2023), चेन्नई (22-27 दिसंबर) 2023), नोएडा (29 दिसंबर 2023 - 3 जनवरी 2024), मुंबई (5-10 जनवरी 2024), जयपुर (12-17 जनवरी 2024), हैदराबाद (19-24 जनवरी 2024), पटना (26-31 जनवरी 2024), दिल्ली (2-7 फरवरी 2024), कोलकाता (9-14 फरवरी 2024) और पंचकुला (16-21 फरवरी) शामिल है।

प्रो कबड्डी लीग का दसवां सीजन गुजरात जायंट्स और तेलुगु टाइटंस के बीच की प्रतिद्वंद्विता को नए सिरे से शुरू करने के साथ शुरू होगा। पवन सहरावत, फज़ल आतराचली, अजिंक्य पवार और नवीन कुमार जैसे शीर्ष सितारे शुरुआती सप्ताहांत में हाई-ऑक्टेन क्लैश के माध्यम से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं।

पीकेएल सीजन 10 के शेड्यूल के बारे में मशाल स्पोर्ट्स के प्रमुख स्पोर्ट्स लीग और प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, 'मशाल स्पोर्ट्स को प्रो कबड्डी सीजन 10 मैच शेड्यूल जारी करते हुए खुशी हो रही है। पिछले सीजन की तरह यह शेड्यूल पीकेएल प्रशंसकों की भावनाओं के साथ-साथ हमारे लीग के ऐतिहासिक दसवें सीजन के दौरान हाई क्वालिटी और रामांचक

प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के बारे में कई विचारों और सावधानीपूर्वक योजना का परिणाम है।

आजम खान बने कैदी नंबर 338 और नया पता बैरक नंबर 1, रामपुर जेल

रामपुर। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान अब रामपुर जेल की बैरक नंबर एक के कैदी नंबर 338 बन गए हैं। उनके साथ ही जेल में उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अबदुल्ला आजम भी बतौर कैदी मौजूद हैं। गौरतलब है कि फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने पत्नी व बच्चे समेत उन्हें 7-7 साल की सजा सुनाई है। जेल प्रशासन ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें कैदी नंबर भी आवंटित कर दिए थे। इससे संबंधित जानकारी दे रहे जिला जेल अधीक्षक प्रशांत मौर्य ने कहा कि यह बात सही है कि तीनों लोग हमारी जेल में निरुद्ध किए गए हैं। इनको जेल में सामान्य बंदियों की तरह ही रखा गया है।

अब ट्रेनों के साधारण कोच में भी शताब्दी जैसी बड़ी खिड़कियां लगाई

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपने यात्रियों की सुविधाओं के लिए नए एलएचबी कोच में खिड़कियों को बड़ा कर दिया है। यह इसलिए किया है ताकि लोगों का सफर और आनंदमय बनाया जा सके। हालांकि, बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि ऐसा किस लिए किया जा रहा है। बता दें कि पहले बड़ी कांच वाली विंडो केवल विस्टाडोम कोच में ही लगाई गई थीं। यह विंडो आपको वंदे भारत ट्रेनों में भी देखने को मिली होगी। अब इन्हें सामान्य कोच में भी लगा दिया गया है। ऐसा यात्रियों को पैनोरैमिक व्यू देने के लिए किया गया है। पैनोरैमिक व्यू भी आपको विस्टाडोम कोच में ही देखने को मिल रहा था। अगर आम भाषा में कहा जाए तो 160-175 डिग्री तक का व्यू दिखाने वाली खिड़की को पैनोरैमिक विंडो कहा जाता है जो छोटी खिड़कियों से संभव नहीं है। एलएचबी कोच में भी अब विंडो साइज 1100 एमएम कर दिया गया है। बता दें कि अब विस्टाडोम और एलएचबी कोच में बड़ी विडों के साथ स्क्रूलैस मॉड्यूलर इंटीरियर लगाया गया है। वहीं खिड़कियों पर पीवीबी फिल्म भी लगाई गई हैं। ट्रेन कोट में गर्मी कम हो तो हीट इंसुलेशन के लिए भी खास तरह की शीट का इस्तेमाल किया गया है। बता दें कि एक एलएचबी कोच में 2 फिक्स्ड विंडो, 4 इमरजेंसी ओपनेबल विंडो और हॉपर टाइप 3 विंडो होती हैं। लिंक हॉफमैन बुश जिन्हें आमतौर पर एलएचबी कोच कहा जाता है भारतीय रेलों में लगाए जा रहे नए तरह के कोच हैं। इसका नाम जर्मनी की कंपनी के नाम पर पड़ा है। इस कोच को सबसे पहले भारतीय रेलवे ने 2000 में इस्तेमाल किया था। पहले इन्हें जर्मनी से आयात किया जाता था लेकिन 2000 के बाद से इसे पंजाब के कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री में बनाया जाने लगा। इन कोच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे इंजन 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से खींच सकता है। यह काम पहले वाले कोच से नहीं हो सकता था।

वर्ष का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर को

नई दिल्ली। वर्ष 2023 का अंतिम चंद्रग्रहण 28-29 अक्टूबर की रात को शरद पूर्णिमा को लगेगा और यह भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 28 अक्टूबर की आधी रात को चंद्रमा उपछाया में प्रवेश करेगा और ग्रहण की अवधि 29 अक्टूबर के शुरुआती घंटे होगी। ग्रहण मध्यरात्रि के आसपास भारत के सभी भागों में दिखाई देगा। इसके साथ चंद्रग्रहण पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप, अफ्रीका, पूर्वी दक्षिण अमेरिका, उत्तर-पूर्वी अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर तथा दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्रों से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि भारत में दिखाई देने वाला अगला चंद्र ग्रहण सात सितंबर 2025 को होगा और यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। भारत में दिखाई देने वाला आखिरी चंद्रग्रहण आठ नवंबर, 2022 को था और यह पूर्ण ग्रहण था। चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर देर रात एक बजकर पांच मिनट से लेकर दो बजकर 24 मिनट तक यानि यह एक घंटा 19 मिनट का रहेगा। अट्ठाइस अक्टूबर को शाम में चार बजकर पांच मिनट पर चंद्रोदय हो जाएगा। इस ग्रहण में चंद्रबिम्ब दक्षिण की तरफ से ग्रस्त होगा। गौरतलब है कि चंद्रग्रहण पूर्णिमा को लगता है क्योंकि इस दिन पृथ्वी, सूर्य एवं चंद्रमा के बीच आ जाती है तथा ये तीनों एक सीधी रेखा में अवस्थित हो जाते हैं। पूर्ण चंद्रग्रहण तब होता है, जब पूरा चंद्रमा पृथ्वी की छाया से आवृत हो जाता है तथा आंशिक चंद्र ग्रहण होता है।

निठारी हत्याकांड का आरोपी मोनिंदर पंढेर जेल से रिहा

नोएडा। निठारी हत्याकांड के आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर को शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल से रिहा कर दिया गया। इस मामले में पंढेर को तीन दिन पहले उच्च न्यायालय ने बरी किया था। जेल से रिहा होने के बाद 65 वर्षीय कारोबारी पंढेर एक गाड़ी में बैठा और बिना किसी से बात किए चला गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को पंढेर और उसके घरेलू सहायक सुरेंद्र

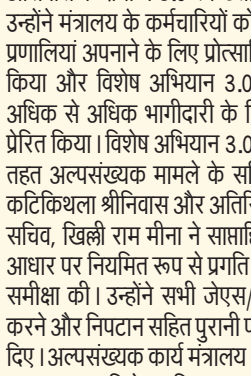

कोली को 2006 के सनसनीखेज मामले में यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष 'संदेह से परे' अपराध साबित करने में विफल रहा और इससे जांच में 'गड़बड़' हुई। इससे पहले, दिन में लुक्सर जेल अधीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने बताया था, 'आज हमें अदालत से दूसरा आदेश (पंढेर की रिहाई से संबंधित) प्राप्त हुआ है। उचित औपचारिकताओं के बाद दोपहर तक उसे रिहा कर दिया जाएगा।' मुख्य आरोपी कोली अभी भी गाजियाबाद के डासना जेल में बंद है। वह 14 वर्षीय लड़की की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काटेगा। पंढेर और कोली पर बलात्कार तथा हत्या के आरोप लगाए थे। नोएडा के निठारी में हुई हत्याओं में दोनों को मौत की सजा सुनाई गयी थी। यौन उत्पीड़न, क्रूर हत्या और संभावित नरभक्षण के संकेतों वाले निठारी हत्याकांड ने पूरे देश हैरान कर दिया था। यह सनसनीखेज मामला उस समय प्रकाश में आया था जब 29 दिसंबर, 2006 को राष्ट्रीय राजधानी से सटे नोएडा के निठारी में पंढेर के मकान के पीछे ड्रेन में कुछ कंकाल पाए गए। कोली पंढेर का नौकर था। पंढेर के मकान के आसपास के क्षेत्र में ड्रेन में तलाशी के बाद और कंकाल पाए गए। इनमें से ज्यादातर कंकाल गरीब बच्चों और युवतियों के थे जो उस इलाके से लापता थे। दस दिनों के भीतर सीबीआई ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली और उसे खोज के दौरान और अस्थियां मिली थीं।

स्मृति ईरानी ने अल्पसंख्यक मंत्रालय व आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने यहां पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स में मंत्रालय और इसके आसपास के क्षेत्रों में 3.0 स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इसके माध्यम से उन्होंने मंत्रालय के कर्मचारियों को दैनिक जीवन में स्वच्छता की सर्वोत्तम कार्य प्रणालियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और विशेष अभियान 3.0 में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया। विशेष अभियान 3.0 के तहत अल्पसंख्यक मामले के सचिव कटिकिथला श्रीनिवास और अतिरिक्त सचिव, खिल्ली राम मीना ने साप्ताहिक आधार पर नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जेएस/डीडीजी को लंबित सिफारिशों का निपटान करने और निपटान सहित पुरानी फाइलों और दस्तावेज रिकॉर्ड हटाने के निर्देश दिए। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और इसके नियंत्रण वाले संगठनों में 2 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान 3.0 के तहत चले अभियान में चिह्नित सभी चार स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया है। स्क्रैप और अपशिष्ट सामग्री के निपटान द्वारा 1400 वर्ग फुट जगह खाली की गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के नियंत्रण में काम करने वाले संगठन व अधीनस्थ कार्यालय के विशेष अभियान 3.0 में दरगाह ख्वाजा साहब अजमेर, राजस्थान, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम, सेंट्रल वक्फ काउंसिल और हज कमेटी ऑफ इंडिया ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

मेरठ से दिल्ली 45 मिनट में, मोदी है तो मुमकिन है : योगी

गाजियाबाद(एजेंसी)। देश में चहुंमुखी विकास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली से मेरठ के बीच साढ़े चार घंटे की दूरी अब रैपिड ट्रेन के जरिये मात्र 45 मिनट में तय की जा सकेगी। 'मोदी है तो मुमकिन है' की तर्ज पर आज यह सपना साकार हो रहा है।

देश के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) और रैपिडएक्स ट्रेन 'नमो भारत' के शुभारंभ के अवसर पर श्री योगी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुये कहा, 'यह ट्रेन दिल्ली से मेरठ की दूरी को कम कर देगी। इससे पहले मेरठ को 12 लेन के एक्सप्रेस हाईवे के साथ भी जोड़ा जा चुका था, जो दूरी साढ़े पहले चार घंटे में तय की जाती थी वह आज मात्र 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। यही स्थिति रैपिड रेल के प्रारंभ होने से भी होगी। यह कभी एक सपना था, लेकिन आज मोदी है तो मुमकिन है की तर्ज पर यह सपना साकार हो रहा है। पूरा देश और उत्तर प्रदेश इस सपने को साकार होता देख रहा है।'

इस अवसर पर श्री योगी ने प्रधानमंत्री को अंग वस्त्र एवं मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट कर उनका सम्मान भी किया। उन्होंने कहा, 'श्री मोदी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य एक नए इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्शन कर रहा है। ये डबल इंजन सरकार के ही प्रयास हैं कि उत्तर प्रदेश के पांच शहर ऐसे हैं जहां अत्याधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था के रूप में मेट्रो रेल का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है और फरवरी में आपके ही कर कमलों से आगरा में भी मेट्रो रेल का संचालन प्रायोरिटी सेक्शन में प्रारंभ होगा। यही नहीं, वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के धाम और देश की सबसे प्राचीन अविनाशी काशी में भी उसकी पुरातन काया को नए कलेवर में बदलते हुए देश की पहली रोपवे सर्विस का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।'

उन्होंने कहा, ÷यह एक नया इंफ्रास्ट्रक्चर, चाहे वो हाईवे के रूप में हो, एक्सप्रेस हाईवे के रूप में, ईस्टर्न एंड वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रूप में और लॉजिस्टिक हब के रूप में स्थापित करने के जो प्रयास प्रारंभ हुए हैं आज उसके चमत्कारिक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। ये उसी का परिणाम है कि देश ने अपनी आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में इस अत्याधुनिक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में बढ़ते हुए देखा है।÷ इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय मंत्री रि.जनरल वीके सिंह, कौशल किशोर, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप, सांसद राजेंद्र अग्रवाल, सतपाल सिंह, अनिल अग्रवाल, डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेई, विजय पाल सिंह तोमर, कांता करदम, महापौर सुनीता दयाल, अध्यक्ष जिला पंचायत ममता त्यागी समेत विधायकगण और वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बेंगलुरू से जुड़े कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया उपस्थित रहे।

मोइत्रा का बड़ा आरोप : हस्ताक्षर करवाने पीएमओं ने तानी थी बंदूक

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों का सामना कर रहीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पीएमओ पर गंभीर आरोप लगाकर सनसनी फैला दी है। उनके आरोप में कितनी सच्चाई है ये तो मोइत्रा ही जानती होंगी,लेकिन इस तरह का गंभीर आरोप शायद ही देश के इतिहास में कभी पीएमओ पर किसी ने लगाया हो। मोइत्रा ने प्रधानमंत्री कार्यालय पर बिजनमैन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। महुआ ने हीरानंदानी के हलफनामे की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हलफनामा कागज के एक सफेद टुकड़े पर है, जिसमें कोई लेटरहेड नहीं है। मोइत्रा ने आरोप लगाया, पीएमओ ने दर्शन हीरानंदानी और उनके पिता के सिर पर बंदूक तान दी और उन्हें भेजे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए 20 मिनट का समय दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें उनके सभी कारोबार पूरी तरह से बंद करने की धमकी दी गई।

महुआ मोइत्रा ने आगे आरोप लगाया, बीजेपी सरकार बेसब्री से इंतजार कर रही है कि किसी तरह अडानी मुद्दे पर मेरा मुंह बंद कर दिया जाए। यह स्पष्ट रूप से पीएमओ में कुछ आधे-अधूरे लोगों द्वारा तैयार किया गया है, जो भाजपा के आईटी सेल में एक रचनात्मक लेखक के रूप में काम करते हैं। महुआ ने कहा कि यदि दर्शन हीरानंदानी के पास गंभीर आरोप और इसकी स्वीकारोक्ति थी तो उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की होती। इसके चैनल को लीक नहीं किया जाता। उन्होंने पूछा, दर्शन हीरानंदानी को अभी तक सीबीआई या एथिक्स कमेटी या वास्तव में किसी भी जांच एजेंसी ने तलब नहीं किया है। फिर उन्होंने यह हलफनामा किसे दिया है?

राजस्थान नहर परियोजना के बहाने मोदी सरकार को घेर रही कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के चुनावी संग्राम में राजनैतिक दलों ने एक दूसरे पर हमले तेज कर दिए हैं। यहां कांग्रेस सत्ता में है और अपनी उपलब्धियों की दम पर सत्ता में वापसी के प्रयास कर रही है। जबकि भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि का राजस्थान उपयोग नहीं कर पा रहा है और जनहित को नजअंदाज किया जा रहा है। ऐसे ही आरोप प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यानी ईआरसीपी का मुद्दा उछाल दिया है। इसी परियोजना को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा केंद्र की भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) की घोषणा का वादा किया था। यह एक राष्ट्रीय परियोजना है, लेकिन वादे को नजरअंदाज कर दिया, इससे लोग नाराज हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, राजस्थान के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा, तब से राज्य सरकार बार-बार प्रस्ताव भेजती रही, (मुख्यमंत्री) अशोक गहलोत ने उन्हें एक दर्जन पत्र लिखे, लेकिन केंद्र सरकार राजस्थान के लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज करती रही। राजस्थान के लोगों में इस वादाखिलाफी को लेकर गुस्सा है।

इससे पहले 16 अक्टूबर को, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी राज्य की राजधानी से लगभग 320 किलोमीटर दूर बारां जिले में ईआरसीपी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि कि प्रधानमंत्री ने अपनी रैलियों के दौरान दो स्थानों पर इसका उल्लेख करते हुए इस परियोजना में सहायता देने का वादा किया था। खड़गे ने कहा था, लेकिन अब वह इसके बारे में भूल गए हैं। किसी को नहीं पता कि सहायता का क्या हुआ। लेकिन कांग्रेस इसे 25 हजार करोड़ रुपये के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा, इस राज्य से केंद्रीय मंत्री हैं और राजस्थान से 25 सांसद हैं, लेकिन किसी ने भी ईआरसीपी परियोजना के लिए कोई मांग नहीं उठाई है। इसलिए राजस्थान को न तो धन मिला और न ही पानी।

राजस्थान के 13 जिलों पर नजर

दरअसल ईसीआरपी परियोजना से राजस्थान के 13 जिलों को बड़ा लाभ होने वाला है। इस परियोजना से दो लाख हेक्टेयर जमीन में सिंचाई होगी और बड़ी संख्या में लोगों का पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा।

कांग्रेस ईआरसीपी पीने योग्य और सिंचाई के पानी को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग कर रही है। कांग्रेस ने ईसीआरपी को एक चुनावी मुद्दा बना दिया है, क्योंकि इससे अजमेर, अलवर, भरतपुर, बारां, बूंदी, धौलपुर, दौसा, झालावाड़, जयपुर, कोटा, करौली, सवाई माधोपुर और टोंक जिलों की 83 विधानसभा सीटों पर असर पड़ने की संभावना है।

तेलंगाना दौरे पर राहुल गांधी ने बनाया डोसा, बच्चों को बांटी चॉकलेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद (ईएमएस)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना के जगतियाल जिले में सड़क किनारे एक भोजनालय में डोसा बनाया। कांग्रेस सांसद विजयभेरी यात्रा के तहत करीमनगर से जगतियाल के लिए रवाना हुए। वह रास्ते में नुकापल्ली बस स्टैंड पर रुककर एक भोजनालय में गए, जहां उन्होंने डोसा बना रहे व्यक्ति से बातचीत की। उन्होंने डोसा बनाने के बारे में पूछा और फिर डोसा बनाया। राहुल को डोसा बनाते देख लोग हैरान रह गए। कांग्रेस नेता ने राहगीरों से बातचीत कर बच्चों को चॉकलेट भी बांटी। राहुल गांधी तीसरे दिन भी तेलंगाना में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। करीमनगर में रात्रि विश्राम के बाद वह शुक्रवार सुबह जगतियाल के लिए रवाना हुए।

लैंगिक असमानता दूर करने की प्रतिबद्धता दोहरायी मांडविया ने

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने देश में लैंगिक असमानता समाप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के संभावित दुरुपयोग पर पक्षों को सजग रहना चाहिए जो लिंग असंतुलन बढ़ा सकते हैं। मांडविया ने यहां केंद्रीय पर्यवेक्षी बोर्ड (सीएसबी) की 29वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (दुरुपयोग का विनियमन और रोकथाम) अधिनियम, 1994 (पीसी और पीएनडीटी अधिनियम) के अंतर्गत केंद्र सरकार को लिंग निर्धारण तथा चयन के लिए चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से निपटने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीएसबी सदस्य अधिनियम को लागू करने और देश में बालिकाओं के लिए एक उचित वातावरण बनाना प्रयास करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस अधिनियम का प्रयोग किसी को भी निर्दोष चिकित्सकों को परेशान करने के लिए नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता की दिशा प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। आंकडों के अनुसार लैंगिक अनुपात में वर्ष 2017-19 में 904 से वर्ष 2018-20 में 907 तक तीन अंकों का सुधार हुआ है। इसके अलावा 22 राज्यों में से 12 राज्यों ने पीसी और पीएनडीटी अधिनियम और बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान में सुधार का प्रदर्शन किया है। श्री मांडविया ने कहा कि आईवीएफ प्रक्रियाओं, नॉन-इन्वेसिव प्रीनेटल टेस्ट (एनआईपीटी) और कॉम्पैक्ट डायग्नोस्टिक उपकरण जैसी आधुनिक तकनीकों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने पर जोर दिया। ये सभी परीक्षण लिंग चयन की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रौद्योगिकियों का दुरुपयोग किया जा सकता है और लिंग असंतुलन को बढ़ाया सकता है।

एनसीसीएफ को 50 हजार करोड़ रु. के टर्नओवर का रखना चाहिए लक्ष्य: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) को वर्ष 2027-28 तक 50 हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एनसीसीएफ के निदेशक मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसीएफ को देश भर की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) और अन्य सहकारी संस्थाओं को अपना सदस्य बनाने पर जोर देना चाहिए। जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि एनसीसीएफ की अंश पूंजी में सहकारिता का अनुपात अपेक्षाकृत अधिक हो। शाह ने कहा कि एनसीसीएफ को आत्मनिर्भर सहकारी संस्था बनने के लिए अगले 10 वर्ष का एक रोडमैप बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे क्रियान्वित करने में सहकारिता मंत्रालय अपना पूर्ण सहयोग दे सकता है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने एनसीसीएफ द्वारा अपनी सहयोगी कंपनियों के साथ इथेनॉल के उत्पादन के लिए गुजरात, बिहार और अन्य राज्यों के किसानों से मक्के की खरीदारी

सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। मंत्री ने कहा कि अगर एनसीसीएफ और नेफेड चाहे तो सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) से डिजिटल प्लेटफार्म पर अपना एक कॉमन ऐप तैयार करवा सकते हैं और इस कॉमन ऐप के माध्यम से सामंजस्य स्थापित कर मक्के की खरीदारी की जा सकती हैं। शाह ने एनसीसीएफ द्वारा किसानों से दलहन की खरीदारी कर निर्यात के अवसर तलाशने और इस खरीद को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने एग्रेसिव एक्सटेंशन और मार्केटिंग अपनाने, किसानों को पूर्व में आश्वासन देकर खरीद करने व कॉमन कलेक्शन सेंटर बनाए जाने पर भी ज़ोर दिया। अमित शाह ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि एनसीसीएफ प्याज एवं दालों की खरीद के लिए पैक्स के साथ संबद्ध हो सकता है, ताकि सहकारिता के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी भंडारण योजना के तहत इसके भंडारण की व्यवस्था बनाई जा सके।

दिल्ली सरकार ने केंद्र से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के साथ शुक्रवार को आयोजित राज्यों की संयुक्त बैठक में दिल्ली सरकार ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखे जलाने और डीजल बसों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के पर्यावरण मंत्रियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान दिल्ली सरकार ने पूरे एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कई उपाय सुझाए। इससे पहले, राय ने केंद्र से सर्दियों के दौरान प्रदूषण से निपटने के लिए सहयोगात्मक रूप से एक कार्य योजना विकसित करने के लिए सभी एनसीआर राज्यों की एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। यादव को लिखे पत्र में राय ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन ये कदम तब तक प्रभावी नहीं होंगे जब तक कि हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के स्त्रोतों पर ध्यान नहीं देते। स्वतंत्र पर्यावरण विचारक संस्था 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में 31 फीसदी वायु प्रदूषण राष्ट्रीय राजधानी के स्त्रोतों से उत्पन्न होता है, जबकि 69 फीसदी एनसीआर राज्यों के स्त्रोतों से उत्पन्न होता है। राय ने इस बात पर जोर दिया कि एनसीआर राज्यों को पूरे क्षेत्र में पटाखों और पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए और केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को चलने की अनुमति देनी चाहिए। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए जनता का समर्थन मांगने के लिए शुक्रवार को एक दौड़ का आयोजन किया। राय ने कहा कि

दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने 'रन अगेंस्ट पॉल्यूशन' कार्यक्रम में भाग लिया और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, ट्रैफिक सिग्नल लाल होने पर वाहन के इंजन बंद करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। सरकार शहर में वाहन प्रदूषण से निपटने के लिए 'रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ' अभियान फिर से शुरू करने की योजना बना रही है।

गोलीबारी में हमलावर समेत 4 लोगों की मौत, एक घायल : पुलिस

वाशिंगटन । मध्य वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को 19 वर्षीय एक हमलावर ने गोली मार कर तीन लोगों को हत्या कर खुदकुशी कर ली। टॉपेनिश पुलिस प्रमुख जॉन क्लेरी ने एक बयान में बताया कि एक व्यक्ति ने तड़के पांच बजे यहां एक मकान में 13 वर्षीय एक किशोर और 18 एवं 21 वर्षीय दो युवतियों की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावर ने 21 वर्षीय एक अन्य युवक को भी गोली मारी। युवक अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर है। इस अपराध के पीछे की मंशा का अभी पता नहीं चल पाया है। टॉपेनिश पुलिस विभाग क्षेत्रीय कानून अधिकारियों भागीदारों के सहयोग से इस घटना की गहन जांच करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

ईरान के स्कूलों में अंग्रेजी, अरबी या दूसरी कोई विदेशी भाषा को पढ़ने पर रोक

तेहरान । ईरान में छात्रों को अब अंग्रेजी, अरबी या दूसरी कोई विदेशी भाषा नहीं पढ़ाई जाएगी। ईरानी शिक्षा मंत्रालय ने किंडरगार्टन और प्राइमरी स्कूल में सभी विदेशी भाषाओं के पढ़ाने पर तत्काल प्रभाव से बैन लगाया है। ईरानी छात्रों के इंटरनेशनल स्कूलों में पढ़ने पर बैन के बाद वहां की सरकार का यह दूसरा बड़ा फैसला है। रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी मसूद तेहरानी-फरजाद ने कहा, किंडरगार्टन, नर्सरी स्कूलों और प्राइमरी स्कूलों में दूसरे देशों की कोई भी भाषा नहीं पढ़ाई जाएगी, क्योंकि इस उम्र में बच्चे की ईरानी पहचान बन रही होती है। उन्होंने कहा कि विदेशी भाषाओं के पढ़ाए जाने पर प्रतिबंध न केवल अंग्रेजी, बल्कि अरबी सहित अन्य भाषाओं पर भी लागू होगा। इस्लामिक रिपब्लिक ने 2018 में ही प्राथमिक स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया था, हालांकि यह माध्यमिक स्कूल से पढ़ाई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में, सरकार ने ईरानी या दोहरे राष्ट्रीय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया, यह कहते हुए कि ईरानी बच्चों पर देश के स्कूल पाठ्यक्रम का पालन करने का दायित्व है। इस फैसले के बाद तेहरान में फ्रांसीसी और जर्मन संस्थानों सहित कुछ इंटरनेशनल स्कूलों में छात्रों की संख्या में अचानक गिरावट भी आई है। दरअसल, फारसी, ईरान की एकमात्र आधिकारिक भाषा है, जो अरबी से काफी प्रभावित है, लेकिन फ्रेंच और अंग्रेजी से भी उधार ली गई है। जून 2022 में, ईरान के शिक्षा मंत्रालय ने अंग्रेजी भाषा के एकाधिकार को खत्म करने करने के लिए देश भर के स्कूलों में फ्रेंच पढ़ाने का परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना बनाई थी।

डाबर इंडिया के प्रोडक्ट्स से कैंसर का दावा

वॉशिंगटन । डाबर इंडिया की 3 सहायक कंपनियों नमस्ते लेबोरेटरीज एलएलसी, डर्मोविवा स्किन एसेंशियल्स इंक और डाबर इंटरनेशनल लिमिटेड के खिलाफ अमेरिका और कनाडा में कई केस दर्ज किए गए हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि इनके हेयर रिलैक्सर प्रोडक्ट्स से कैंसर जैसी बीमारियां हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डाबर इंडिया की सहयोगी कंपनियों समेत अन्य कंपनियों के खिलाफ इलिनोइस में अमेरिकी फेडरल कोर्ट में करीब 5,400 केस दर्ज किए गए हैं। अमेरिकी उपभोक्ताओं ने डाबर की सहयोगी कंपनियों पर आरोप लगाया है कि इनके हेयर रिलैक्सर उत्पादों में कई तरह के रसायन होते हैं, इनके इस्तेमाल से गर्भाशय का कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

डाबर इंडिया ने मामले पर दी सफाई

डाबर इंडिया ने कहा कि अमेरिकी फेडरल कोर्ट में अभी शुरुआती चरण में हैं और इस चरण में कुछ नहीं कहा जा सकता है। कंपनी ने कहा कि उसके खिलाफ सभी आरोप अप्रमाणित हैं, जो एक बेबुनियाद और अधूरी स्टडी के आधार पर लगाए गए हैं। उसने आगे कहा कि उसकी सहयोगी कंपनियों ने कुछ भी गलत नहीं किया है और कोर्ट में अपना बचाव करने के लिए उन्होंने भी वकीलों को नियुक्त किया है।

गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने वाले भारतीय-कनाडाई व्यक्ति को पूर्ण पैरोल मिली

टोरंटो। 2006 में अपनी चार महीने की गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने और उसके शरीर को जलाने के आरोपी 51 वर्षीय भारतीय मूल के पूर्व हाई स्कूल शिक्षक को कनाडा में पूर्ण पैरोल दे दी है। सीबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश कोलंबिया में अपने सरे स्थित घर में मंजीत की हत्या के लिए मुख्तियार सिंह पंघाली को 2011 में 15 साल की आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अक्टूबर 2006 में उसके पति द्वारा लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने के पांच दिन बाद पुलिस को 31 वर्षीय मंजीत का जला हुआ शव डेल्टा में रॉबर्ट्स बैंक के पास एक समुद्र तट पर मिला था। पंघाली को पहली बार 2007 में गिरफ्तार किया गया था और वह 2012 में सेकेंड डिग्री हत्या के लिए अपनी आजीवन कारावास की सजा के संबंध में अपील हार गया था। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को पिछले साल एक दिन की पैरोल दी गई थी और 2021 में जेल से बिना सुरक्षा के अस्थायी अनुपस्थिति की अनुमति दी गई थी. कनाडा के पैरोल बोर्ड ने इस महीने पंघाली को पूर्ण पैरोल देते हुए उम्मीद जताई कि वह समाज के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा और उसकी रिहाई से बड़े पैमाने पर समाज में उसके पुन- एकीकरण को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। रिहाई पर शर्तें जोड़ते हुए बोर्ड ने पंघाली को शराब से परहेज करने और महिलाओं के साथ सभी यौन और गैर-यौन संबंधों की जानकारी अपने पैरोल अधिकारी को देने को कहा। उन्हें मंजीत के परिवार से संपर्क न करने के लिए भी कहा गया है, जिसमें उनकी बेटी भी शामिल है, जो अपनी मां की मृत्यु के समय चार साल की थी। 2014 में ब्रिटिश कोलंबिया में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने दंपति की बेटी माया पंघाली के लिए 6,00,000 डॉलर से अधिक दिए थे। माया का पालन-पोषण अब मंजीत की बहन कर रही हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक वार्ता के लिए मिस्र जाएंगे

लंदन, । इजराइल-गाजा संघर्ष के पश्चिम एशिया के दूसरे हिस्सों में प्रसार को रोकने के उद्देश्य से वार्ता के लिये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शुक्रवार को मिस्र की यात्रा करेंगे। सऊदी अरब में बृहस्पतिवार को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ 卐सार्थक卐 चर्चा के बाद मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ उनकी बातचीत होगी। बैठक के बाद सुनक ने ट्वीट किया था, 卐युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ मेरी एक महत्वपूर्ण और सार्थक बैठक हुई। हम क्षेत्र में आगे तनाव और बढ़ने से रोकने, गाजा में महत्वपूर्ण मानवीय सहायता प्रदान करने और वर्तमान और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य दोनों में स्थिरता का समर्थन करने के लिए समन्वित कार्रवाई पर सहमत हैं।'

इजरायली हमले को लेकर सऊदी अरब का पहला बयान, 1967 की सीमाओं के साथ फिलिस्तीनी की स्थापना का किया आह्वान

वाशिंगटन (एजेंसी)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने 1967 की सीमाओं के साथ एक फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का आह्वान किया है। मोहम्मद बिन सलमान ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के संयुक्त शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। चल रहे इज़राइल-हमास युद्ध के बारे में बात करते हुए मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि हमारी मुलाकात के समय गाजा में जो कुछ भी देखा जा रहा है, उससे हमें दुख हो रहा है, बढ़ती हिंसा से जिसकी कीमत निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने नागरिकों को निशाना बनाने को खारिज कर दिया, और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने के महत्व पर जोर दिया, साथ ही ÷नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियानों को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया जो उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करते हैं। एमबीएस ने शुक्रवार को कहा, ÷स्थिरता की वापसी और स्थायी शांति की उपलब्धि के लिए स्थितियां बनाई जानी चाहिए जो सभी के लिए सुरक्षा और समृद्धि हासिल करने के लिए 1967 की सीमाओं के भीतर एक फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए उचित समाधान सुनिश्चित करेगी।

विशेष रूप से हमास के 2017 के नीति दस्तावेज़ में 1967 के छह दिवसीय युद्ध में इज़राइल के कब्जे वाले क्षेत्रों में फिलिस्तीनी राज्य के विचार को स्वीकार करने की संभावना का सुझाव दिया गया था। इज़राइल ने बार-बार इस मांग को खारिज कर दिया है, प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया है कि इज़राइल अपनी 1967 की सीमाओं से कभी पीछे नहीं हटेगा।

इजराइल ने तुर्की से अपने सभी राजनयिक कर्मियों को वापस बुलाया

अंकारा । इजरायल ने संघर्ष की पृष्ठभूमि में सुरक्षा कारणों से तुर्की से अपने सभी राजनयिक कर्मियों को वापस बुलाया है। नाम न छापने की शर्त पर राजनयिक सूत्रों के हवाले से कह गया हैं, सुरक्षा कारणों से तुर्की में राजनयिक मिशनों से सभी इजरायली कर्मियों को वापस बुला लिया गया है। इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने तुर्की में इजरायली नागरिकों के लिए एक यात्रा सलाह जारी की, उनसे जितनी जल्दी हो सके वहां से निकलने का आग्रह किया। गाजा अस्पताल में हुए विस्फोट से भारी क्षति हुई थी, इसके बाद पूरे तुर्की में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए, इस्तांबुल और राजधानी अंकारा दोनों में इजरायली राजनयिक मिशनों के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने खुलासा किया कि गाजा पट्टी के अल-अहली अरबी बैपटिस्ट अस्पताल में हुए विस्फोट में 471 फिलिस्तीनी मारे गए। हमास ने कहा कि इजराइल ने अस्पताल पर हवाई हमला किया, जबकि इजराइल ने कहा कि फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) के एक असफल रॉकेट प्रक्षेपण के कारण विस्फोट हुआ।

हमास-इजराइल-आक्रमण : गाजा पर रातभर गरजीं मिसाइलें, आतंकी संगठन के 100 ठिकाने नष्ट

तेल अवीव/वाशिंगटन, 20 अक्टूबर (वेब वार्ता)। फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को किए गए भीषण आक्रमण के बाद गाजा पट्टी में घमासान मचा हुआ है। इजराइली सुरक्षा बलों ने गुरुवार सारी रात हमास के ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। हमास के 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाकर उसके हथियारबंद आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। इस बीच हमास के हमले में मारे गए आठ थाई नागरिकों के शव बैंकॉक पहुंच गए हैं। इस युद्ध में हमास के समर्थन में हिजबुल्लाह के बाद अब यमन का हूथी भी कूद गया है।

हमास को कुचलने के बाद गाजा पट्टी पर कंट्रोल पाने का हमारा कोई प्लान नहीं- इजरायल के रक्षा मंत्री

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने शुक्रवार को कहा कि हमास को नष्ट करने के बाद गाजा में जनजीवन को नियंत्रित करने की उसकी कोई योजना नहीं है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट की सांसदों की टिप्पणी पहली बार थी जब किसी इजरायली नेता ने गाजा के लिए अपनी दीर्घकालिक योजनाओं पर चर्चा की। गैलेंट ने कहा कि इज़राइल को उम्मीद है कि हमास के साथ उसके युद्ध के तीन चरण होंगे। उन्होंने कहा कि यह पहले हवाई हमलों और जमीनी युद्धाभ्यास के साथ गाजा में समूह पर हमला करेगा, फिर यह प्रतिरोध के क्षेत्रों को हरा देगा और अंत में यह गाजा पट्टी में जीवन के लिए अपनी जिम्मेदारी समाप्त कर देगा।

योव गैलेंट ने बलों से आगे बढ़ने के आदेश के लिए संगठित होने, तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अब गाजा को अंदर से देखेंगे, मेरा वादा है तुमसे। हमास उग्रवादियों द्वारा 7 अक्टूबर को सीमा पार किए गए खूनी नरसंहार के बाद इजराइल ने सीमा पर हजारों सैनिकों को तैनात कर दिया है।

लगभग दो सप्ताह पहले दक्षिणी इज़राइल में हमास द्वारा किए गए विनाशकारी तांडव के प्रतिशोध में इज़राइली सेना ने गाजा पर लगातार हमला किया है। इज़रायल द्वारा फ़िलिस्तीनियों को गाजा के उत्तर को खाली करने और दक्षिण में शरण लेने के लिए कहने के बाद भी, पूरे क्षेत्र में हमले बढ़े और फ़िलिस्तीनी आतंकवादियों ने इज़रायल में रॉकेट दागना जारी रखा इज़रायली हवाई हमलों ने गाजा पट्टी के कई स्थानों पर हमला किया, जिसमें दक्षिण के कुछ हिस्से भी शामिल थे, जिन्हें इज़रायल ने सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया था, जिससे इस क्षेत्र में फंसे 2 मिलियन से अधिक फिलिस्तीनियों के बीच भय बढ़ गया, जो कहीं भी सुरक्षित नहीं थे।

इजराइल हमले के दौरान नशे में थे हमास के आतंकवादी, भूख को नियंत्रित रखने वाली गोलियां जेब से मिली

7 अक्टूबर को इज़राइल पर एक अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक हमले को हमास के चरमपंथियों की तरफ से अंजाम दिया गया। इस हमले में 1,400 से अधिक इज़राइली मारे गए। अब दावा किया गया है कि हमास के आतंकी कथित तौर पर एक साइकोएक्टिव ड्रग्स के प्रभाव में थे। द जेरूसलम पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादी एक सिंथेटिक एम्फ़ैटेमिन-प्रकार के उत्तेजक कैप्टागन के प्रभाव में थे। जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल में मारे गए कई हमास आतंकवादियों की जेब से कैप्टागन गोलियां बरामद की गईं। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि यह दवा, जिसे 'गरीबों के लिए कोकीन' के रूप में भी जाना जाता है। इसने हमास के आतंकवादियों को शांति और उदासीनता की भावना के साथ अपराध करने की अनुमति दी। इसके अलावा, दवा ने उन्हें लंबे समय तक बेहद सतर्क रखा और उनकी भूख को नियंत्रित रखा।

नवाज की वतन वापसी कल

करांची (एजेंसी)। काफी लंबे समय के बाद एक बार फिर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ चर्चा में हैं। पाकिस्तान की सक्रिय राजनीति से गायब रहे शरीफ की वतन वापसी हो रही है, इसलिए एक बार फिर वो चर्चाओं में आ गए हैं। चार साल बाद वो 21 अक्टूबर को वतन वापसी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले माह ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज़ के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने उनके वतन लौटने वाली खबरों की पुष्टि की थी। नवाज़ शरीफ 2019 से लंदन में इलाज़ करवा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्हें अल अजीजिया और एवनफील्ड भ्रष्टाचार मामलों में एक अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। इस बीच उनकी वतन वापसी को लेकर पार्टी ने अपने नेता की वापसी पर जनता से संपर्क साधो अभियान चलाया हुआ है। पार्टी ने उनके समर्थन में रैलियां और गली-चौराहे, नुक्कड़ों पर सभाएं की हैं। कहा गया है कि जनता नवाज़ शरीफ़ के स्वागत में जलसे के लिए मिनार-ए-पाकिस्तान पर एकत्रित हों। यहां एक सभा को नवाज़ शरीफ़ संबोधित भी करेंगे। नवाज की वतन वापसी पर कोई अड़चन न आए इसलिए इस्लामाबाद हाई कोर्ट से अग्रीम जमानत ले ली गई है। दायर याचिका में कहा गया था कि नवाज को कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने की अनुमति दी जाए। वैसे विश्लेषक नवाज की वतन वापसी को खतरे से खेलना जैसा बता रहे हैं। अब वक्त तय करेगा कि नवाज अब अगली सियासी पारी खेलेंगे या कानूनी दांव पेंच में उलझ कर रह जाएंगे।

बाइडेन ने कहा- हमास को बर्दाश्त नहीं करेंगे और फिलिस्तीन की मदद में कसर नहीं छोड़ेंगे

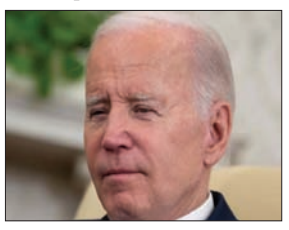

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन तेल अवीव का दौरा कर अपना रुख साफ कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका फिलिस्तीन की मानवीय सहायता करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा,जहां जैसी मदद होगी हम करेंगे,लेकिन इसमें हमास ने किसी भी तरह की गड़बड़ी की तो उसे सहन नहीं करेंगे। बाइडेन ने तेल सात घंटे की यात्रा के दौरान युद्धग्रस्त फिलिस्तीन के लिए बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता देने की घोषणा की, जिसे एक मानवीय सफलता के रूप में देखा गया। लेकिन फिलिस्तीनियों तक सहायता पहुंचने में बाधाएं बनी हुई हैं। वह सहायता की मात्रा की घोषणा करने और सदन की मंजूरी लेने के लिए कांग्रेस को संबोधित करेंगे। बाइडेन ने तेल अवीव से लौटते समय एयर-फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा कि सड़क पर गड्ढों और इजरायली हवाई हमलों से हुए नुकसान की मरम्मत हो जाने के बाद मिस्र से सहायता के 20 ट्रकों को गाजा में घिरे क्षेत्र में जाने की अनुमति दी जाएगी। खबरों के मुताबिक राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि मिस्र राफा सीमा से गाजा में सहायता के साथ 20 ट्रकों को प्रवेश की अनुमति देगा। मिस्र के अल-अरिश शहर में 100 से अधिक सहायता ट्रक गाजा में प्रवेश के लिए हरी झंडी का इंतजार कर रहे थे।लेकिन सीमा के दूसरी ओर, फ़िलिस्तीनियों ने कहा कि उन्हें यह समझने में कठिनाई हो रही है कि शुरुआती डिलीवरी इतनी छोटी क्यों होगी - या वे वास्तव में लोगों तक कैसे पहुंचेंगी।

कनाडा ने भारत से 41 राजनयिक हटाए, भारत पर आरोप लगाये

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा ने भारत में तैनात अपने 41 राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है और दोनों देशों के बीच खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या को लेकर बनी स्थिति पर अफसोस जताते हुए यह भी कहा है कि भारत का निर्णय कनाडा का ध्यान हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की वैध जांच से नहीं भटकाएगा। कनाडा के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार देर रात एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में कनाडा ने भारत की कार्रवाई को अनुचित, तनाव बढ़ाने वाली और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया है। कनाडा ने यह भी कहा है कि वह प्रतिशोध में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं करेगा। बयान में कहा गया, 'कनाडा ने पुष्टि की है कि भारत ने 20 अक्टूबर तक नयी दिल्ली में 21 कनाडाई राजनयिकों और उनके आश्रितों को छोड़कर सभी के लिए एकतरफा प्रतिरक्षा हटाने की अपनी योजना को औपचारिक रूप से सूचित किया था। इसका मतलब है कि 41 कनाडाई राजनयिकों और उनके 42 आश्रितों की प्रतिरक्षा छीन लिए जाने का खतरा था। बयान में कहा गया, 'इन कनाडाई राजनयिकों और उनके परिवारों पर भारत की कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सुरक्षा निहितार्थ को देखते हुए, कनाडा ने भारत से उनके सुरक्षित प्रस्थान की सुविधा प्रदान करने की मांग की है। बयान में कहा गया, 'राजनयिक विशेषाधिकारों को एकतरफा ढंग से हटाना राजनयिक संबंधों पर वियना संधि सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत है।भारत द्वारा की गई यह कार्रवाई पूरी तरह से अनुचित और तनाव बढ़ाने वाली है।' कनाडा ने कहा, 'भारत ने उन सभी कनाडाई राजनयिकों को मान्यता दी थी जिन्हें वे अब निष्कासित कर रहे हैं। वे सभी राजनयिक सद्भावना से और दोनों देशों के व्यापक लाभ के लिए अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे।' बयान में कहा गया, 'राजनयिक छूट का सम्मान किया जाना चाहिए और मेजबान देश द्वारा इसे एकतरफा रद्द नहीं किया जा सकता है। यदि हम इस मानदंड को तोड़ने की अनुमति देते हैं, तो कहीं भी कोई भी राजनयिक सुरक्षित नहीं रहेगा। इस प्रकार, कनाडा सरकार राजनयिक मानदंडों का सम्मान करना जारी रखेगी और इस कार्रवाई का प्रतिकार नहीं करेगी।÷ कनाडा के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत का निर्णय श्री निज्जर की हत्या की कनाडा की वैध जांच से ध्यान नहीं भटकाएगा। इस मामले में कनाडा की प्राथमिकताएं सत्य का पता लगाना, कनाडाई लोगों की सुरक्षा और हमारी संप्रभुता की रक्षा बनी हुई हैं।' बयान में कहा गया, 'कनाडा अंतरराष्ट्रीय कानून का बचाव करना जारी रखेगा, जो सभी राज्यों पर समान रूप से लागू होता है। कनाडा भारत के साथ जुड़ना जारी रखेगा और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे बातचीत के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। कनाडा ने कहा, 'दुर्भाग्य से, इस सामूहिक निष्कासन से हमारे परिचालन पर असर पड़ेगा और ग्राहक सेवा प्रभावित होगी।अब हम अगली सूचना तक वाणिज्य दूतावासों में सभी व्यक्तिगत सेवाओं को अस्थायी रूप से रोकने के लिए मजबूर होंगे।

भारत के फैसले से दोनों देशों के नागरिकों की सेवाओं के स्तर पर असर पड़ेगा। आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) भारत से आवेदन स्वीकार करना और निस्तारण करना जारी रखेगा। हालांकि, कुछ आवेदन आवश्यकताओं को स्थानीय स्तर पर या सुरक्षित वातावरण में प्रत्यक्ष पर पूरा करना होगा। परिणामस्वरूप, आईआरसीसी टीम में संख्या में कमी से भारत के नागरिकों के लिए सेवा मानकों पर असर पड़ेगा। कनाडाई विदेश मंत्रालय ने कहा, 'आईआरसीसी के पांच कर्मचारी भारत में रहेंगे और उस काम पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिसके लिए देश में उपस्थिति की आवश्यकता होती है जैसे तत्काल प्रसंस्करण, वीज़ा प्रिंटिंग, जोखिम मूल्यांकन और वीज़ा आवेदन केंद्र, पैनल चिकित्सक और आव्रजन चिकित्सा परीक्षा करने वाले क्लीनिक सहित प्रमुख भागीदारों की देखरेख करना। शेष कार्य और कर्मचारियों को हमारे वैश्विक प्रसंस्करण नेटवर्क में पुनः नियुक्त किया जाएगा।'

गाजा में आनेवाला है बड़ा मानवीय संकट, भूख-प्यास से मरेंगे लोग

-यूएन ने दी बड़ी चेतावनी, जान बचानी है तो उत्तरी गाजा से भागना पड़ेगा

जिनेवा (एजेंसी)। यूएन ने चेतावनी दी है कि उत्तरी गाजा में बड़ा मानवीय संकट आनेवाला है। यदि जान बचानी है तो यहां से लोगों को भागना ही होगा। बता दें कि इजरायल और हमास की जंग एक बड़े मानवीय संकट में तब्दील हो रही है। इजरायल की चेतावनी के बाद उत्तरी गाजा में रहने वाले लोग अपनी जान बचाकर भाग रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक उत्तरी गाजा से 11 लाख लोग विस्थापित हुए हैं जिनमें से एक बड़ी संख्या दक्षिणी गाजा के खान यूनिस पहुंची है। लेकिन इस पलायन के बीच ही दक्षिणी गाजा की स्थिति दयनीय हो गई है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम का कहना है कि गाजा पट्टी के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यहां दुकानों में सिर्फ चार से पांच दिनों का राशन ही बचा है। गाजा की दुकानों में राशन खत्म होता जा रहा है। गाजा पट्टी में चार से पांच आटा मीलें हैं, जिनमें से ईंधन की कमी की वजह से सिर्फ एक ही काम कर रही है। वहीं इजरायली सेना जमीन, समुद्र और हवा से लगातार हमास पर बमबारी कर रही है।

लोग उत्तरी गाजा से पलायन कर रहे और दक्षिणी गाजा के खान यूनिस पहुंच रहे फिलिस्तीनियों के सामने फिलहाल सबसे बड़ा संकट पानी है। दक्षिणी गाजा में पानी की सिर्फ एक पाइपलाइन है और यह पाइपलाइन दिन में सिर्फ तीन घंटे ही खुलती है जिससे खान यूनिस की लगभग एक लाख की आबादी में से लगभग आधी आबादी को ही सीमित पानी मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि फिलिस्तीनियों के लिए पानी सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि पानी के बिना गंभीर स्थिति खड़ी हो जाएगी। ऐसे में डिहाइड्रेशन और अन्य बीमारियों से हालात और बिगड़ेंगे। ब्रेड की सप्लाई ना के बराबर है। ब्रेड के लिए लोगों को लंबी लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ रहा है।

इस मामले में विश्व खाद्य कार्यक्रम की मिडिल ईस्ट की प्रवक्ता अबीर इतेफा का कहना है कि गाजा में डब्ल्यूएपपी की 23 बेकरी हैं जिनमें से सिर्फ पांच ही ऑपरेशन में हैं। लेकिन गाजा में सप्लाई खत्म होने के कगार पर पहुंच गई है। इनमें से छह लाख लोग खान यूनिस और राफाह पहुंचे हैं जबकि लगभग चार लाख लोग संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी कैंपों में हैं। गाजा की स्थिति इतनी भयावह है कि यहां घायलों के लिए दवाइयां तक नहीं हैं। इधर संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि आगामी कुछ महीनों में हेल्थ क्लीनिक दवाइयों की किल्लत से बंद होने के कगार पर हैं। बता दें कि इजरायली बमबारी में

अब तक गाजा में 2800 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

श्वेता तिवारी पर चढ़ा बोल्डनेस का रंग

श्वेता तिवारी के चाहने वाले आज देशभर में मौजूद हैं. फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं. एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ने का एक मौका हाथ से नहीं जाने देतीं. श्वेता ने अपनी अदाकारी के दम पर तो हर किसी को दीवाना बनाया ही है, लेकिन आज लोग उनकी ग्लैमरस अदाओं पर भी फिदा रहते हैं. ऐसे में श्वेता का हर लुक तेजी से वायरल होने लगता है. अब फिर से एक्ट्रेस ने हुस्न की बिजलियां गिराई हैं.लेटेस्ट फोटोशूट के लिए श्वेता ने हैवी सीक्वेंस और फेदर वाली सिल्वर बॉडीकॉन ड्रेस कैरी की है. अपने इस लुक को स्मोकी मेकअप से कंप्लीट किया है.उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ ओपन रखा हुआ है.श्वेता इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं. उन्होंने अपनी अलग-अलग अदाएं दिखाते हुए कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं. उनकी इन अदाओं को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 43 साल की हो चुकी है और दो बच्चों की मां हैं. श्वेता की 22 साल की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं.श्वेता के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय वह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली हैं. इसके अलावा वह हम तुम और दैम वेब सीरीज में भी नजर आने वाली हैं.

देशी स्टाइल में हिंदी रीति-रिवाजों के साथ फिर शादी करने जा रही ये टीवी अभिनेत्री

बिग बॉस सीजन 16 में नजर आईं टीवी अभिनेत्री श्रीजिता डे ने इस साल जुलाई के महीने में अपने विदेशी ब्वॉयफ्रेंड माइकल ब्लोहम-पेप से शादी की थी। इस कपल की शादी जर्मनी के एक चर्च में धूमधाम से हुई थी। लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि श्रीजिता डे फिर से शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इस बार उनकी शादी देशी स्टाइल में हिंदी रीति-रिवाजों के साथ होगी। जिसकी जानकारी खुद श्रीजिता ने फैंस को दी। उन्होंने बताया कि वे दोनों इंडिया के कौन से शहर में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। श्रीजिता ने कहा, मेरे माता-पिता हमारे साथ मुंबई में ही त्यौहारी सीजन को सेलिब्रेट करने वाले हैं। माइकल के पेरेंट्स हमारी इंडियन वेडिंग के लिए जर्मनी से इंडिया आएंगे। पहले हमने सोचा था कि हम इस साल नवंबर में ट्रेडिशनल वेडिंग करे ले, लेकिन वर्क कमिटमेंट की वजह से हमें अपनी शादी की तारीख आगे बढ़ानी पड़ी। अब हम दोनों अगले साल की शुरुआत जनवरी या फिर फरवरी में गोवा में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। क्योंकि उसके बाद वहां का मौसम काफी गरम होता है। अपनी शादी के बारे में अन्य डिटेल्स शेयर कर श्रीजिता ने बताया कि वह माइकल के साथ बंगाली वेडिंग करने वाली हैं, जिसकी तैयारियां उन्होंने अभी से ही शुरू कर दी है। श्रीजिता ने कहा, हमारी जर्मनी वेडिंग के बाद हम दोनों थोड़ा रिलैक्स होना चाहते थे, लेकिन अब देसी शादी की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। अब हम बंगाली रीति-रिवाजों के साथ शादी करने वाले हैं, जिसमें हल्दी से लेकर मेहंदी और सभी फंक्शन होने हैं। अपनी डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए गोवा को चुनने पर श्रीजिता ने कहा, हम दोनों ही बीच लवर हैं। गोवा की हमारे दिलों में अपनी एक जगह है। हमने लॉकडाउन के दौरान आठ महीने वहीं पर बिताए हैं।

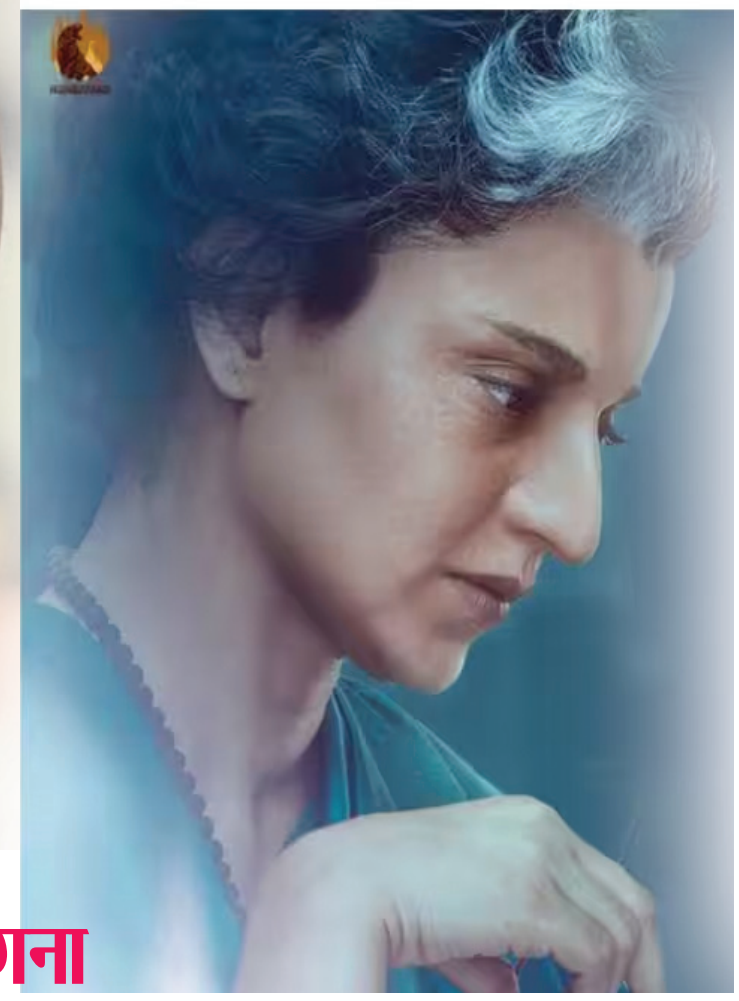

अगले साल रिलीज होगी इमरजेंसी, कंगना रनौत ने किया ऐलान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने घोषणा की है कि उनकी फिल्म इमरजेंसी अगले साल रिलीज होगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसकी घोषणा की। कंगना ने लिखा, डियर फ्रेंड्स, मुझे एक जरूरी अनाउंसमेंट करनी है, इमरजेंसी एक कलाकार के रूप में मेरे जीवन की सीख और कमाई है। इमरजेंसी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक इंसान के रूप में मेरे मूल्य और चरित्र की परीक्षा है। हमारे टीजर और अन्य यूनिट्स से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हम सभी को काफी उत्साहित किया है।मेरा दिल ग्रेटिट्यूड से भरा हुआ है और मैं जहां भी जाती हूं लोग मुझसे इमरजेंसी की रिलीज डेट के बारे में पूछते हैं। उन्होंने कहा, हमने इमरजेंसी रिलीज की तारीख 24 नवंबर 2023 अनाउंस की थी, लेकिन मेरी बैक-टू-बैक रिलीज होने वाली फिल्मों के कैलेंडर में सभी बदलावों और 2024 के लास्ट क्वार्टर के ओवर पैक होने के कारण हमने इमरजेंसी को अगले साल (2024) में शिफ्ट करने का फैसला किया है। कंगना ने कहा कि जल्द ही नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी। नई रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी, कृपया अपना साथ बनाए रखें। फिल्म के लिए आपकी प्रत्याशा, जिज्ञासा और उत्साह बहुत मायने रखता है, आपकी कंगना रनौत।इमरजेंसी कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और निर्मित एक जीवनी पर आधारित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है।भारत के आपातकाल पर आधारित इस फिल्म में कंगना ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

दौलत किरदार कभी भी रिटायर नहीं होगा:सिकंदर

बालीवुड एक्टर सिकंदर खेर ने कहा कि उनका आर्या सीजन 3 का किरदार दौलत कभी भी रिटायर नहीं होगा, भले ही स्टोरी की डिमांड क्यों न हो। फैंस क्राइम थ्रिलर ड्रामा आर्या सीजन 3 को लेकर एक्साइटेड है। सुष्मिता सेन इस सीरीज में आर्या सरीन का किरदार निभा रही हैं।

दौलत आर्या के साथ उसका मजबूत सहारा बनकर खड़ा है। उसने आर्या की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। वह आर्या का समर्थन करने के लिए मैदान में डटा हुआ है। आर्या के साथ अपने किरदार के संबंध के बारे में विस्तार से बताते हुए, सिकंदर ने कहा, दौलत रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच सकता क्योंकि जब तक आर्या है, दौलत भी रहेगा। मैं दौलत को सिकंदर के रूप में महसूस करता हूं। उन्होंने कहा, कभी-कभी आप किसी के प्यार में इतनी गहराई तक डूब जाते हैं कि आपको कुछ समझ ही नहीं आता। आप यह भी नहीं जानते कि आप उस व्यक्ति से प्यार क्यों करते हैं।

मिलन टॉकीज फेम एक्टर ने कहा, हो सकता है कि वे आपसे प्यार न करें, लेकिन आपका प्यार बढ़ता रहता है। जिस तरह जानवर निस्वार्थ प्यार करते हैं, ठीक उसी तरह दौलत भी आर्या से प्यार करता है। वह जानता है कि वह कभी रिटायर नहीं होंगे; आर्या हो सकती है, लेकिन दौलत कभी नहीं। तीसरे सीजन में, आर्या की नज़र नशीली दवाओं की आपूर्ति और परिवहन पर है, लेकिन इला अरुण उसे रोक लेती है, जो खुद इस खेल निर्विवाद रानी है।

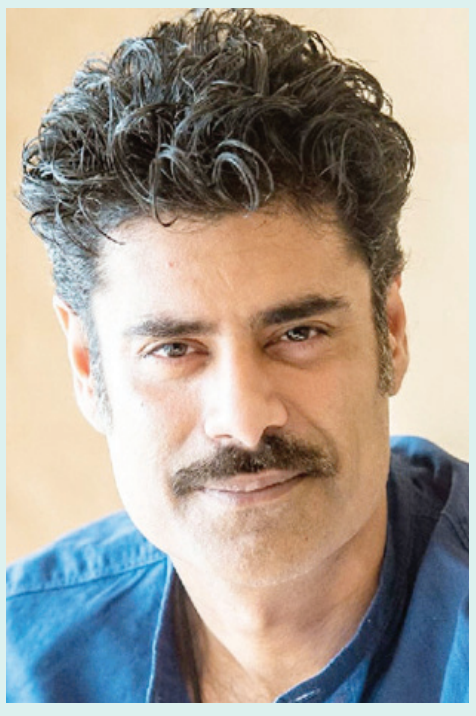

छोटे भाई बॉबी से लेकर सिंघम 3 अजय देवगन ने दी सनी देओल को जन्मदिन की बधाई

हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार सनी देओल का 19 अक्टूबर को 66वां जन्मदिन मनाया गया है। गदर 2 सुपरस्टार के जन्मदिन के मौके पर तमाम सेलेब्स और फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर बर्थडे विश कर रहे हैं। ये लाजिमी भी है क्योंकि सनी सबके फेवरेट जो माने जाते हैं। इस बीच सनी देओल के छोटे भाई और बॉलीवुड कलाकार बॉबी देओल और सिंघम 3 अभिनेता अजय देवगन सहित कई फिल्मी हस्तियों ने सनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। हाल ही में गदर2 की सफलता के बाद फैंस के दिलों पर राज करने वाले सनी देओल के बर्थडे को लेकर सुर्खियां बनी हुई हैं। सनी के जन्मदिन को लेकर एनिमल फिल्म कलाकार बॉबी देओल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो में सनी और बॉबी एक दूसरे के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के कैप्शन में बॉबी देओल ने लिखा है- लव यू भइया, जन्मदिन मुबारक हो। इसके अलावा सिंघम अगेन अभिनेता अजय देवगन ने अपनी इंस्टा स्टोरी में सनी देओल की फोटो शेयर कर हैप्पी बर्थडे लिखा है। बॉबी और अजय देवगन के अलावा सनी देओल की फैमिली में से पिता धर्मेंद्र, बहन एशा देओल और बेटे करण-राजवीर ने उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दी हैं। इतना ही गदर 2 के डायरेक्टर ने अनिल शर्मा ने भी सनी देओल को हैप्पी बर्थडे बोला है। गदर 2 के ब्लॉकबस्टर साबित होने के बाद सनी देओल आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। जिसमें आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनने वाली लाहौर 1947, बॉर्डर 2, डायरेक्टर नितेश तिवारी की रामायण और बाप ऑफ ऑल फिल्म्स का जैसी कई मूवीज के नाम शामिल हैं। फैंस को भी सनी देओल की इन अपकमिंग फिल्मों का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मैरिटल रेप को सेक्स सीन कहने पर भडकी मेहरीन

वेब सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली में एक सीन है जहां मैरिटल रेप के बारे में दिखाया गया है। सीरीज में मैरिटल रेप को सेक्स सीन कहने पर एक्ट्रेस और मॉडल मेहरीन पीरजादा भडक गई और उन्होंने इसका गुस्सा मीडिया और सोशल मीडिया पर जमकर निकाला। उन्होंने ट्रोल की आलोचना की है। वेब सीरीज में संजना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस ने ट्विटर पर लिखा, सुल्तान ऑफ दिल्ली में एक सीन था, जिसमें क्रूर मैरिटल रेप यानी वैवाहिक बलात्कार को दिखाया गया था। मुझे यह देखकर दुख होता है कि वैवाहिक बलात्कार जैसे गंभीर मुद्दे को मीडिया में कई लोगों ने इसे सेक्स सीन के रूप में लिखा। यह उस चीज़ को छोटा बनाता है, जो एक गंभीर मुद्दा है, जिससे दुनियाभर में कई महिलाएं वर्तमान में निपट रही हैं। पीरजादा ने लिखा, यह मुझे परेशान करता है कि मीडिया के एक निश्चित वर्ग और सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे उठाया है। इन लोगों को समझना चाहिए कि उनकी भी बहनें और बेटियां हैं और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि उन्हें कभी भी इस तरह के आघात से जीवन में न गुजरना पड़े। महिलाओं के खिलाफ ऐसी क्रूरता और हिंसा का विचार ही घृणित है। पोस्ट के आखिर में मेहरीन ने लिखा, एक एक्टर के रूप में, भूमिका के साथ न्याय करना मेरा काम है और मिलन लुथरिया सर के नेतृत्व में दिल्ली के सुल्तान की टीम यह सुनिश्चित करने में बेहद पेशेवर थी कि हम अभिनेता के रूप में ऐसी किसी भी स्थिति में न हों या कुछ बहुत कठिन दृश्यों की शूटिंग के दौरान असहजता हो। मुझे उम्मीद है कि एक कलाकार के रूप में मैं अपने दर्शकों के लिए हर भूमिका में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दूंगी। चाहे वह महालक्ष्मी, संजना या हनी हो। बता दें कि मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित वेब सीरीज में सुल्तान ऑफ दिल्ली से ओटीटी डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस और मॉडल मेहरीन पीरजादा इस वक्त खासी चर्चाओं में हैं।